THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 363 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **चैत्र कृ.12 2081 बुधवार, 26 मार्च-2025**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ❊ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

A quality product from

PAN BAHAR

पान बहार

द हेरिटेज इलायची

पहचान कामयाबी की

This contains sodium saccharin (INS 954), sucralose (INS 955) and Neotame (INS 961).
Not recommended for children. No sugar added in the product.
CONTAINS ARTIFICIAL SWEETENER AND FOR CALORIE CONSCIOUS

TOLL FREE NO.: 1800 257 2258 | www.panbahar.in

उन्नाव दुष्कर्म मामले से जुड़े लोगों और गवाहों को दी गई सीआरपीएफ सुरक्षा वापस

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

नई दिल्ली,25 मार्च (एजेंसियां)। उन्नाव दुष्कर्म मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट से बड़ा अपडेट आ रहा है। शीर्ष अदालत ने मामले से जुड़े लोगों और गवाहों को दी गई सीआरपीएफ सुरक्षा वापस लेने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने इस बात पर गौर किया है कि इस मामले में दोषी को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। हालांकि, कोर्ट ने साफ किया कि पीड़िता को दी गई सीआरपीएफ सुरक्षा जारी रहेगी।

पीड़िता की सीआरपीएफ सुरक्षा वापस लेने से इनकार

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता की सीआरपीएफ सुरक्षा वापस लेने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि अभी भी खतरे की आशंका है। हालांकि, जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस पीबी वराले की पीठ ने पीड़िता के परिवार के सदस्यों और अन्य गवाहों को दी गई सीआरपीएफ सुरक्षा वापस ले ली। कोर्ट ने कहा कि मामले में दोषसिद्धि पहले ही हो चुकी है।

आजीवन कारावास की सजा सुनाई जा चुकी

पीठ ने कहा, 'हमारा मानना है कि इस कोर्ट से संबंधित व्यक्तियों को उस वक्त दी गई सुरक्षा जारी नहीं रखी जा सकती, क्योंकि मामले में दोषी करार दिए जाने के बाद आजीवन कारावास की सजा सुनाई जा चुकी है। हालांकि, हम यह साफ करते हैं कि अगले आदेश तक पीड़िता के लिए सीआरपीएफ सुरक्षा जारी रहेगी।'

स्थानीय पुलिस से संपर्क कर सकते हैं

शीर्ष न्यायालय ने कहा कि यदि परिवार के सदस्यों और अन्य गवाहों को अभी भी कोई खतरा महसूस होता है तो वे स्थानीय पुलिस से संपर्क कर सकते हैं। सुनवाई के दौरान अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने बताया कि मामले में दोषसिद्धि हो चुकी है और उन्होंने सीआरपीएफ सुरक्षा कवर वापस लेने की अनुमति मांगी। केंद्र ने 2019 में न्यायालय के आदेश के बाद उन्हें प्रदान की गई सीआरपीएफ सुरक्षा वापस लेने की मांग करते हुए एक याचिका दायर की थी।

सेंगर की अपील दिल्ली हाईकोर्ट में लंबित

उत्तर प्रदेश के उन्नाव में 2017 में नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के आरोप में निष्कासित भाजपा नेता कुलदीप सिंह सेंगर जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। शीर्ष न्यायालय ने 1 अगस्त, 2019 को पीड़िता, उसकी मां, परिवार के अन्य सदस्यों और उनके वकील को सीआरपीएफ सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया था। मामले में ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली सेंगर की अपील दिल्ली हाईकोर्ट में लंबित है।

आईबी अधिकारी का शव मिला, तमिलनाडु में सेवानिवृत्त कर्मी की हत्या मसले में बवाल

कोच्चि/चेन्नई,25 मार्च (एजेंसियां)। केरल में पेट्टा रेलवे स्टेशन के पास इंटेलिजेंस ब्यूरो की एक 24 वर्षीय महिला अधिकारी का शव मिला। महिला अधिकारी की पहचान पथानामथिट्टा के कूडल निवासी मेघा के रूप में हुई है, जो पेट्टा के पास पेइंग गेस्ट के तौर पर रह रही थी। हालांकि, पुलिस का कहना है कि यह एक संदिग्ध आत्महत्या का मामला है। दूसरी तरफ, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने मंगलवार को सेवानिवृत्त पुलिस उपनिरीक्षक की हत्या के मामले में तमिलनाडु के डीजीपी और तिरुनेलवेली जिले के कलेक्टर को नोटिस जारी किया है। आयोग ने चार सप्ताह के अंदर मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। पेट्टा पुलिस स्टेशन के पास सोमवार को महिला अधिकारी का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पेट्टा पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया।

गांजा तस्करी के लिए कार का इस्तेमाल करने वाले ड्राइवर को हाईकोर्ट से जमानत मिली

नई दिल्ली,25 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने उस शख्स को जमानत दे दिया जिसे एनडीपीएस एक्ट यानी ड्रग्स की तस्करी से जुड़े कानून के तहत आरोपी बनाया गया था। आरोपी के नाम से रजिस्टर्ड कार का इस्तेमाल गांजा ले जाने के लिए किया गया। पर जमानत की अर्जी दाखिल करते हुए आरोपी ने कहा कि उसे इस बात की जानकारी ही नहीं थी कि उसकी कार का इस्तेमाल गांजा ले जाने के लिए किया गया। आरोपी ने यह भी बतलाया कि उसने अपनी कार को एक अनौपचारिक लेन-देन में बेच दिया था। जिसके बाद ये सबकुछ हुआ। दिल्ली हाईकोर्ट के जज संजीव नरुला इस मामले को सुन रहे थे। जस्टिस नरुला एनडीपीएस कानून की धारा 25 के तहत आरोप बनता है या नहीं, इसकी पड़ताल कर रहे थे। ये धारा ड्रग्स की तस्करी के लिए गाड़ी या फिर किसी जगह के इस्तेमाल पर उसके मालिक को दंडित करती है। ऐसे में, लंबी सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने पाया कि मुकदमे की सबसे खास बात ये थी कि चूंकि आरोपी को इस बात की जानकारी नहीं थी कि उसकी गाड़ी का इस्तेमाल ड्रग तस्करी के लिए हुआ, उस पर मुकदमा नहीं बनता।

क्या था पूरा मामला?

पिछले बरस फरवरी की बात है। पुलिस ने एक मारुति स्विफ्ट डिजायर को पकड़ा, जिसमें गांजा रखा हुआ था। कार चलाने वाले शख्स – धीरज ने दावा किया था कि वह उत्तर प्रदेश के रहवासी मुन्ना से ये गांजा लेकर आ रहा है। साथ ही, जिस गाड़ी का वह इस्तेमाल कर रहा है, वो भी उसका नहीं बल्कि राहुल नाम के एक शख्स का है। धीरज ने दावा किया कि राहुल को इस बात की जानकारी है कि उसकी गाड़ी का इस्तेमाल एक जगह से दूसरी जगह गांजा ले जाने के लिए किया गया। आखिरकार, पुलिस ने राहुल को इस मामले में गिरफ्तार किया। पूछताछ भी की। मगर राहुल पूरे मामले में खुद को निर्दोष बताता रहा। राहुल का पक्ष था कि उसने बेचने के लिहाज से गाड़ी को धीरज को दे दिया था। भले गाड़ी की बिक्री का कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ था, मगर कुछ कागजात पर दोनों पक्षों के हस्ताक्षर थे। क्योंकि अभी तक चीजें अनौपचारिक ही थी, कार का मालिकाना हक कागजों में राहुल ही के पास था। अदालत ने राहुल की दलीलों में दम पाया और उसे जमानत दे दी।

मां ने अपनी सात माह की बेटी को पानी की टंकी में डुबोकर मार डाला, बीमार रहने से थी परेशान

देहरादून,25 मार्च (एजेंसियां)। देहरादून जिले के विकासनगर सहसपुर थाना क्षेत्र के धर्मावाला में एक महिला ने अपनी सात माह की बेटी को पानी की टंकी में डुबोकर कर मार दिया। बेटी बीमार चल रही थी। बेटी के बीमार होने के कारण महिला भी मानसिक अवसाद में थी। पुलिस ने पति मुंतजिर की तहरीर पर सादिया के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। महिला का एक साढ़े तीन साल का बेटा भी है। थाना प्रभारी सहसपुर शंकर सिंह बिष्ट ने बताया कि आरोपी महिला को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

बीएमसी चुनाव से पहले राज ठाकरे ने मनसे में किया बड़ा बदलाव

जानें किसे मिली कौन सी जिम्मेदारी?

मुंबई,25 मार्च (एजेंसियां)। आगामी मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव की तैयारी में सभी राजनीतिक दलों ने कमर कस ली है। भले ही चुनाव की तारीखों की घोषणा अब तक नहीं हुई हो, लेकिन कयास लगाए जा रहे हैं कि इस साल के अंत तक चुनाव संपन्न हो सकते हैं। इसको ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) ने भी संगठन को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम उठाए हैं। पार्टी के प्रमुख राज ठाकरे ने एमएनएस में बड़े स्तर पर बदलाव करते हुए कई नए पदों की घोषणा और महत्वपूर्ण पदाधिकारियों की नियुक्ति की है। राज ठाकरे की अध्यक्षता में मुंबई में एमएनएस के पदाधिकारियों

अमित ठाकरे को बड़ी जिम्मेदारी

की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में आगामी बीएमसी चुनाव को लेकर गहन समीक्षा की गई और संगठन को मजबूती देने के लिए कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक के दौरान पार्टी के सांगठनिक ढांचे को पुनर्गठित किया गया और नए पदों की घोषणा की गई।

राज ठाकरे ने अपने बेटे अमित ठाकरे को एमएनएस के सभी शाखा अध्यक्षों की जिम्मेदारी सौंपी है। अमित ठाकरे को पहली बार इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी गई है, जिससे एमएनएस के अंदर एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है।

संदीप देशपांडे बने मुंबई शहर अध्यक्ष

एमएनएस के वरिष्ठ नेता संदीप देशपांडे को मुंबई शहर अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया है। यह पद एमएनएस के इतिहास में पहली बार बनाया गया है, जिससे इसकी महत्ता और भी बढ़ जाती है। पदभार संभालने के बाद संदीप देशपांडे ने मीडिया से बातचीत में कहा, इस पद की जिम्मेदारी पाकर गर्व महसूस कर रहा हूं, लेकिन साथ ही यह एक बड़ी चुनौती भी है। आगामी बीएमसी चुनाव में मनसे को मजबूत करने के लिए पूरी ताकत झोंक दूंगा। एमएनएस संगठन में कई अन्य बड़े बदलाव किए गए हैं। यशवंत किलेदार को कोलाबा से माहिम और शिव खंड क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कुणाल मैनकर को पश्चिमी मंडल का प्रभारी बनाया गया है। योगेश सावंत को पूर्वी मंडल की जिम्मेदारी दी गई है। नई जिम्मेदारियां मिलने के बाद सभी पदाधिकारियों को उनके कार्यक्षेत्र की पूरी जानकारी दी जाएगी और चुनावी तैयारियों को गति देने के निर्देश दिए गए हैं।

एमएनएस की चुनावी रणनीति तेज

एमएनएस ने आगामी बीएमसी चुनाव के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। लोकसभा और विधानसभा चुनावों में अपेक्षित सफलता न मिलने के बाद अब एमएनएस अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए पूरी रणनीति के साथ चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। नई नियुक्तियों से कार्यकर्ताओं में भी जोश देखने को मिल रहा है, जिससे आगामी चुनाव में एमएनएस के प्रदर्शन पर सबकी नजरें टिकी रहेंगी।

पानी की टंकी साफ करने के दौरान नाबालिग की मौत

पुलिस ने ठेकेदार को किया गिरफ्तार

ठाणे,25 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में 16 साल के एक लड़के की पानी की टंकी साफ करने के दौरान बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना के बाद हरकत में आई पुलिस ने ठेकेदार को गिरफ्तार कर लिया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 40 साल के ठेकेदार को घोड़बंदर रोड स्थित हाउसिंग सोसाइटी ने पानी की टंकियां साफ करने के लिए ठेका दिया था। उन्होंने बताया कि ठेकेदार ने 22 मार्च को बिना किसी सुरक्षा उपकरण के नाबालिग को सफाई के लिए टंकी के अंदर भेज दिया। कासरवडावली पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि सफाई के दौरान लड़के को करंट लग गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया। अधिकारी ने बताया कि पहले दुर्घटना के चलते हुए मौत का मामला दर्ज किया गया था, लेकिन जांच के बाद ठेकेदार को लापरवाही का दोषी मानते हुए एफआईआर दर्ज कर उसे सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि ठेकेदार के खिलाफ बीएनएस की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) और किशोर न्याय अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है।

'हिंदुओं के नाम वोटर लिस्ट से हटा रही ममता सरकार'

पश्चिम बंगाल में बीजेपी का बड़ा आरोप

कोलकाता,25 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में चुनाव में अभी एक साल का समय बचा है। इससे पहले बीजेपी और टीएमसी एक-दूसरे पर हमलावर हो गई है। बंगाल बीजेपी के सह प्रभारी और पार्टी के आईटी इंचार्ज अमित मालवीय ने टीएमसी पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने टीएमसी सरकार पर सीमावर्ती इलाकों से हिंदू मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि हिंदू मतदाताओं के नाम हटाकर बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुस्लिमों के नाम जोड़े जा रहे हैं।

नादिया से हटाए 98 हिंदू वोटर्स

बीजेपी नेता और पश्चिम बंगाल के सह प्रभारी अमित मालवीय ने ट्वीट कर कहा, पश्चिम बंगाल में तृणमूल सरकार खासकर सीमावर्ती इलाकों में हिंदू मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा रही है, जबकि बांग्लादेशी और रोहिंग्या मतदाताओं के नाम जोड़ रही है। उदाहरण के लिए, भाजपा के गढ़ नादिया में अब्दुल रहमान शेख नामक व्यक्ति से अनुरोध मिलने के बाद, ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर (बीडीओ) ने उसी दिन मतदाता सूची से 98 हिंदू नामों को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी। बीजेपी नेता ने आगे कहा कि यह कदम मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देशों के तहत उठाया जा रहा है। यह देखते हुए कि बीडीओ मतदाता सूची तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सीएम को पता है कि राज्य में मुसलमान बड़े पैमाने पर उनके लिए वोट करते हैं, यह हिंदुओं को मताधिकार से वंचित करने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास है।

'जब तक आतंकी मारे नहीं जाते

सन्याल गांव में नहीं आ सकती शांति' आतंकियों की मौजूदगी से दहशत

जम्मू,25 मार्च (एजेंसियां)। आतंकियों की मौजूदगी का पता चलने से भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे गांव सन्याल में दहशत का माहौल है। अमित शर्मा कहते हैं, जब तक सुरक्षाबल आतंकियों को ढेर नहीं करते, हमें चैन की नींद नहीं आएगी। वह बताते हैं कि रविवार पूरी रात लोग नहीं सोए। सोमवार को दिन ढलते ही ग्रामीणों ने बच्चों को घरों से बाहर नहीं निकलने दिया। लोग स्थिति सामान्य होने का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि लगातार सुरक्षाबलों की हलचल जारी है, लेकिन जब तक आतंकी ढेर नहीं हो जाते लोग चैन की नींद नहीं सो सकते हैं। रामलाल कालिया बताते हैं कि सुरक्षा बल आतंकियों को ढेर करने के लिए पूरी रणनीति के साथ काम कर रहे हैं। मगर, जब तक सफलता नहीं मिलती लोगों में डर तो बना ही रहेगा।

जैन-बौद्ध धर्म के लोगों पर भी हिंदू मैरिज एक्ट लागू एचसी बोला- फैमिली कोर्ट का आदेश गलत

इंदौर,25 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। हाई कोर्ट की डिवीजन बैंच ने अपने विस्तृत आदेश में स्पष्ट किया कि संविधान और विधानमंडल ने हिंदू, बौद्ध,जैन और सिख धर्म को एक साथ मान्यता दी है। इसलिए हिंदू मैरिज एक्ट जैन और बौद्ध धर्म के अनुयायियों पर भी लागू होता है। फैमिली कोर्ट को धार्मिक प्रथाओं की व्याख्या करने के बजाय कानूनी प्रावधानों का पालन करना था। फैमिली कोर्ट का इस मामले में दिया गया फैसला अवैध है। इंदौर जिले की रहने वाली याचिकाकर्ता नितिन सेठी की पत्नी ने फैमिली कोर्ट में तलाक का केस दायर किया था। फैमिली कोर्ट ने यह कहते हुए तलाक की अर्जी खारिज कर दी कि जैन समुदाय को अल्पसंख्यक घोषित किया जा चुका है। जैन धर्म, हिंदू धर्म से

अलग है और हिंदू मैरिज एक्ट जैन धर्म के अनुयायियों पर लागू नहीं होता। इसी आधार पर कोर्ट ने एक ही दिन में 28 ऐसे आवेदनों को अवैध करार दे दिया।

हाईकोर्ट की टिप्पणी

फैमिली कोर्ट के दिए हुए फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी गई। यहां दो जजों की बेंच ने सुनवाई के बाद स्पष्ट किया कि हिंदू मैरिज एक्ट केवल हिंदुओं तक सीमित नहीं है बल्कि जैन, बौद्ध और सिख समुदायों पर भी लागू होता है। फैमिली कोर्ट ने गलत आधार पर निर्णय दिया था। हाई कोर्ट ने कहा अगर फैमिली कोर्ट को कोई संदेह था तो उसे मामला हाई कोर्ट को भेजना चाहिए था। फैमिली कोर्ट ने दोनों धर्मों के बीच अंतर खोजने की कोशिश की और उसके द्वारा दिए गए तर्क वैध नहीं थे। कोर्ट के इस फैसले से यह स्पष्ट हो गया कि धार्मिक मान्यताओं की गलत व्याख्या कर कानून को बदला नहीं जा सकता। विवाह से जुड़े सभी कानूनी मामलों में स्पष्टता आएगी और धर्म के आधार पर भेदभाव रोका जा सकेगा।

सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन करना पड़ा महंगा, पुलिस ने लिया एक्शन

नई दिल्ली,25 मार्च (एजेंसियां)। सोशल मीडिया एप्लिकेशन इंस्टाग्राम पर हथियारों के साथ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट कर सनसनी फैलाने वाले एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी, जिसकी पहचान शिव उर्फ सोनू निवासी विकास नगर, दिल्ली के रूप में हुई है, सोशल मीडिया पर अवैध हथियारों का प्रदर्शन कर लोगों में डर फैलाने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने उसके पास से एक देशी पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक रन्होला थाना की टीम सोशल मीडिया पर निगरानी रख रही थी, तभी उन्हें एक युवक द्वारा हथियारों के साथ इंस्टाग्राम रील्स बनाने की जानकारी मिली। गुप्तचरों से मिली सूचना के बाद इस मामले की गहराई से जांच शुरू की गई और पुष्टि होने पर एक विशेष टीम गठित की गई। इंस्पेक्टर मुकेश कुमार के नेतृत्व में एचसी प्रदीप, कांस्टेबल नरेंद्र और कांस्टेबल रविंदर की टीम ने संदिग्ध की तलाश शुरू की। 23 मार्च की रात पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी संडे चौक, बालाजी चौक, विकास नगर के पास मौजूद है। पुलिस ने तत्काल जाल बिछाया और मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। संदिग्ध को मौके पर ही दबोच लिया गया। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में शिव उर्फ़ सोनू ने कबूल किया कि वह सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाने और खुद को ताकतवर दिखाने के लिए अवैध हथियारों का प्रदर्शन करता था। उसका मकसद लोगों में डर का माहौल बनाना और खुद को इलाके में प्रभावशाली साबित करना था। पुलिस ने मौके से एक देशी पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद कर आरोपी के खिलाफ एफआईआर नंबर 219/25, धारा 25/54/59 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

कुणाल कामरा को मिली धमकी! सुप्रिया श्रीनेत ऑडियो शेयर कर बोलीं- 'गजब कॉमेडी'

नई दिल्ली,25 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर टिप्पणी करने को लेकर शिवसेना कार्यकर्ता ने कॉमेडियन कुणाल कामरा को फोन पर धमकी दी। इस धमकीभरे कॉल की ऑडियो कांग्रेस की महिला नेता सुप्रिया श्रीनेत ने शेयर की। साथ ही तंज कसते हुए कहा कि क्या गजब कॉमेडी चल रही है। इस ऑडियो में शख्स खुद को शिवसेना कार्यकर्ता बताते हुए कुणाल कामरा को कहते हुए सुनाई दे रहा है, जैसे स्टूडियो को तोड़ा है वैसे ही तुझे भी तोड़ेंगे। तू कहां पर है। इसके जवाब में कुणाल कामरा ने कहा कि मैं तमिलनाडू में हूं। फिर शिवसेना कार्यकर्ता ने कहा कि तमिलनाडु अभी कैसे पहुंचेगा भाई। इस ऑडियो चैट को लेकर सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि क्या कॉमेडी चल रही है।

11 शिवसैनिक गिरफ्तार

इससे पहले स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा के दफ्तर में तोड़फोड़ के मामले में 11 शिव सैनिकों को गिरफ्तार किया गया। खार पुलिस ने इन आरोपियों को कुछ समय पहले बांद्रा कोर्ट में पेश किया, वहीं मामले में शिवसेना युवा सेना के जनरल सेक्रेटरी राहुल कनाल को भी पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया गया है। पुलिस ने राहुल कनाल को सोमवार को खार पुलिस स्टेशन बुलाया था, जहां से वह थोड़ी देर बाद बाहर निकल गए, लेकिन उन्हें फिर से 11 बजे पूछताछ के लिए बुलाया गया।

20 लोगों के खिलाफ केस दर्ज

खार पुलिस ने इस मामले में कुल 19 लोगों को नामजद किया था और 15 से 20 अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। तोड़फोड़ की घटना के बाद पुलिस ने शिवसेना के 11 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। इन गिरफ्तारियों के बाद, इस पूरे मामले में राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है, जिसमें कई लोगों ने इसे अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला करार दिया है, जबकि कुछ का मानना है कि कॉमेडी की भी एक सीमा होनी चाहिए।

बिना नाम लिए एकनाथ शिंदे पर गाया गाना

बता दें कि कुणाल कामरा ने अपने कॉमेडी शो में एक गीत के जरिए बिना नाम लिए एकनाथ शिंदे पर तंज कसा था। उन्होंने छिपे-ढके अंदाज में उन पर शिवसेना छीनने का आरोप लगाया। रविवार (23 मार्च) को उन्होंने इस शो की क्लिप अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर डाली, जिसके बाद हंगामा बरप गया। शिवसैनिकों ने उनके ऑफिस में तोड़फोड़ की, जिसके बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर एफआईआर दर्ज कराई। इस घटनाक्रम के बाद सोशल मीडिया पर भी इस मुद्दे पर तीखी बहस छिड़ गई है।

फरार कुख्यात नशा तस्कर अमरजीत सिंह पप्पा गिरफ्तार

लुधियाना,25 मार्च (एजेंसियां)। लुधियाना के गांव बुर्ज हरि सिंह का कुख्यात नशा तस्कर अमरजीत सिंह उर्फ पप्पा पुलिस की गिरफ्त में आ गया है। एनडीपीएस एक्ट के 12 केसों में वांछित पप्पा लगातार पुलिस को चकमा देते हुए नशा तस्करी का धंधा कर रहा था। रायकोट सदर थाना की पुलिस ने मंगलवार को उसे भारी मात्रा में नशे की गोलियों की खेप के साथ दबोच लिया। 18 मार्च को जिला लुधियाना ग्रामीण पुलिस प्रमुख एसएसपी अंकुर गुप्ता की अगुवाई में पप्पा के तीन मंजिला घर पर पीला पंजा चलाया गया था। अमरजीत सिंह पप्पा, उसकी पत्नी सोनी कौर, बेटे हरप्रीत सिंह चिल्लू और गुरप्रीत सिंह गोपी के खिलाफ कुल मिलाकर नशा तस्करी के 26 केस पहले से दर्ज हैं। मंगलवार को पप्पा की गिरफ्तारी के बाद उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में 13वां केस दर्ज किया गया। जांच अधिकारी और थाना सदर रायकोट की चौकी जलालदीवाल के प्रभारी लखवीर सिंह ने बताया कि फरार चल रहे पप्पा के बारे में सूचना मिली थी कि वह इलाके में नशे की गोलियां बेच रहा है। मंगलवार सुबह पप्पा मुंह ढक कर अपने पैतृक गांव बुर्ज हरि सिंह की दाना मंडी में नशे की गोलियां सप्लाई करने आया था। पक्की सूचना के आधार पर पुलिस ने दाना मंडी को घेर लिया। पुलिस को देख पप्पा ने एक बार फिर भागने की कोशिश की लेकिन उसे दबोच लिया गया। पप्पा के कब्जे से भारी मात्रा में नशे की गोलियां बरामद की गई हैं। जांच अधिकारी लखवीर सिंह ने बताया कि अमरजीत सिंह पप्पा के दोनों बेटे हरप्रीत सिंह चिल्लू और गुरप्रीत सिंह गोपी जेल में बंद हैं। जबकि उसकी पत्नी सोनी कौर अभी तक फरार चल रही हैं। अमरजीत की बुजुर्ग मां अवतार कौर की मौजूदगी में 18 मार्च को उसका घर गिरा दिया गया था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन की तैयारी

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) देशभर में प्रदर्शन करेगा। संगठन ने 17 मार्च को दिल्ली के जंतर-मंतर पर बिल के विरोध में प्रदर्शन किया था। कल यानी 26 मार्च को पटना और 29 मार्च को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में प्रदर्शन की तैयारी है। प्रदर्शन में एआईएमपीएलबी, विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संगठनों के राष्ट्रीय और प्रांतीय प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। साथ ही सिविल सोसाइटी, अल्पसंख्यक समुदायों के प्रमुख प्रतिनिधि, दलित, आदिवासी और ओबीसी वर्गों के नेता भी इस प्रदर्शन में शामिल होंगे। भाजपा सांसद और वक्फ संशोधन विधेयक के लिए बनाई गई जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने मंगलवार को कहा कि सरकार ज्यादा से ज्यादा लोगों के फायदे के लिए बिल में संशोधन कर रही है।

वर्ष-29 अंक : 363 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.12 2081 बुधवार, 26 मार्च-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

ईद पर सौगात-ए-मोदी

* 32 लाख मुस्लिमों को स्पेशल किट बांटना शुरू * इसमें कपड़े और खाने-पाने का सामान

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा ने मंगलवार को सौगात-ए-मोदी अभियान की शुरुआत की। इसके तहत देशभर में 32 लाख वंचित मुसलमानों को ईद मनाने के लिए विशेष किट दी जा रही है। भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चा ने इस अभियान की जिम्मेदारी संभाली है। मोर्चे के 32 हजार कार्यकर्ता देश की 32 हजार मस्जिदों के साथ मिलकर जरूरतमंदों तक ये किट पहुंचाएगी। इसके लिए हर मस्जिद से 100 लोगों को मदद पहुंचाने का टारगेट रखा गया है।

सौगात-ए-मोदी किट में कपड़े और खाने पीने का सामान है। इसमें महिलाओं के लिए सूट, पुरुषों के लिए कुर्ता-पायजामा, दाल, चावल, सेवई, सरसों तेल,चीनी, कपड़े, मेवा, खजूर शामिल हैं। प्रत्येक किट की कीमत 500- 600 के करीब बताई गई है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर त्योहार के जश्न और हर किसी की खुशी में शामिल होते हैं। हम हर त्योहार को रंगों से भरपूर बनाने का प्रयास कर रहे हैं। आज हम सौगात-ए-मोदी किट बांट रहे हैं क्योंकि यह रमजान का महीना है। सभी की आस्था का सम्मान किया जाना चाहिए। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने कहा- रमजान के पवित्र महीने और ईद, गुड फ्राइडे, ईस्टर, नौरुज के मौके पर अल्पसंख्यक मोर्चा 'सौगात-ए-मोदी' अभियान के जरिए जरूरतमंदों तक पहुंचेगा। जिला स्तर पर ईद मिलन समारोह भी आयोजित किए जाएंगे। अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी यासिर जिलानी ने कहा- ये अभियान भाजपा के मुस्लिम समुदाय के बीच कल्याणकारी योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए है। इसके जरिए भाजपा और एनडीए के लिए राजनीतिक समर्थन जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। बीजेपी नेता और दिल्ली हज कमेटी की अध्यक्ष कौसर जहां ने कहा- प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में यह एक और बहुत अच्छी पहल है। आपने देखा होगा कि जब से भाजपा सरकार सत्ता में आई है, हमने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी बिना किसी भेदभाव के साथ अपने साथ लिया है, जो हमारा मूल मंत्र है - सबका साथ, सबका विकास। उसे ये दर्शाता है। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा- नरेंद्र मोदी का विकास एजेंडा कभी भी वोटों के लिए सौदा नहीं रहा है। पिछले 11 सालों में उन्होंने समाज के आखिरी पायदान पर खड़े लोगों के जीवन में खुशियां लाने का काम किया है। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव: यह राजनीति है या हृदय परिवर्तन? यह कैसा प्रेम है? ईश्वर उन्हें सद्बुद्धि दे और वे संविधान को स्वीकार करें। उन्हें नफरत की राजनीति से दूर रहना चाहिए। कांग्रेस सांसद रंजीत रंजन: बिहार में चुनाव है, वे 'सौगात' किट नहीं दे रहे हैं, बल्कि इसके जरिए वोट मांग रहे हैं। अगर उन्हें बिहार में 'सौगात' देने की इच्छा थी, तो उन्हें बिहार से पलायन रोकने के लिए नौकरियां देनी चाहिए थीं।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव: भाजपा और उसके लोगों को हर त्योहार मनाना चाहिए। समाजवादियों का हमेशा से मानना रहा है कि सभी त्योहार मनाए जाने चाहिए, चाहे वह किसी भी धर्म के हों। यह खुशी की बात है कि भाजपा अब बड़े पैमाने पर त्योहार मना रही है। भाजपा ऐसी पार्टी है जो एक वोट के लिए कुछ भी कर सकती है। सांसद कीर्ति आजाद-क्या आपने मगरमच्छ का चेहरा देखा है? ऐसा लगता है कि जानवर मुस्कुरा रहा है, लेकिन जब आप उसके पास जाते हैं, तो वह आपको निगल जाएगा। यही स्थिति भाजपा के साथ भी है। दुनिया उनके कारनामों के बारे में जानती है, लेकिन उनके पास दिखाने के लिए कुछ नहीं है।

रूस-यूक्रेन हो या इजराइल-ईरान दो दुश्मनों से भी कर सकते हैं एकसाथ बात

जयशंकर ने दुनिया को दे दिया बड़ा संदेश

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन और इजरायल-ईरान में कैसे हालात हैं, ये पूरी दुनिया देख रही है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत कुछ ऐसे देशों में से है जो यूक्रेन और रूस, इजराइल और ईरान दोनों के साथ बातचीत कर सकता है। अभी दुनिया में जो उथल-पुथल मची है, उसमें भारत दोनों पक्षों से बात कर सकता है। जयशंकर ने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास' का मंत्र विदेश नीति पर भी लागू होता है। आजकल दुनिया में बहुत ध्रुवीकरण है। ऐसे में भारत कुछ ऐसे देशों में से है जो रूस और यूक्रेन, इजराइल और ईरान, क्वॉड और ब्रिक्स सभी के साथ बातचीत करने की स्थिति में है।

भारत हमेशा शांति के साथ :

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि पश्चिमी और यूरोपीय देशों के विपरीत, भारत ने यूक्रेन-रूस युद्ध में किसी भी देश का पक्ष नहीं लिया है। भारत हमेशा से यही कहता आया है कि वह शांति के साथ है। इसके साथ ही, भारत ने मिडिल ईस्ट में 2023 के दौरान हमास की ओर से इजराइल पर हमले के बाद इजराइल और ईरान दोनों के साथ अपने संबंधों को बनाए रखा। इजराइल भारत को हथियार देने वाला एक महत्वपूर्ण देश बन गया है। वहीं, भारत कच्चे तेल के लिए ईरान पर निर्भर है। भारत के इस रवैये की कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी तारीफ की थी। इस पर जयशंकर ने मजाकिया अंदाज में कहा कि मैंने हमेशा थरूर के फैसले की तारीफ की है।

जयशंकर ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दुनिया के नेताओं संग अच्छे संबंध हैं। उनकी समझ की वजह से ही भारत दुनिया में हो रहे बदलावों को समझ पाता है। भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि हमने रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे झगड़े को बहुत ध्यान से देखा। हमने इसके कारणों को समझा। बाकी देशों ने शायद भावनाओं में बहकर फैसले लिए, जिससे उनकी सोच पर असर पड़ा। जयशंकर ने कहा कि दुनिया में टैरिफ वार चल रही हैं। टैरिफ वार का मतलब है जब देश एक दूसरे के सामान पर ज्यादा टैक्स लगाते हैं। ऐसे में भारत 'इंडिया फर्स्ट' यानी 'भारत पहले' की नीति अपनाएगा।

टेरर फंडिंग केस : सांसद राशिद की बेल पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने जम्मू-कश्मीर टेरर फंडिंग केस में तिहाड़ जेल में बंद बारामूला के सांसद शेख अब्दुल राशिद की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट ने कहा कि अगर राशिद को जमानत दी जाती है तो उन पर क्या शर्तें लगाई जा सकती हैं। क्या उन्हें पुलिस अधिकारी की निगरानी में लोकसभा की कार्यवाही में शामिल होने का आदेश दिया जाए।

इसका राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जोरदार विरोध किया और कहा कि अदालत को संसद के अंदर कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है। राशिद ने लोकसभा की कार्यवाही में शामिल होने के लिए जमानत याचिका दायर की थी। इस पर 19 मार्च को सुनवाई के दौरान ट्रायल कोर्ट ने उन्हें कस्टडी पैरोल देने से इनकार कर दिया। इसके बाद राशिद ने हाईकोर्ट का रुख किया। सुनवाई के दौरान नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने राशिद की जमानत का विरोध किया था। एनआईए ने कहा- हिरासत में रहते हुए राशिद के पास संसद की कार्यवाही में हिस्सा लेने का कोई अधिकार नहीं है। इधर, 21 मार्च को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने राशिद की नियमित जमानत याचिका को भी खारिज कर दिया।

स्टूडेंट्स की सुसाइड रोकने सुप्रीम कोर्ट ने बनाई टास्क फोर्स

* कॉम्पिटीशन और परफॉर्म करने का प्रेशर खतरनाक * आईआईटी-दिल्ली के छात्रों के आत्महत्या से जुड़ा मामला

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को स्कोर बेस्ड एजुकेशन सिस्टम में परफॉर्म करने का प्रेशर और टॉप एजुकेशनल इंस्टीट्यूट्स में लिमिटेड सीटों के लिए बढ़ता कॉम्पीटिशन स्टूडेंट्स की मेंटल हेल्थ पर भयानक बोझ डालता है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा- यूनिवर्सिटीज न केवल लर्निंग सेंटर बनें, बल्कि छात्रों के कल्याण और विकास के लिए जिम्मेदार संस्थान की भूमिका भी निभाएं। बेंच ने आगे कहा कि अगर वे ऐसा करने में असफल रहते हैं, तो शिक्षा का असली उद्देश्य यानी जीवन को सशक्त, सक्षम और परिवर्तित करना ही अधूरा रह जाएगा।

बेंच ने छात्रों की मेंटल हेल्थ से जुड़ी समस्याओं और आत्महत्या की घटनाओं को रोकने के लिए 'नेशनल टास्क फोर्स' (एनटीएफ) बनाने का आदेश दिया। दरअसल यह आदेश आईआईटी दिल्ली में पढ़ने वाले दो स्टूडेंट्स की आत्महत्या से जुड़े मामले पर सुनवाई के दौरान आया। दिल्ली हाईकोर्ट ने जनवरी 2024 में पुलिस को एफआईआर दर्ज करने से मना कर दिया था, जिसके खिलाफ छात्रों के माता-पिता ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि परिवार की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की जाए और मामले की जांच की जाए। कोर्ट ने कहा कि कॉलेजों में जातिगत भेदभाव व्याप्त है, जिससे वंचित समुदायों के छात्रों में अलगाव की भावना बढ़ रही है।

कन्नड़ एक्ट्रेस ने कबूला-हवाला के पैसों से सोना खरीदा

14.2 कि.ग्रा. गोल्ड के साथ गिरफ्तारी हुई थी, जमानत पर 27 मार्च को फैसला

बेंगलुरू, 25 मार्च (एजेंसियां)। गोल्ड स्मगलिंग केस में मंगलवार को रान्या राव की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान डायरेक्टरेट ऑफ रेवन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) की वकील मधु राव ने कोर्ट को बताया कि रान्या ने सोने की खरीद में हवाला का पैसा इस्तेमाल होने की बात कबूली है। वकील ने यह भी बताया कि अधिकारियों ने रान्या राव के खिलाफ न्यायिक जांच शुरू करने के लिए धारा 108 के तहत नोटिस जारी किया है। इससे अन्य वित्तीय अनियमितताओं का पता चल सकेगा। बेंगलुरू सेशन कोर्ट ने रान्या की जमानत पर फैसला 27 मार्च तक सुरक्षित रख लिया है। अब तक दो बार रान्या की जमानत याचिका खारिज हो चुकी है। पहले निचली अदालत और दूसरी बार आर्थिक अपराधों की विशेष अदालत जमानत याचिका खारिज कर चुकी है। कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव 3 मार्च को बेंगलुरू के केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 14.2 किलोग्राम सोने के साथ गिरफ्तार हुई थी। रान्या ने 16 मार्च को डीआरआई के अतिरिक्त महानिदेशक को लेटर लिखकर कस्टडी के दौरान मारपीट और भूखा रखने का आरोप लगाया था।

सुरंग के अंदर मिला एक और शव

> अब तक दो की बरामदगी > निकालने के प्रयास में जुटा है बचाव दल

नागर कर्नूल, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के नागरकर्नूल में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग के अंदर मंगलवार सुबह एक और श्रमिक का शव मिला है। यह शव खराब स्थिति में फंसा हुआ है। बचाव दल शव को निकालने का प्रयास कर रहा है। बचाव दल के अनुसार, आज सुबह हमें एक और शव फंसा हुआ मिला। फिलहाल हम उसे निकालने का प्रयास कर रहे हैं।

बता दें कि एसएलबीसी सुरंग 22 फरवरी 2025 को ढह गई थी। दुर्घटना में आठ श्रमिक सुरंग के अंदर फंस गए थे। तभी से श्रमिकों को सुरंग से बाहर निकालने के लिए बचाव दल की टीमें लगातार प्रयास कर रही हैं। हालांकि, 9 मार्च को बचाव दल ने इन श्रमिकों में से एक गुरप्रीत सिंह का शव बरामद किया था। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मृतकों के परिजनों के लिए 25 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की थी।

> बचाव कार्यों की निगरानी करेंगे वरिष्ठ एआईए शिव शंकर

इससे पहले, मुख्यमंत्री रेड्डी ने अधिकारियों को सुरंग के अंदर फंसे श्रमिकों का पता लगाने और बचाव अभियान में तेजी लाने का निर्देश दिया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव शांति कुमारी को निर्देश दिया कि वह वरिष्ठ एआईए अधिकारी शिव शंकर लोटेटी को विशेष अधिकारी नियुक्त करें, ताकि वे बचाव कार्यों की निरंतर निगरानी कर सकें।

> सीएम रेड्डी ने बचाव कार्यों की प्रगति की समीक्षा की :

इसके अलावा, मुख्यमंत्री रेड्डी ने सोमवार को विधानसभा भवन में एसएलबीसी सुरंग में चल रहे बचाव कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में मंत्री एन उत्तम एन कुमार रेड्डी, जुपल्ली कृष्ण राव, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, मुख्य सचिव शांति कुमारी और अन्य शीर्ष अधिकारियों ने भाग लिया।

> बचाव अभियान में 700 कर्मचारी शामिल :

आपदा प्रबंधन विभाग के विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार और कर्नल परीक्षित मेहरा ने बचाव अभियान की प्रगति के बारे में मुख्यमंत्री को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान में केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न विंग, निजी संगठन और 25 एजेंसियां लगी हैं। इस अभियान में कुल 700 कर्मचारी शामिल हैं।

अधिकारियों ने मुख्यमंत्री रेड्डी को बताया कि बचाव दल मलबे को हटाने के साथ ही टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) के पुर्जों को अलग कर रहे हैं। इसके अलावा, सुरंग के अंदर से मिट्टी के टीले, गाद और रिसाव वाले पानी को साफ किया जा रहा है। बैठक के दौरान बचाव दल प्रमुखों ने पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन भी दिया।

'एक देश एक चुनाव' विधेयक पर बनी संसदीय समिति का कार्यकाल बढ़ा

राज्यसभा से नए सदस्य का भी एलान

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा ने मंगलवार को एक देश एक चुनाव को लेकर गठित संसदीय समिति का कार्यकाल बढ़ाने की मंजूरी दे दी। अब इस समिति का कार्यकाल संसद के मानसून सत्र के अंतिम हफ्ते के पहले दिन तक रहेगा।

संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने समिति के कार्यकाल में विस्तार का प्रस्ताव लोकसभा में पेश किया, जिसे ध्वनिमत से मंजूर कर लिया गया।

लोकसभा के महासचिव ने सदन को ये भी बताया कि राज्यसभा से एक नए सदस्य को भी संसदीय समिति में जगह दी गई है। 39 सदस्यीय समिति में वाईएसआर कांग्रेस के राज्यसभा सांसद वी विजयसाई रेड्डी के इस्तीफे के बाद एक पद खाली था। समिति के सदस्यों का मानना था कि उन्हें प्रस्तावित कानून के लिए बड़ी संख्या में हितधारकों से चर्चा करनी होगी, ऐसे में समिति का काम लंबा चलने की संभावना है। यही वजह है कि समिति का कार्यकाल बढ़ाया गया है। एक देश एक चुनाव के लिए दो विधेयक बीते साल दिसंबर में लोकसभा में पेश किए गए थे। ये विधेयक हैं- संविधान (129वां संशोधन) विधेयक और संघ राज्य क्षेत्र (कानून) संशोधन विधेयक। इन दोनों विधेयकों का मकसद लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ कराने के लिए जरूरी बदलाव करना है। 12 दिसंबर को पीएम मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट ने इन विधेयकों को मंजूरी दी थी। हालांकि लोकसभा में विपक्ष के विरोध को देखते हुए इन्हें संयुक्त संसदीय समिति के पास भेज दिया गया था।

शशि थरूर ने उठाया अवैध रूप से मछली पकड़ने का मुद्दा

> कहा-इस पर प्रतिबंध लगाए सरकार

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने मंगलवार को लोकसभा में केरल में अवैध रूप से मछली पकड़ने का मुद्दा उठाया। साथ ही उन्होंने सरकार से तटरक्षक बल और भारतीय नौसेना के जरिये मछली पकड़ने की प्रतिबंधित विधि बुल ट्रॉलिंग और कृत्रिम रोशनी या लाइट के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। लोकसभा में शून्यकाल के दौरान थरूर ने कहा कि भारत सरकार ने हमारे विशेष आर्थिक क्षेत्र में भारतीय जल में मछली पकड़ने के लिए बुल ट्रॉलिंग और कृत्रिम रोशनी या एलईडी लाइट का उपयोग करके मछली पकड़ने के तरीकों पर प्रतिबंध लगा दिया है। लेकिन केरल में यह सब हो रहा है।

थरूर ने कहा कि बाहरी लोग बड़े पैमाने पर मछली पकड़ने आ रहे हैं। इससे मछली और समुद्री संसाधन खतरे में आ रहे हैं। साथ ही छोटे मछुआरों की आजीविका प्रभावित हो रही है। थरूर ने कहा कि इससे भारत की नीली अर्थव्यवस्था नीति ढांचे, समुद्री भारत विजन 2030 और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य पर भी प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि मैं मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री से मांग करता हूं कि वे इस मामले में तटरक्षक बल और भारतीय नौसेना को शामिल करें। सरकार दोनों सेनाओं के बीच समन्वय को मजबूत करके बुल ट्रॉलिंग और कृत्रिम रोशनी या एलईडी लाइट के उपयोग पर प्रतिबंध लगाए।

वित्त विधेयक पर भी साधा निशाना :

इससे पहले कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोमवार को वित्त विधेयक की आलोचना करते हुए सरकार पर निशाना साधा। वित्त विधेयक को देखकर लगता है कि वित्त मंत्री करदाताओं से कह रहीं हो कि मैं छत ठीक नहीं कर सकी, लेकिन मैं आपके लिए छाता लेकर आई हूं। थरूर ने वित्त विधेयक को 'पैचवर्क का क्लासिक मामला' बताते हुए कहा कि भारत का जीएसटी दुनिया का 'सबसे जटिल कर' है। तिरुवनंतपुरम के सांसद ने कहा, यह वित्त विधेयक पैचवर्क (जोड़-तोड़ के उपायों) का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। ऐसे समय में जब देश को स्पष्टता, दृढ़ विश्वास और निर्णायक नेतृत्व की जरूरत है, सरकार का आर्थिक प्रबंधन संरचनात्मक चुनौतियों से जूझ रहा है।

'चीन ने नहीं हैक किया भारतीय सेना का विमान'

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में किए गए उन दावों को खारिज कर दिया है, जिसमें कहा गया था कि सेना के एक रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट (आरपीए) को चीन द्वारा "हैक" कर लिया गया था। सेना ने मीडिया हाउस और सोशल मीडिया यूजर्स से "अपुष्ट" और "भ्रामक" सामग्री प्रकाशित करने से बचने की अपील की है।

सेना की सफाई : हाल ही में एक सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया गया था कि भारतीय सेना का एक आरपीए चीनी क्षेत्र में भटक गया था और इसे चीनी हैकर्स ने हैक कर लिया था। इस पर सेना के सूत्रों ने स्पष्ट किया कि यह दावा पूरी तरह से आधारहीन और तथ्यात्मक रूप से गलत है। उन्होंने कहा, ऐसी कोई घटना नहीं हुई है। सेना के सूत्रों ने बताया कि भारतीय सेना अपनी सभी संपत्तियों की सुरक्षा और परिचालन अखंडता को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

लोकसभा से 2025 का बजट पास

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा ने मंगलवार को 2025 का बजट पास कर दिया। बिल में 35 संशोधन किए गए हैं। अब बिल को राज्यसभा में चर्चा के लिए भेजा जाएगा। वहीं, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसदों ने संसद परिसर में प्रदर्शन किया। सांसद केंद्र पर पश्चिम बंगाल को मनरेगा के लिए मिलने वाला फंड रोकने का आरोप लगा रहे थे। इस दौरान टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कृषि मंत्री शिवराज चौहान को दलाल कहा। बनर्जी ने कहा- शिवराज बंगालियों के खिलाफ हैं। वे गरीबों के लिए कुछ नहीं कर रहे। शिवराज अमीरों के दलाल हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश के गरीबों के लिए काम नहीं किया इसलिए सीएम पद से हटा दिए गए। उधर कांग्रेस ने लोकसभा में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया। पार्टी ने कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार पर गलत बयान देकर सदन को गुमराह करने का आरोप लगाया।

कल्याण बनर्जी ने केंद्रीय मंत्री को कहा 'अमीरों का दलाल'

* बीजेपी ने की माफी की मांग

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने एक बार फिर से विवादित टिप्पणी करके फंस गए हैं। कल्याण बनर्जी ने मंगलवार को कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान पर अमीरों के "दलाल" (बिचौलिया) के रूप में काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने पश्चिम बंगाल के लंबित केंद्रीय फंड को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

बीजेपी ने इस टिप्पणी पर तुरंत पलटवार किया और केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भगीरथ चौधरी ने शिवराज चौहान के खिलाफ 'आपत्तिजनक' भाषा के इस्तेमाल को लेकर कल्याण बनर्जी से माफी की मांग की। संसद के बाहर मीडिया से बातचीत में बनर्जी ने आरोप लगाया कि मनरेगा और पीएम आवास योजना-ग्रामीण जैसी योजनाओं के लिए पश्चिम बंगाल को केंद्र सरकार ने पिछले तीन वर्षों से फंड जारी नहीं किया गया है। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी, राज्य में सरकार बनाने में विफल रहने के कारण, बंगाल के साथ भेदभाव कर रही है। उन्होंने कहा, शिवराज चौहान अमीरों के दलाल हैं... वह गरीबों के लिए काम नहीं करते, इसलिए उन्हें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पद से हटा दिया गया। बनर्जी ने अपने बयान में कई बार 'दलाल' शब्द का इस्तेमाल किया। मंगलवार को लोकसभा में द्रमुक और तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने मनरेगा योजना के तहत कुछ राज्यों को भुगतान में कथित देरी के खिलाफ प्रदर्शन किया। जिससे प्रश्नकाल के दौरान सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित करनी पड़ी।

बनर्जी ने मीडिया से कहा, पिछले तीन वर्षों से हमें फंड नहीं दिया गया। वे कहते हैं कि इसमें कुछ अनियमितताएं हैं। 25 लाख फर्जी जॉब कार्ड जारी किए गए हैं। हमने उनसे कहा है कि वे इन फर्जी कार्डों पर आपराधिक कार्रवाई करें, लेकिन वे पश्चिम बंगाल के 10 करोड़ लोगों को फंड से वंचित नहीं कर सकते। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी 2021 के विधानसभा चुनाव में हार के कारण, बंगाल के लिए फंड रोक रही है। उन्होंने दावा किया, शिवराज चौहान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बंगाल के खिलाफ हैं। वे वहां सरकार बनाना चाहते हैं, लेकिन विफल हो रहे हैं। वे कभी भी वहां सत्ता में नहीं आएंगे।

ई-रिक्शा की आमने-सामने टक्कर, 7 स्कूली बच्चे घायलः2 की हालत गंभीर

जमुई, 25 मार्च (एजेंसियां)। जमुई में मंगलवार सुबह स्कूली बच्चों से भरी दो ई-रिक्शा की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में दो छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। पांच अन्य छात्रों को मामूली चोटें आईं। घटना पंच मंदिर के पास की बताई जा रही है। गंभीर रूप से घायल छात्रों की पहचान बीठलपुर निवासी विभाष मिश्रा के बेटे अभिषेक कुमार (13) और प्रमोद सिंह के बेटे अनुभव कुमार (12) के रूप में हुई हैं। घटना की जानकारी देते हुए अभिषेक ने बताया कि वह रोजाना की तरह बीठलपुर से ऑक्सफोर्ड स्कूल जा रहा था। पंच मंदिर के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार ई-रिक्शा से टक्कर हो गई। टक्कर से दोनों ई-रिक्शा पलट गईं। बच्चे वाहनों के नीचे दब गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत कार्य शुरू किया। उन्होंने सभी घायल बच्चों को ई-रिक्शा के नीचे से निकाला। घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया गया।

सपा सांसद जियार्रहमान बर्क के आवास पर चलेगा बुलडोजर

बिना नक्शा पास कराए बने मकान की जांच के लिए पहुंची टीम

संभल, 25 मार्च (एजेंसियां)। बिना नक्शा पास कराए बनाए गए सांसद जियार्रहमान बर्क के आवास की जांच के लिए शाम दो सदस्यीय टीम पहुंची। यह टीम जांच पूरी कर जल्द ही एसडीएम को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। एसडीएम ने बीती 18 मार्च को लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता और विनियमित क्षेत्र के अवर अभियंता को जांच टीम में शामिल कर तीन दिन में रिपोर्ट देने का निर्देश दिया था। हालांकि, समय सीमा समाप्त होने के बावजूद 22 मार्च तक रिपोर्ट नहीं सौंपने पर अब मामले की सुनवाई 5 अप्रैल को निर्धारित की गई है। इस संबंध में सांसद के आवास पर नोटिस भी चस्पा कराया गया था। संभल से सपा सांसद जियाउरर्हमान बर्क पर आरोप है कि उन्होंने बिना नक्शा पास कराए अपना आवास बनवा लिया। नगर नियोजन के नियमों के तहत किसी भी भवन निर्माण के लिए पहले नक्शा पास कराना अनिवार्य होता है। शिकायत के बाद प्रशासन ने इस पर संज्ञान लिया और एसडीएम वंदना मिश्रा ने पांच दिसंबर को सांसद को नोटिस जारी कर नक्शा संबंधित दस्तावेज दिखाने को कहा था। अधिवक्ता द्वारा सांसद की ओर से तर्क दिया गया था कि आवास सांसद जियाउर्रहमान बर्क के नाम नहीं है और उन्होंने कोई निर्माण नहीं किया है। एक जनवरी को सुनवाई थी। सांसद के अधिवक्ता ने प्रार्थना पत्र देकर समय मांगा। 10 फरवरी को सुनवाई के दौरान सांसद पर 500 रुपये का जुर्माना लगाया और 17 फरवरी की तारीख दी थी।

पांच मार्च को एसडीएम ने सुनवाई के लिए 18 मार्च की तारीख लगाई थी। 18 मार्च को भी उनकी ओर से समय मांगा गया था। उसी दिन एसडीएम वंदना मिश्रा ने दो सदस्यीय टीम गठित की थी, जिसमें पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन सुनील प्रकाश और और सिंचाई विभाग के अवर अभियंता सचिन सिंह को रखा गया। यह सांसद के आवास का परीक्षण कर तीन दिन में रिपोर्ट प्रस्तुत करते, लेकिन 22 मार्च को भी टीम रिपोर्ट नहीं सौंप सकी।

22 मार्च सुनवाई के दौरान सांसद के अधिवक्ता नईम कुरैशी ने एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर कहा था कि इस मामले में जिलाधिकारी न्यायालय में अपील दायर की है। तब तक निर्धारित सुनवाई को टाला जाए। एसडीएम ने गठित टीम द्वारा अभी रिपोर्ट नहीं प्रस्तुत करने और अधिवक्ता द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र के निस्तारण के लिए पांच अप्रैल को सुनवाई तय कर दी है। सोमवार की शाम टीम सांसद के आवास पर पहुंची और निर्माण किए गए मकान की नापजोख की। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। दो सदस्यीय टीम में शामिल सिंचाई विभाग के अवर अभियंता सचिन सिंह ने बताया कि सोमवार की शाम को सांसद के आवास की जांच की गई है। इसकी रिपोर्ट दो दिन के अंदर एसडीएम को सौंप दी जाएगी।

सुरभि राज मर्डर केस में पांच गिरफ्तार

अस्पताल के स्टाफ से ही चल रहा था संचालिका के पति का अफेयर

पटना, 25 मार्च (एजेंसियां)। पटना के एशिया अस्पताल की संचालिका सुरभि राज के हत्याकांड में एक नया मोड़ आया है। पुलिस ने इस मामले में सुरभि के पति और अस्पताल में काम करने वाली महिला स्टाफ सहित कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया है।

यह गिरफ्तारी सुरभि राज की हत्या की जांच के सिलसिले में की गई है, जो पिछले दिनों रहस्यमय परिस्थितियों में हुई थी। सूत्रों के अनुसार, मृतका के पति राकेश रौशन का अस्पताल की महिला स्टाफ के साथ लव अफेयर चल रहा था, जिसे पुलिस जांच के दौरान उजागर किया गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस संबंध में विवाद के चलते सुरभि की हत्या की आशंका जताई जा रही है। पटना सिटी एसपी अतुलित झा ने बताया कि पूरे मामले की विभिन्न बिंदुओं पर जांच की जा रही है। कई गंभीर साक्ष्य मिले हैं। अस्पताल के सभी कर्मियों से पूछताछ की जा रही है। जल्द ही इस मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

शराब मामले में छापेमारी करने गई पुलिस टीम पर हमलाःदो जवान जख्मी

बगहा, 25 मार्च (एजेंसियां)। बगहा के सेमरा थाना स्थित दढ़िया गांव में अवैध शराब के खिलाफ छापेमारी करने गई पुलिस टीम पर ग्रामिणों ने हमला कर दिया। जिसमें दो पुलिसकर्मी जख्मी हो गए। बताया गया कि छापेमारी में सुपनेखा नाम की एक लड़की की नाक बुरी तरह कट गई, जिसे लेकर इलाके में गुस्सा फूट पड़ा। जैसे ही ग्रामीणों ने नाक से बहते खून का फव्वारा देखा, उन्होंने पुलिस टीम पर हमला बोल दिया और गाड़ियों को क्षतिग्रस्त कर दिया। बगहा उत्पाद विभाग के इंस्पेक्टर प्रभुनाथ सिंह ने बताया कि उन्हें गांव में अवैध शराब बनाने की सूचना मिली थी। इसी के आधार पर पुलिस की एक टीम गठित कर छापेमारी के लिए भेजी गई। लेकिन जैसे ही पुलिस गांव में पहुंची, ग्रामीणों ने हमला कर दिया। इस झड़प में दो पुलिसकर्मी जख्मी हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

'यूपी पुलिस से बाकी राज्य भी सीखें'

पूर्व डीजीपी संजय कुंडू ने पॉडकास्ट में दिया बड़ा बयान

नोएडा, 25 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस के पाडकास्ट बियांड द बैज का नौंवा एपिसोड में जिले में शूट हुआ। इसमें हिमाचल प्रदेश के पूर्व डीजीपी संजय कुंडु से डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्तिमोहन अवस्थी ने बात की। पूर्व डीजीपी ने कुंभ से लेकर अपनी महकमे में भर्ती, देश-विदेश में तैनाती, जल संसाधन मंत्रालय में हुए नीति फैसलों को लेकर अनुभवों को साझा किया। उधर, यूपी पुलिस को ओर से एपिसोड को इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित किया गया। 30 मिनट 36 सेकेंड के एपिसोड में संजय कुंडु ने महाकुंभ में श्रद्धालु और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के रूप में अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि सफल आयोजन को प्रदेश सरकार और महकमा बधाई का पात्र है। देश विदेश में बृहद स्तर पर भीड़ प्रबंधन का अनूठा उदाहरण पेश किया है। यह एक युद्ध स्तर जैसा अनुभव था। यूपी पुलिस ने दो माह तक देश की आधी से ज्यादा जनसंख्या बल को बिना थके, बिना रूके व बिना डरे संभाला। अमूमन इस तरह के चैलेंज को आर्मी डील करती हैं। इस अनुभव को अन्य राज्य पुलिस को सिखाया व पढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि मैनेजिरियल और हाइलेवल लीडरशिप जैसी दो तरह की क्षमताएं होती हैं। यह सब आयोजन में देखने को मिला। मुख्यमंत्री व डीजीपी यूपी ने आयोजन में दृष्टिकोण, नेतृत्वक्षमता, डेलीगेशन, विश्वास, तकनीक का प्रयोग, धैर्य, श्रद्धलाओं के प्रति सम्मान जैसी विशेषताओं के उदाहरण पेश किए। इसके चलते आयोजन सफल रहा। इससे उत्तर प्रदेश समेत पूरे देश की साख बढ़ी है। यह वैश्विक स्तर पर सराहनीय और अनूठा आयोजन है। दुनिया से इसका साक्षात्कार कराने के लिए इसका डॉक्यूमेंटेशन और सिरियल भी शूट किया जाना चाहिए। सरकार को लेशन लर्न जैसी पहल भी होनी चाहिए। जिससे फ्यूचर जेनरेशन पुलिसिंग को भी मदद मिल सके।

शादी के 15 दिन बाद पति का कत्ल

10 को आई मायके, 17 मार्च को होटल में प्रेमी से मिली

औरैया, 25 मार्च (एजेंसियां)। जिले की प्रगति के पति दिलीप के पिता का क्रेन का कारोबार कई जिलों में फैला है। उनके पास 12 हाइड्रा और करीब 10 क्रेन हैं। दिलीप सेहुद में किराए पर रहकर औरैया और कन्नौज में व्यापार देखता था। पांच मार्च को शादी के बाद प्रगति नगला दीपा चली गई थी। 10 मार्च को परिजन चौथी की रस्म में उसे मायके हजियापुर ले आए थे। पुलिस के अनुसार, 17 मार्च को प्रगति ने प्रेमी अनुराग से औरैया के हाईवे स्थित एक होटल में आपस में मुलाकात की थी। अनुराग के फोन में पुलिस को उनके आपत्तिजनक वीडियो और फोटो भी मिले। 19 मार्च को दिलीप के मरणासन्न हालत में मिलने पर 20 मार्च को प्रगति नगला दीपा चली गई थी। बताया जा रहा है कि पांच मार्च को शादी होने के बाद जब प्रगति ससुराल पहुंची तो बहू होने के नाते वह घर पर नाते-रिश्तेदारों के बीच थी। इस दौरान प्रेमी से न मिल पाने के कारण वह परेशान हो गई। उससे वह दूरी बर्दाश्त नहीं कर पाई। प्रगति के अनुसार, ससुराल से जब वह चौथी पर मायके लौटी तो उसने पति की हत्या की सुपारी दे दी। बचने के लिए पति की मौत पर इतने आंसू बहाए कि सभी लोग उसकी हालत देखकर बेहाल हो गए।

मेरे भाई की क्या गलती थी, जो उसे मौत के घाट उतार दिया

हत्या में बहू प्रगति का हाथ सामने आने पर दिलीप के पिता सुमेर सिंह, भाभी, भाई संदीप, ससुर सुमेर सिंह यादव, देवर, सचिन, बाबा बिलखने लगे। संदीप ने बताया कि उन्हें लगा था कि साली के साथ भाई की शादी की है तो उनके वैवाहिक जीवन में कोई समस्या नहीं आएगी। शादी करवाने से पहले उसने साली की रजामंदी ली थी। इसके बाद भी साली ने भाई की हत्या कर विश्वासघात कर दिया। प्रगति का परिवार भी पैसे से मजबूत बताया गया है। उसका एक उज्जैन में स्कूल का संचालन कर रहा है। जबकि दो अन्य भाई अच्छी प्राइवेट नौकरी कर रहे हैं। प्रगति और उसके प्रेमी अनुराग का घर औरैया के फफूंद थाना इलाके की ग्राम पंचायत दखलीपुर व पीपरपुर की सीमा पर है। यहां करीब 25 घर पीपरपुर बंबा से झपनी और रतवा के लिए जाने वाले रोड के किनारे बने हैं। प्रगति का प्रेमी ट्रैक्टर चलाता था। ग्रामीणों ने दबी जुबान में बताया कि छह माह पूर्व सियापुर में जमीन के विवाद को लेकर फायरिंग हुई थी। इसमें प्रेमी के बड़े भाई को गोली लगी थी। इस घटना में गांव निवासी लालजी यादव के नाम फफूंद थाने में मुकदमा दर्ज है। ग्रामीणों ने बताया कि प्रेमी और प्रेमिका के मकान आगे पीछे हैं।

शादी के 15 दिन बाद पति का कत्ल

मेरठ के सौरभ राजपूत हत्याकांड जैसा एक और मामला उत्तर प्रदेश के औरैया में सामने आया है। 5 मार्च को मैनपुरी निवासी कारोबारी दिलीप कुमार (24) की शादी फफूंद निवासी प्रगति से हुई थी। शादी के 15 दिन बाद 19 मार्च को दिलीप को गोली मारी गई थी। दो दिन बाद उसकी मौत हो गई थी। जांच में जुटी पुलिस ने सोमवार को सनसनीखेज खुलासा किया। हत्याकांड की साजिश पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर रची। प्रगति को मुंह दिखाई में मिले रुपयों से भाड़े के शूटरों को सुपारी दी गई। पुलिस ने हत्यारोपी पत्नी, उसके प्रेमी अनुराग व एक शूटर को धर दबोचा है।

मधुबनी में युवक की हत्या, प्राइवेट पार्ट काटा फिर आंख भी फोड़ी

मधुबनी, 25 मार्च (एजेंसियां)। मधुबनी के हरलाखी थाना क्षेत्र के फुलहर गांव में युवक की हुई निर्मम हत्या, खेत से शव बरामद। युवक के प्राइवेट पार्ट को काटा गया है। आंख भी फोड़ी गई है। रात की घटना है। इस वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है।

मृत युवक की पहचान फुलहर गांव के ही शनिचर मुखिया के पुत्र धनवीर मुखिया (35) के रूप में हुई है। घटनास्थल पर युवक के पैंट, बेल्ट एवं मोबाइल का बैक कवर आदि बरामद हुए हैं। घटना स्थल पर बेनीपट्टी एसडीपीओ निशिकांत भारती व सर्किल इंस्पेक्टर नीरज कुमार वर्मा के नेतृत्व में एफएसएल व स्वान दस्ता की टीम। पुलिस घटना की जांच में जुट गई। हत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। मृतक के परिजनों का कहना है कि युवक नागालैंड में मजदूरी करता था। 10 दिन पूर्व होली मनाने के लिए घर आया था।

परिजनों को आशंका है कि गांव में युवक का किसी से झगड़ा हुआ था। हो सकता है उन्हीं लोगों ने घटना को अंजाम दिया हो। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। बेनीपट्टी एसडीपीओ निशिकान्त भारती दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की तफ्तीश में जुट गए हैं

भीषण गर्मी का डबल अटैक! हो जाएं तैयार, इसी हफ्ते 40 डिग्री होगा पारा

लखनऊ, 25 मार्च (एजेंसियां)। मार्च का महीना अभी खत्म नहीं हुआ है, लेकिन गर्मी ने अपना प्रकोप दिखाना शुरू कर दिया है। तेज धूप और बढ़ते तापमान ने लोगों को अभी से ही परेशान करना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, इस सप्ताह गर्मी और अधिक सताएगी। 30 मार्च तक तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है।

कितना है नोएडा जिले का तापमान?

मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, नोएडा जिले का अधिकतम तापमान 35.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 16.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह से ही तेज धूप के कारण लोग घरों में दुबकने को मजबूर हो गए। हालांकि, रात के समय हल्की ठंडक महसूस हो रही है, लेकिन दिन में

चिलचिलाती धूप ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। मार्च में ही अप्रैल जैसी गर्मी का एहसास होने लगा है। लोगों ने अभी से ही घरों में एसी और पंखे चलाने शुरू कर दिए हैं। इस बदलते मौसम का असर लोगों की सेहत पर भी पड़ रहा है। अधिक गर्मी के कारण सर्दी, खांसी और बुखार जैसी समस्याएं तेजी से फैल रही हैं।

बादल छाए रहने के आसार

मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है। 26 मार्च को न्यूनतम तापमान 18 डिग्री और अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। 27 मार्च को तेज सतही हवाओं के साथ अधिकतम तापमान 37 डिग्री तक पहुंच सकता है। 28, 29 और 30 मार्च को भी दिन में गर्मी तेज रहने की संभावना है। 30 और 31 मार्च को आंशिक रूप से बादल छाए रहने के आसार हैं, लेकिन गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद कम है।

बरते गर्मी से बचने के लिए सावधानियां

गर्मी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए प्रशासन ने सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है। अत्यधिक भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में तापमान डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाएंगे, ताकि लोग तापमान की जानकारी प्राप्त कर सकें और गर्मी से बचने के लिए आवश्यक सावधानियां बरत सकें। सोमवार को नोएडा हाट में मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ल की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स की बैठक हुई। बैठक में मलेरिया अधिकारी श्रुति कीर्ति वर्मा ने बताया कि एक अप्रैल से संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान शुरू किया जाएगा। इसके तहत शुद्ध पेयजल और शेल्टर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। तापमान डिस्प्ले बोर्ड लगाने की तैयारी भी शुरू कर दी गई है।

महत्वपूर्ण सावधानियां बरतनी होगी

विशेषज्ञों के अनुसार, अत्यधिक गर्मी से बचने के लिए लोगों को कुछ महत्वपूर्ण सावधानियां बरतनी चाहिए। जिनमें धूप में निकलने से पहले छाता, टोपी या गमछे का इस्तेमाल करें। हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें, ताकि गर्मी कम महसूस हो। भरपूर मात्रा में पानी और तरल पदार्थों का सेवन करें। कैफीन और शराब के सेवन से बचें, क्योंकि यह शरीर में पानी की कमी कर सकते हैं। बाहर जाने से पहले अपने शरीर को हाइड्रेट रखें और धूप से बचने के उपाय करें।

राम मंदिर परिसर में लगने जा रही जटायु और गिलहरी की प्रतिमा

अयोध्या, 25 मार्च (एजेंसियां)। अयोध्या स्थित राम मंदिर देश और दुनिया के भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र है और यहां हर समय श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होती है। इस बीच खबर मिली है कि राम मंदिर परिसर में 2 नई प्रतिमाएं लगने जा रही हैं। श्रीराम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने ये जानकारी दी है।

किसकी लगेंगी प्रतिमाएं?

नृपेंद्र मिश्रा ने 23 मार्च को ट्रस्टी और इंजीनियरों की टीम के साथ राम मंदिर के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। समिति ने ही मंदिर परिसर में 2 खास प्रतिमाओं को लगाने का फैसला किया है। इसमें एक मूर्ति जटायू की है और दूसरी मूर्ति गिलहरी की है। जटायु की मूर्ति को कुबेर टीले में स्थापित कर दिया गया है। वहीं गिलहरी की प्रतिमा को स्थापित किया जाएगा। नृपेंद्र मिश्रा ने कहा, 'जो भी मंदिर के भवन निर्माण हो रहे हैं, उनके बारे में मौके पर देखा गया और जैसा आप जानते हैं कि साल 2025 में मंदिर और मंदिर परिसर के जो भी निर्माण कार्य, निर्माण समिति की जिम्मेदारी है, उसको पूर्ण करने का लक्ष्य है। सभी भवन जो निर्माणाधीन हैं, वह अपने अंतिम चरण में हैं। मंदिर का निर्माण, जिसमें शिखर भी सम्मलित है, पूरी आशा है कि अप्रैल में पूरा हो जाएगा। सप्त मंदिर के बारे में भी अनुमान है कि वह भी काम पूरा हो जाएगा और वहां पर मूर्ति स्थापित हो जाएगी।'

हाल ही में सीएम योगी ने किया था राम मंदिर का दौरा

हालही में सीएम योगी ने अयोध्या में कहा था कि मेरी 3 पीढ़ियां श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के लिए समर्पित थी, हम सत्ता के लिए नहीं आए हैं। अगर राम मंदिर के लिए मुझे सत्ता गंवानी पड़ेगी, तो भी कोई समस्या नहीं है। सीएम योगी ने अयोध्या का दौरा किया था, इस दौरान वे राम मंदिर गए और रामलला के दर्शन किए और प्रभु राम की पूजा-अर्चना की। सीएम का यह दौरा करीबन 5 घंटे का था।

भतीजी से बलात्कार के आरोप में चाचा गिरफ्तार मां की शिकायत पर पुलिस ने दर्ज किया केस

बलिया, 25 मार्च (एजेंसियां)। जिले के बांसडीह क्षेत्र में 12 वर्षीय लड़की से बलात्कार के आरोप में उसके रिश्ते के चाचा को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बांसडीह कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में लड़की पिछली 21 मार्च को घर पर अकेली थी। तभी उसके रिश्ते के चाचा ने उससे बलात्कार किया। कोतवाली प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि इस मामले में लड़की की मां की शिकायत पर आरोपी के विरुद्ध बलात्कार और मारपीट के आरोप में मामला दर्ज करके उसे सोमवार गिरफ्तार कर लिया गया। बता दें कि इसी तरह का एक मामला यूपी के बुलंदशहर में बीते दिनों देखने को मिला था। दरअसल इससे बुलंदशहर में एक 85 साल के एक बुजुर्ग ने 5 साल की मासूम बंची संग रेप किया था। पीड़ित बच्ची दलित समुदाय से है। बुजुर्ग ने इस घटना को उस वक्त अंजाम दिया,

जस्टिस यशवंत वर्मा की इलाहाबाद हाई कोर्ट में नियुक्ति के खिलाफ वकीलों ने एचसी के सामने किया प्रदर्शन

प्रयागराज, 25 मार्च (एजेंसियां)। जस्टिस यशवंत वर्मा की इलाहाबाद हाई कोर्ट में नियुक्ति के खिलाफ इलाहाबाद हाई कोर्ट के वकील आज से हड़ताल पर चले गए हैं। वकीलों ने हाई कोर्ट के सामने प्रदर्शन किया है। वकीलों ने दिल्ली हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा को इलाहाबाद हाई कोर्ट में स्थानांतरित किए जाने के विरोध में प्रदर्शन किया है। जस्टिस यशवंत वर्मा को लेकर सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने एक बैठक की थी। इस बैठक के बाद कोलेजियम ने जस्टिस यशवंत वर्मा को इलाहाबाद हाई कोर्ट भेजने के फैसले का समर्थन किया था। हालांकि, इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन की जनरल बॉडी की मीटिंग के बाद सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से अपील की गई थी कि जस्टिस यशवंत वर्मा को इलाहाबाद हाई कोर्ट न भेजा जाए। दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। लाइब्रेरी हॉल में इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन की जनरल बॉडी की मीटिंग हुई थी। इस मीटिंग में 11 प्रस्ताव पास किए गए। हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ने प्रस्ताव पास कर सीजेआई से मांग की थी कि जस्टिस यशवंत वर्मा का इलाहाबाद हाई कोर्ट तबादला ना किया जाए। बार एसोसिएशन ने कहा था कि इलाहाबाद हाईकोर्ट डंपिंग ग्राउंड नहीं है। इसके साथ ही बार एसोसिएशन ने केंद्र सरकार और सीजेआई से जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग लाए जाने की मांग की थी।

क्या है जस्टिस यशवंत वर्मा से जुड़ा मामला?

दरअसल जस्टिस यशवंत वर्मा के घर में आग लग गई थी और उस वक्त वह घर पर नहीं थे। इस दौरान पुलिस और दमकलकर्मियों ने आग तो बुझा दी लेकिन दावा किया गया कि इस घर से बड़ी संख्या में जले हुए नोट भी बरामद हुए। हालांकि नोटों का यह ढेर जलकर खाक हो चुका था। इसके बाद ये खबर तेजी से हाई कमान तक पहुंच गई और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया। इस मामले में दिल्ली फायर सर्विस के चीफ ने कहा था कि दिल्ली हाईकोर्ट के एक जज के घर पर आग बुझाने के दौरान कोई कैश नहीं मिला। उन्होंने बताया था कि 14 मार्च की रात 11 बजकर 35 मिनट पर कंट्रोल रूम को आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों को मौके पर रवाना किया गया था। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां रात 11.43 बजे मौके पर पहुंचीं थीं। उन्होंने कहा था कि हमारे दमकल कर्मियों को आग बुझाने के अभियान के दौरान कोई कैश नहीं मिला था।

बुलंदशहर में मुठभेड़ में 15 हजार का इनामी सुपारी किलर गिरफ्तार, तमंचा और कारतूस बरामद

बुलंदशहर, 25 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में सिकंदराबाद थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 15 हजार रुपये के इनामी सुपारी किलर साजिद उर्फ साहिल को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। यह मुठभेड़ सिकंदराबाद थाना क्षेत्र के हाइवे के पास कावरा रोड पर हुई। दिल्ली निवासी साजिद ने मुठभेड़ के दौरान पुलिस टीम पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई। इस कार्रवाई में साजिद के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। उसे तुरंत गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने उसके कब्जे से एक तमंचा, कारतूस और एक बाइक बरामद की है।

'2014 में भाजपा-शिवसेना गठबंधन चार विधानसभा सीटों पर विवाद के कारण टूटा', फडणवीस का खुलासा

मुंबई,25 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 2014 में भाजपा-शिवसेना गठबंधन टूटने की वजह का एक बार फिर खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा और तत्कालीन अविभाजित शिवसेना के बीच गठबंधन में पहली दरार 2014 में तब आई थी, जब शिवसेना ने 147 सीटों की पेशकश के खिलाफ राज्य विधानसभा चुनावों में 151 सीटों पर चुनाव लड़ने की मांग की थी। फडणवीस मुंबई में सोमवार रात सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर को सम्मानित करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। माथुर 2014 में भाजपा के महाराष्ट्र प्रभारी थे। फडणवीस ने कहा कि भाजपा ने तब 127 सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना बनाई थी और वह शिवसेना को (288 सदस्यीय राज्य विधानसभा के

चुनाव के लिए) 147 सीटें देने को तैयार थी।

'शिवसेना के पास मुख्यमंत्री का पद होगा, जबकि भाजपा के पास उपमुख्यमंत्री होगा'

मुख्यमंत्री ने कहा, 'हमने शिवसेना को 147 सीटों पर चुनाव लड़ने का अल्टीमेटम दिया था। हमने खुद 127 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया, जबकि हमारा मानना था कि हम 200 से अधिक सीटें जीतेंगे। शिवसेना के पास मुख्यमंत्री का पद होगा, जबकि भाजपा के पास उपमुख्यमंत्री होगा।' फडणवीस ने किसी का नाम लिए बिना कहा, 'हमें बताया गया कि 'युवराज' ने 151 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है और वे उस संख्या से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।' फडणवीस ने कहा कि ऐसा लगता है कि नियति ने उन्हें राज्य का मुख्यमंत्री बनाने की योजना बनाई थी।

अमित शाह के साथ हुई चर्चाओं को भी याद किया

उन्होंने वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह के साथ हुई चर्चाओं को भी याद किया। उन्होंने कहा, 'हमने अमित शाह से बात की और उन्हें बताया कि हमारे साथ ऐसा व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की। शाह, माथुर और मुझे पूरा भरोसा था कि हम 2014 के विधानसभा चुनावों में कड़ी टक्कर दे सकते हैं।'

फडणवीस शिवसेना के साथ गठबंधन बनाए रखने के पक्ष में थे: राउत

फडणवीस की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने मंगलवार को कहा कि बहुत सी बातें हुईं और दावा किया कि वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने पहले ही शिवसेना के साथ संबंध तोड़ने की योजना बना ली थी। राउत ने दावा किया कि हर सीट पर 72 घंटे तक चर्चा चली। उस समय ओम माथुर महाराष्ट्र प्रभारी थे। मैं ईमानदारी से स्वीकार करूंगा कि फडणवीस शिवसेना के साथ गठबंधन बनाए रखने के पक्ष में थे। वह गठबंधन चाहते थे, लेकिन यह टूट गया, क्योंकि पार्टी के वरिष्ठ नेता ऐसा चाहते थे।

2014 के राज्य चुनावों में अलग-अलग चुनाव लड़ा

भाजपा और शिवसेना दलों ने 2014 के राज्य चुनावों में अलग-अलग चुनाव लड़ा था, लेकिन चुनाव के बाद शिवसेना ने भाजपा से हाथ मिला लिया, जब उसने फडणवीस के नेतृत्व में अपनी सरकार बनाई। 2019 के विधानसभा चुनावों के बाद मुख्यमंत्री पद साझा करने के मुद्दे पर भाजपा और शिवसेना (तब अविभाजित) फिर से अलग हो गए। इसके बाद 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में विधायकों के एक गुट ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और शिवसेना दोफाड़ हो गई।

दिल्ली में पहली बार 1 लाख करोड़ का बजट:यमुना के लिए 500 करोड़

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को पहली बार 1 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया। महिला समृद्धि योजना के लिए 5100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसके जरिए दिल्ली की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए दिए जाएंगे। यमुना और सीवेज की सफाई के लिए 9 हजार करोड़ रुपए का बजट है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आयुष्मान योजना के लिए 2144 हजार करोड़ का बजट रखा है। केंद्र सरकार से 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज तो मिलेगा ही। साथ ही दिल्ली सरकार भी इसमें अपनी ओर से 5 लाख रुपए जोड़ रही है। यानी आयुष्मान योजना के तहत 10 लाख का इलाज मुफ्त मिलेगा। रेखा गुप्ता ने कहा- आप ने अपना शीश महल बनवाया, हम गरीबों के घर बनाएंगे। आपने लाखों रुपए के टॉयलेट बनवाए, हम उन्होंने कहा- केजरीवाल ने अपने फायदे के लिए आयुष्मान योजना दिल्ली में लागू नहीं होने दी। वे चाहते थे कि योजना में उनका भी नाम चलाया जाए, ताकि उनका प्रचार हो। उनकी जिद की वजह से दिल्ली वासियों को सालों तक योजना का लाभ नहीं मिला। रेखा गुप्ता ने मातृत्व वंदन परियोजना के लिए 210 करोड़ रुपए का प्रावधान किया। योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को एकमुश्त 21 हजार रुपए दिए जाएंगे। इसके अलावा दिल्ली में महिला सुरक्षा के लिए 50 हजार अतिरिक्त कैमरे लगाए जाएंगे। दिल्ली को लंदन बनाने के वादे पर: एक समय दिल्ली के मालिक (केजरीवाल) ने दिल्ली वासियों को सपना दिखाया था कि वो दिल्ली को लंदन बना देंगे। लेकिन टूटी सड़कें, ट्रैफिक जाम, अधूरे प्रोजेक्ट ने इस महानगर को एक अराजक राजधानी बना दिया। आयुष्मान योजना को लागू नहीं करने पर: केजरीवाल ने अपने फायदे के लिए आयुष्मान योजना दिल्ली में लागू नहीं होने दी। वे चाहते थे कि योजना में उनका भी नाम चलाया जाए, ताकि उनका प्रचार हो। उनकी जिद की वजह से दिल्ली वासियों को सालों तक योजना का लाभ नहीं मिला।

पीएम और एलजी से विवाद पर: आप और हम में बहुत फर्क है। आप केवल वादा करते थे और हम वादा निभाते हैं। आप पीएम और एलजी को गालियां देते थे, हम मिलकर काम करेंगे।

शीश महल विवाद पर: आप ने अपना शीश महल बनवाया, हम गरीबों के घर बनाएंगे। आपने लाखों रुपए के टॉयलेट बनवाए, हम झुग्गी वालों के लिए शौचालय बनवाएंगे।

पीएम आवास योजना को लागू नहीं करने पर: पिछली सरकार ने भारी भरकम बजट जरूर रखे, लेकिन झुग्गी झोपड़ी वालों के लिए कोई योजना नहीं बनाई। उनकी जिंदगी बद से बदतर होती जा रही थी। अब प्रधानमंत्री आवास योजना को लागू किया

छह ग्रामीणों पर घरों को बुलडोजर से गिराने के आरोप, सभी गिरफ्तार

भरूच,25 मार्च (एजेंसियां)। एक ओर उप्रदवियों पर की जा रही 'बुलडोजर कार्रवाई' चर्चा में है तो दूसरी ओर गुजरात से इसी तरह का एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहां छह ग्रामीणों को एक व्यक्ति और उसके रिश्तेदारों के घरों को बुलडोजर से गिराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि पीड़ित पर एक विवाहित महिला के साथ भागने का संदेह था। वेदाच पुलिस थाने के निरीक्षक बीएम चौधरी ने बताया कि महिला के परिवार के सदस्यों सहित आरोपियों ने संदेह जताया थ कि दूसरे समुदाय का व्यक्ति महिला के साथ भाग गया है। इस वजह से उन्होंने अपना गुस्सा निकालने के लिए बुलडोजर का सहारा लिया। घटना 21 मार्च को गुजरात के भरूच जिले के करेली गांव में हुई। अधिकारी ने बताया कि 21 मार्च की रात को आरोपियों ने फुलमाली समुदाय के सदस्यों के छह घरों को बुलडोजर से नुकसान पहुंचाया, जिसमें व्यक्ति का घर भी शामिल था। पुलिस ने इसके बाद बुलडोजर चालक सहित छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

चौधरी ने बताया कि महिला आनंद जिले के अंकलाव तालुका में अपने माता-पिता से मिलने गई थी, जहां से वह और वह व्यक्ति कथित तौर पर भाग गए। उसके माता-पिता ने भी शिकायत दर्ज कराई है और आनंद पुलिस मामले की जांच कर रही है। शिकायत के अनुसार, हेमंत पढियार, सुनील पढियार, बलवंत पढियार, सोहम पढियार और चिराग पढियार सहित आरोपी व्यक्ति के घर गए और उसके परिवार के सदस्यों से महिला के साथ भागने का आरोप लगाने के बाद उन्हें दो दिनों का समय दिया।

गुवाहाटी में चार वर्षीय बच्चे की हुई दुर्लभ हृदय सर्जरी

छह घंटे चला ऑपरेशन; पूर्वोत्तर का पहला मामला

गुवाहाटी,25 मार्च (एजेंसियां)। गुवाहाटी में एक चार वर्षीय बच्चे की एक विशेष हृदय सर्जरी की गई, जिसे 'डबल स्विच ऑपरेशन' कहा जाता है। डॉक्टरों ने मंगलवार को इस बारे में जानकारी दी। डॉक्टरों के अनुसार, यह सर्जरी पूर्वोत्तर भारत अपनी तरह की पहली सर्जरी है, जो एक दुर्लभ हृदय दोष को ठीक करने के लिए की गई। यह सर्जरी पिछले सप्ताह हेल्थसिटी अस्पताल में की गई, जो छह घंटे तक चली। यह सर्जरी प्रसिद्ध सर्जन डॉ। केएस अय्यर के मार्गदर्शन में जन्मजात हृदय शल्य चिकित्सक डॉ। नईम राजा द्वारा सफलतापूर्वक की गई। सर्जरी में अस्पताल के बाल चिकित्सा हृदय विशेषज्ञों, एनेस्थेसियोलॉजिस्ट, बाल चिकित्सा हृदय गहन चिकित्सा विशेषज्ञों, परफ्यूजनिस्ट, नर्सों और तकनीशियनों की टीम ने मदद की। पीटीआई के हवाले से डॉ राजा ने इस सर्जरी का विवरण साझा किया।

उन्होंने बताया कि बच्चे को जन्मजात समस्या थी, जिसमें हृदय की महान धमनियां और कक्ष असामान्य रूप से स्थित थे। बच्चे के होठों और जीभ का रंग नीला था, और वह जल्दी थक जाता था। डॉ। राजा ने बताया कि बच्चे की महान धमनियों के प्रत्यारोपण (सीसीटीजीए) का निदान किया गया, जिसमें वेंट्रिकुलर सेप्टल दोष (वीएसडी या हृदय में छेद) और एट्रेटिक पल्मोनरी धमनी (फेफड़ों में महान धमनी की पूर्ण अनुपस्थिति) की उपस्थिति थी।

वाल्व ट्यूब का उपयोग कर फुफ्फुसीय धमनी का किया पुनर्निर्माण

डॉ। राजा ने बताया कि 'डबल स्विच ऑपरेशन' में एक कृत्रिम नलिका (वाल्व ट्यूब) का उपयोग करके फुफ्फुसीय धमनी को फिर से बनाना और एट्रियल स्विच व वीएसडी को बंद करना शामिल है। यह सर्जरी हृदय के सामान्य रक्त प्रवाह को बहाल करने का एकमात्र तरीका था।

सर्जरी के बाद बच्चे में उल्लेखनीय सुधार

डॉ। राजा ने बताया कि 'डबल स्विच ऑपरेशन' जन्मजात हृदय शल्य चिकित्सा में सबसे जटिल है। बच्चे की सर्जरी लगभग छह घंटे तक चली। सर्जरी के बाद बच्चे में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि बच्चे को कड़ी निगरानी में रखा गया है। इस सफल सर्जरी ने इस क्षेत्र में जटिल हृदय रोगों से पीड़ित बच्चों के लिए नई उम्मीद जगाई है, क्योंकि पहले उन्हें ऐसी सर्जरी के लिए अन्य जगहों पर जाना पड़ता था।

जीवित महिला सरकारी रिकॉर्ड में मृत घोषित दस महीनों से काट रही दफ्तरों के चक्कर

छिंदवाड़ा,25 मार्च (एजेंसियां)। छिंदवाड़ा जिले में सरकारी लापरवाही का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक जीवित महिला पिछले 10 महीनों से खुद को जिंदा साबित करने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगा रही है। समग्र आईडी में गलती के कारण सरकार ने उन्हें मृत घोषित कर दिया, जिसके चलते उनकी सभी सरकारी योजनाओं का लाभ बंद कर दिया गया है। पटाखा गोदाम, सिवनी रोड में रहने वाली संध्या मंडराह इस प्रशासनिक लापरवाही की शिकार हुई हैं। अगस्त 2024 में उन्हें समग्र आईडी पोर्टल में मृत दिखा दिया गया और तब से उनकी लाडली बहना योजना, संबल योजना, आयुष्मान योजना और राशन योजना जैसी सभी सरकारी सुविधाएं बंद हो गई हैं। संध्या और उनके पति मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे थे। 11 मई 2024 को उनके पति की तबीयत अचानक बिगड़ी, जिसके बाद उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पति की मौत के बाद संध्या संबल योजना का लाभ लेने के लिए नगर पालिका निगम के दफ्तर पहुंचीं, लेकिन जब दस्तावेजों की जांच हुई तो अधिकारियों ने बताया कि सरकारी रिकॉर्ड में वह खुद अगस्त 2024 में मृत हो चुकी हैं। यह सुनकर संध्या के पैरों तले जमीन खिसक गई। सरकारी रिकॉर्ड में मृत घोषित होने के बाद संध्या को हर महीने मिलने वाली लाडली बहना योजना की राशि मिलनी बंद हो गई। इसके अलावा गरीबों के लिए मिलने वाला मुफ्त राशन भी अब उन्हें नहीं मिल रहा। पति के गुजरने और सरकारी योजनाओं के लाभ बंद होने के कारण घर की आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो गई।

'आरजी कर मामले की पीड़िता भारी मानसिक दबाव में थी हत्या से पहले मांगी थी मदद', मनोचिकित्सक का दावा

कोलकाता,25 मार्च (एजेंसियां)। एक मनोचिकित्सक ने दावा किया है कि आरजी कर अस्पताल मामले की पीड़िता डॉक्टर भारी मानसिक दबाव में थी और उसने अपनी हत्या से एक माह पहले ही उनकी मदद मांगी थी। ये दावा कोलकाता के मनोचिकित्सक मोहित रानादिप ने एक टीवी चैनल से बातचीत में किया है। मनोचिकित्सक मोहित रानादिप ने बताया कि पीड़िता ने उन्हें बताया कि वह 36 घंटे लगातार ड्यूटी कर रही थी, साथ ही उसके साथ शिफ्ट के आवंटन में भेदभाव होता था और वह अस्पताल में वित्तीय अनियमितताओं को लेकर भी भारी तनाव में थी। मनोचिकित्सक ने ये भी कहा कि अगर सीबीआई उनसे इस मामले में पूछताछ करती है तो वे सीबीआई के सामने भी गवाही देने के लिए तैयार हैं। डॉक्टर ने बताया कि उन्होंने पीड़िता को कुछ सलाह दी थी और उसे कुछ समय बाद फिर से काउंसलिंग के लिए बुलाया था, लेकिन ऐसा नहीं हो सका और उससे पहले ही उसकी मौत हो गई। पीड़िता के माता-पिता ने भी दावा किया था कि अस्पताल में वित्तीय अनियमितताओं के खिलाफ आवाज उठाने के लिए उसे प्रताड़ित किया जा रहा था। आरोप था कि अस्पताल में दवाईंया और मेडिकल उपकरणों की खरीद में धांधली हुई। इस मामले में आरजी कर मेडिकल कॉलेज के प्रिंसीपल संदीप घोष को गिरफ्तार किया गया था।

उच्च न्यायालय ने सीबीआई से मांगी केस डायरी

बंगाल की सत्ताधारी पार्टी टीएमसी ने भी आरजी कर मामले की विस्तृत जांच की मांग की थी। हालांकि पार्टी ने लेफ्ट पार्टी और अन्य नेताओं पर टीएमसी की छवि खराब करने का आरोप लगाया। सोमवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय ने भी सीबीआई को निर्देश दिया है कि वे आरजी कर मामले की जांच से जुड़ी केस डायरी अगली सुनवाई में अदालत में पेश करें। अदालत ने पूछा कि क्या सीबीआई ने आरजी कर मामले में सामूहिक दुष्कर्म और सबूत मिटाने के एंगल से भी क्या जांच की थी या नहीं।

दोषी को हो चुकी है उम्रकैद की सजा

9 अगस्त 2024 को आरजी कर मेडिकल कॉलेज के सेमिनार हॉल में पीड़िता डॉक्टर का शव मिला था। इस मामले में सिविक वॉलंटियर संजय रॉय को गिरफ्तार किया गया था। संजय रॉय पर महिला डॉक्टर से दुष्कर्म करने और उसकी हत्या का आरोप लगा। जनवरी में सत्र अदालत ने संजय रॉय को हत्या और दुष्कर्म का दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है।

नहीं बच पाएगा एक भी दंगाई? पुलिस कमिश्नर ने दे दिया बड़ा बयान

नागपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर में 17 मार्च को हुई हिंसा को लेकर हुई जांच में प्रगति के मुद्दे पर पुलिस कमिश्नर रविंद्र सिंघल ने मंगलवार को इंडिया टीवी से बात की। उन्होंने इस खास बातचीत में कहा कि नागपुर हिंसा में अभी और भी गिरफ्तारियां होंगी, क्योंकि नए सीसीटीवी फुटेज एवं वीडियो सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब तक 120 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और 13 एफआईआर दर्ज की गई हैं। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि पूरे शहर में शांति बनी हुई है, और जांच के दौरान पुलिस को जो भी सबूत मिल रहे हैं, उसके हिसाब से जांच आगे बढ़ाई जा रही है। नागपुर के पुलिस कमिश्नर ने कहा, 'एविडेंस और सबूत के आधार पर जांच चल रही है। साइबर टीम और सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा नजर रखी जा रही है,

पूर्व आरटीओ कांस्टेबल सौरभ शर्मा को मंत्री की क्लीन चिट

बोले- उनके घर से कभी सोना नकदी वाली कार नहीं निकली

भोपाल,25 मार्च (एजेंसियां)। आय से अधिक संपत्ति मामले में पूर्व आरटीओ अधिकारी के खिलाफ जांच जारी है। लोकायुक्त की टीम की छापेमारी में पूर्व अधिकरी के घर से अरबों की संपत्ति मिली थी। अब इसी को मामले को लेकर बीजेपी और कांग्रेस आमने-सामने आगए हैं। जहां एक तरफ कांग्रेस विधायक ने दावा किया कि तलाशी अभियान के दौरान सौरभ शर्मा के घर से सोना और नकदी से भरा वाहन बाहर निकाला गया। वहीं, परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने भोपाल के मेंडोरा में एक कार में मिली नकदी और सोने के मामले में परिवहन विभाग के पूर्व कांस्टेबल सौरभ शर्मा को क्लीन चिट दे दी है। मंत्री का यह बयान शर्मा के खिलाफ जांच के बीच आया है। सोमवार को सदन में एक सवाल का जवाब देते हुए सिंह ने कहा कि सोना और नकदी ले जाने वाली कार शर्मा के घर के बाहर से नहीं आई थी। लोकायुक्त की विशेष पुलिस स्थापना ने 19 और 20 दिसंबर को शर्मा के घर की तलाशी ली थी। मंत्री ने कहा कि तलाशी के दौरान वाहन दोनों जगहों में से किसी से भी बाहर नहीं निकला। वहीं, दूसरी तरफ कांग्रेस के विधायक लखन घनघोरिया ने सवाल में कहा कि तलाशी के दौरान शर्मा के घर से सोना और नकदी से भरा वाहन बाहर निकाला गया, क्योंकि लोकायुक्त ने इसकी अनदेखी की। इसी को लेकर मंत्री ने आगे कहा कि लोकायुक्त के अधिकारियों ने कभी भी इसकी अनदेखी नहीं की। मंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग के बैरियरों पर जबरन वसूली की 8 शिकायतें पिछले तीन सालों में लोकायुक्त को मिली थीं, जिनकी जांच के बाद मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि परिवहन विभाग के मामले में सौरभ शर्मा, उनकी पत्नी दिव्या तिवारी और उनके साथियों शरद जायसवाल और चेतन सिंह गौड़ के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। वहीं, एक पुराने मामले में सुनील गौड़ नामक अधिकारी के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है।

दिशा सालियान मर्डर केस में एफआईआर

वकील ने एनसीबी के जांच पत्र के हवाले से कहा- 'ड्रग कारोबार में शामिल थे आदित्य ठाकरे'

मुंबई, 25 मार्च (एजेंसियां)। दिशा सालियान मर्डर केस एक बार फिर चर्चा में है। दिशा के पिता सतीश सालियान के वकील नीलेश ओझा ने कहा, 'आज हमने सीपी ऑफिस में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई है और जेसीपी क्राइम ने इसे स्वीकार कर लिया है और यह शिकायत अब एफआईआर है। इस मामले में आरोपी आदित्य ठाकरे, डिनो मोरिया, सूरज पंचोली और उनके अंगरक्षक, परमबीर सिंह, सचिन वाझे और रिया चक्रवर्ती हैं। सभी इस एफआईआर में आरोपी हैं।' वकील ने कहा, 'परमबीर सिंह इस मामले को कवरअप करने के मुख्य मास्टरमाइंड थे। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और आदित्य ठाकरे को बचाने के लिए झूठ गढ़ा। सभी विवरण

एफआईआर में हैं। एनसीबी के जांच पत्र से साबित होता है कि आदित्य ठाकरे एक ड्रग कारोबार में शामिल थे, उस विवरण का उल्लेख इस एफआईआर में किया गया है।' दिशा सालियान की मौत 8 जून, 2020 को एक बिल्डिंग की 14वीं मंजिल से गिरने के कारण हुई थी। इस मामले में उस वक्त दिशा के बॉयफ्रेंड से भी पूछताछ की गई थी। दिशा सालियान की मौत के करीब एक हफ्ते बाद ही एक्टर सुशांत सिंह राजपूत अपने फ्लैट पर मृत पाए गए थे। दिशा सालियान की मौत का मुद्दा सबसे पहले एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट के विधायक ने उठाया था। भाजपा विधायक नितेश राणे ने भी हस्तक्षेप किया था और पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए थे, जिनका नाम कथित रूप से सालियान की मौत से जोड़ा जा रहा था। दिशा सालियान कॉर्नरस्टोन स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट नाम की टैलेंट मैनेजमेंट फर्म में एंटरटेनमेंट टैलेंट मैनेजमेंट टीम का हिस्सा थीं। दिशा सालियान ने सुशांत सिंह राजपूत, वरुण शर्मा, रिया चक्रवर्ती, कॉमेडियन भारती सिंह और कुछ समय के लिए ऐश्वर्या राय बच्चन के साथ काम किया था। चूंकि एक बार फिर ये मामला प्रकाश में आ गया है तो इस मुद्दे पर सियासत भी हो सकती है।

कर्नल से मारपीट पर हाईकोर्ट सख्त

सरकार से पूछा-क्या पंजाब पुलिस को पीटने का लाइसेंस मिला हुआ है

चंडीगढ़, 25 मार्च (एजेंसियां)। पटियाला में कर्नल और उनके बेटे से पुलिसकर्मियों की मारपीट का मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है। कर्नल पुष्पिंदर सिंह ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर कहा है कि वे सर्विंग आर्मी कर्नल हैं और बेहद संवेदनशील पद पर तैनात हैं। हाईकोर्ट ने मंगलवार को मामले में सुनवाई के दौरान पंजाब सरकार को सख्त लहजे में पूछा कि क्या पंजाब पुलिस को पीटने का लाइसेंस मिला हुआ है। उस अफसर का नाम बताएं जिसने शिकायत मिलने पर भी कार्रवाई नहीं की। हाईकोर्ट ने आठ दिन तक कार्रवाई न करने पर जवाब तलब किया है। वहीं मामले में एक कांस्टेबल रणदीप भी घायल हो गया था। उसने भी हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इस मामले की सुनवाई में हाईकोर्ट ने कहा कि पंजाब पुलिस को ही पंजाब सरकार पर भरोसा नहीं है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए हाईकोर्ट ने सरकार को जवाब के लिए दो दिन का समय दिया है। 13 और 14 मार्च की रात पटियाला के हरबंस ढाबा के बाहर पंजाब पुलिस के चार इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारियों और अन्य आर्म्ड पुलिस कर्मियों ने वहां मौजूद लोगों के सामने उनके और उनके बेटे के साथ मारपीट की और उनका आई कार्ड तक छीन लिया। उनका फर्जी एनकाउंटर करने की धमकियां दी गईं। यह बेहद ही गंभीर मामला है। घटना के बाद से पुलिस ने जिस तरह से इस पूरे मामले में पंजाब पुलिस के जो अधिकारी और कर्मी ही आरोपी हैं। उन्हें बचाने की कोशिश की है, तो ऐसे में इस मामले की पंजाब पुलिस निष्पक्ष जांच कर ही नहीं सकती है। पंजाब पुलिस ने तो पहले दिन से ही इस मामले की न सिर्फ जांच को प्रभावित किया है, बल्कि उच्च अधिकारियों को बचाने की कोशिश की जा रही है।

पहाड़गंज इलाके से पुलिस ने 23 लड़कियों को रेस्क्यू किया

सेक्स रैकेट में थीं शामिल, 7 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने पहाड़गंज इलाके से 23 लड़कियों को रेस्क्यू कराया है, इनमें से तीन लड़कियां नाबालिग हैं और 10 लड़कियां नेपाली मूल की हैं। दरअसल इन सभी लड़कियों को पहाड़गंज जिले में एक घर में रखा गया था। गैंग ने इन सबको सेक्स रैकेट में शामिल कर रखा था। दरअसल पुलिस को इस पूरे सेक्स रैकेट के गोरखधंधे का पता चला, जिसके बाद पुलिस ने इस गैंग के सदस्यों को सर्विलांस पर रखना शुरू कर दिया। पुलिस ने ट्रैप लगाया और नकली कस्टमर बनकर कुछ पुलिस वालों ने इस गैंग से संपर्क किया। इसके बाद यह गैंग पैसे के लालच में पुलिसवालों के जाल में फंस गया और जैसे ही गैंग के सदस्य लड़की लेकर नकली ग्राहक बने पुलिसवालों के पास पहुंचे तो पुलिस की टीम ने गैंग को पकड़ लिया है। इसके बाद लड़कियों से पूछताछ के बाद पुलिस ने हाइड आउट जगह पर रेड की। इसके अलावा पुलिस ने पहाड़गंज इलाके के होटल गॉड इन पुलिस ने इस गैंग के 7 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनमें से पांच बिहार के किशनगंज इलाके के रहने वाले हैं और बाकी दो में से एक दिल्ली और दूसरा पश्चिम बंगाल का रहने वाला है। दरअसल यह सभी सातों आरोपी दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में छोटा-मोटा काम करते थे और तकरीबन 1 से 2 महीने पहले ही नाजिम नाम के शख्स के कहने पर इस अवैध धंधे से जुड़ गए थे। नाजिम इस गैंग का सरगना है और नाजिम भी बिहार के किशनगंज का ही रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक, यह गैंग कस्टमर तक लड़कियों को टू व्हीलर के जरिए भेजता था और लड़कियों को कस्टमर तक भेजने की आवाज में कस्टमर से मोटी रकम वसूलता था। जिन नाबालिक लड़कियों को दिल्ली पुलिस ने रेस्क्यू कराया है, उन्हें शेल्टर होम में भेज दिया गया है। फिलहाल पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार हुए सभी सातों आरोपियों की वेरिफिकेशन भी की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह वाकई में किशनगंज के रहने वाले हैं या फिर अवैध रूप से भारत में बसे बांग्लादेशी हैं।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 26 मार्च - 2025

संवाद से ही परिसीमन का हल

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की अध्यक्षता में हुई संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) की बैठक हुई, जिसमें परिसीमन को 25 वर्षों के लिए स्थगित करने का प्रस्ताव पारित किया गया। यह मुद्दा दक्षिणी राज्यों के साथ संभावित अन्याय को लेकर उठाया गया है। लेकिन पूरे मामले पर नजर रखते हुए केंद्र सरकार ने भरोसा दिया है कि दक्षिण के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होने दिया जाएगा। बहरहाल, संयुक्त कार्रवाई समिति की बैठक से यह तो स्पष्ट हो गया है कि इसमें शामिल दलों के लिए परिसीमन काफी संजीदा मुद्दा बन गया है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू एनडीए का मजबूत हिस्सा बने हुए हैं, इसके बावजूद उन्होंने अपने ढंग से मुद्दे को गर्मा दिया है। तमिलनाडु के सीएम स्टालिन पिछले कुछ समय से इस मुद्दे पर काफी मुखरता से अपनी बात रख रहे हैं। कुल मिलाकर अंत में जेएसी की बैठक में परिसीमन प्रक्रिया को अगले 25 वर्षों के लिए स्थगित करने का प्रस्ताव पारित किया गया है। परिसीमन स्थगित करने के प्रस्ताव को एक सुझाव के रूप में लिया जाए तो बैठक के दौरान इन नेताओं का जोर इस पर दिखा कि वे विरोध परिसीमन का नहीं बल्कि इसकी प्रक्रिया में निहित और संभावित अन्याय का कर रहे हैं। केंद्र की एनडीए सरकार की तरफ से यह साफ किया जा चुका है कि दक्षिणी राज्यों के साथ किसी प्रकार का अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। इसके बाद भी इन दोनों पहलुओं को पॉजिटिव नजरिए से देखने में आनाकानी की जा रही है। देखा जाए तो इस मसले पर सभी पक्ष यदि संवाद की महत्ता को समझें तो इसका हल निकलने में शायद ही कोई परेशानी होगी। लेकिन ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर क्या कारण है कि इस मसले पर संवाद के बजाय टकराव बढ़ता जा रहा है। इसके पीछे पिछले कुछ समय से केंद्र और राज्यों के बीच बढ़ती दूरी की भी अहम भूमिका है। चाहे, विरोधी दलों के शासन वाले कुछ राज्यों में राज्यपालों की अति सक्रियता का सवाल हो या त्रिभाषा फॉर्म्युले पर हुई बयानबाजी का या फिर कर-राजस्व आवंटन में होने वाले कथित भेदभाव संबंधी आरोपों का- कुछ हलकों में ऐसी धारणा बनी है कि राज्यों की ताकत को धीरे-धीरे कम किया जा रहा है। ऐसे में सभी पक्षों को समझना होगा कि इस बहस के मूल में दो बुनियादी सिद्धांत हैं। पहला लोकतंत्र और दूसरा संघात्मक ढांचा। लोकतंत्र संख्या के हिसाब से हिस्सेदारी की बात करता है तो संघात्मक ढांचा राज्यों की समान हैसियत सुनिश्चित करने की गारंटी देता है। दोनों में से किसी को भी नजरअंदाज किया गया तो उसके परिणाम अच्छे नहीं होंगे। अगर यह बात सही है कि परिसीमन को अनंतकाल तक स्थगित किए रहना ही कोई हल हो सकता तो इसमें दो राय नहीं कि किसी राज्य को जनसंख्या वृद्धि पर काबू पाने की सजा नहीं मिलनी चाहिए। ऐसे में रास्ता एक ही है कि केंद्र किसी के साथ अन्याय न होने देने के अपने संकल्प से आगे बढ़कर कुछ राज्यों में जोर पकड़ती अन्याय की आशंका को संबोधित करे और उसे दूर करने का प्रयास करे। उसकी इस तरह की पहल से कई मुद्दे अपने आप सुलझ सकते हैं।

सजग रहे जीवन में आने वाले पलों के लिए

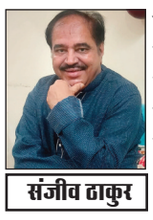

संजीव ठाकुर

जीवन में कठिन परिस्थितियों कभी बता कर नहीं आतीं हैं, इसी लिए मनुष्य को हर कठिन तथा विषम परिस्थिति के लिए सदैव सजग तथा सावधान रहने की आवश्यकता है। खुशियां तथा अवसाद हर मनुष्य के जीवन के दो पहलू हैं अब यह आप पर निर्भर है कि आप इन परिस्थितियों को किस तरह अपने जीवन में आत्मसात कर संतुलित करते हैं। जीवन एक गणित की तरह है कभी-कभी दो और दो चार तथा कभी दो और दो पांच भी हो जाते हैं दो और दो पांच का मतलब विषम परिस्थितियों का सामना करना।वैसे भी जीवन मैं ऊंचाइयां पाने के लिए सदैव संघर्षरत रहना होता है। सिर्फ मानव प्रजाति में सोचने समझने और मुस्कुराने की शक्ति होती है। मनुष्य की सर्व चेतनाओं से परिपूर्ण होता है । पत्थरों में चेतना शून्य होती है, पेड़ पौधों में पल्लवित पुष्पित होती है,पशु पक्षियों में चलायमान होती है और मनुष्य ही एक ऐसा प्राणी है जिसमें मानव मस्तिष्क चिंतन मनन कर किसी समस्या का समाधान निकालता हैं। यह सर्वविदित है कि मनुष्य का जीवन विभिन्न सामाजिक मानसिक संघर्षों का केंद्र होता है। मनुष्य ने सदैव मानसिक शारीरिक शक्ति और दृढ़ संकल्प के बलबूते पर हर समस्या पर समय-समय पर विजय प्राप्त की है, और अपने लक्ष्य को बड़ी दृढ़ता के साथ प्राप्त किया है। मनुष्य के जीवन में जब उत्साह, ऊर्जा एवं अपनी क्षमताओं के उपयोग करने का पूर्ण रूप से आत्मविश्वास होता है तो वह परिस्थितियों का सामना बखूबी कर अपने जीवन को सुचारू रूप से संचालित करता है। एक मानव प्रजाति ही ऐसी प्रजाति है जिसकी संकल्प शक्ति इतनी ऊर्जावान एवं महत्वपूर्ण होती है कि वह प्रगति की विविधताओं, विषमताओं एवं अपार शक्ति को भी आसानी से नियंत्रित कर लेता है एवं उसका स्वयं के लिए समाज के लिए देश के लिए सकारात्मक उपयोग करने में भी सक्षम होता है। जीवन में मनुष्य को सदैव अपने आप को व्यस्त रख कार्यशील रहना चाहिए, क्योंकि व्यस्त व्यक्ति ही किसी कार्य को उसकी परिणति तक पहुंचा सकता है ,खाली दिमाग सदैव शैतान का होता है एवं उसमें नकारात्मक विचार प्रवेश कर मन को मायूस कर देते हैं। आपका मन या मनोबल या संकल्प ही जब एकाग्र चित्त ऊर्जावान तथा शक्तिशाली होगा तो आपके सामने की कितना भी क्लिष्ट व कठिन लक्ष्य हो उसमें आप सफलता अवश्य पा सकेंगे। इसलिए मनुष्य को सदैव कर्मरत रहना चाहिए ।इसका यह भी अभिप्राय है कि मनुष्य को अपने आपको सदैव स्वस्थ्य एवं व्यस्त रखना चाहिए। मन में दृढ़ संकल्प रखकर हमारी दुनिया में लोगों ने ऐसे असंभव कठिन तथा दुरूह कार्यों को अपनी जड़ मानसिक शक्ति से संभव कर दिखाया है जिसकी हम कतई कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों की विपन्न स्थिति एवं आर्थिक कमी के बावजूद उन्होंने अपनी मानसिक दृढ़ता ,उच्च संकल्प शक्ति और संगठन क्षमता के दम पर भारत देश को आजाद कराया ।इसमें निसंदेह महात्मा गांधी, सरोजनी नायडू, सरदार वल्लभ भाई पटेल,जवाहरलाल नेहरू, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस और न जाने कितने उदाहरण हैं जिन्होंने अपनी मानसिक शारीरिक शक्ति तथा ऊर्जा के दमखम पर देश को अंग्रेजों के चंगुल से निकाल कर आजादी की हवा की सांस लेने का देशवासियों को मौका दिया है।हम उनका नमन करते हैं उन्हें श्रद्धांजलि भी देते हैं और उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति एवं संकल्प को आदर्श के रूप में लेकर अपने जीवन में उतारने का प्रयास भी करेंगे।

बिहार में इफ्तार पार्टी के बहाने राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन

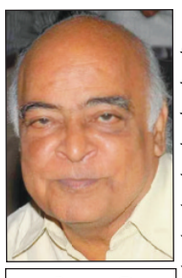

अशोक भाटिया

बिहार में विधानसभा चुनाव की बिसात बिछाई जाने लगी है। चुनावी माहौल के बीच रमजान का महीना चल रहा है, जिसके चलते रोजा इफ्तार दावत की बहार देखने को मिल रही। सियासी पार्टियां रोजा इफ्तार के बहाने मुस्लिम समुदाय वोटबैंक को साधने की है, जिसके लिए नमाज पढ़ने वाली टोपी लगाने से लेकर गमछे को पहनने से गुरेज नहीं कर रहे हैं। इस तरह मुस्लिम रंग में रचे-बसे हुए नेता नजर आ रहे हैं, किसी की दावत में जाने से मुस्लिम तंजी में इनकार कर रही तो किसी की महफिल में जाने को बेकरार हैं। इस तरह बिहार में मुस्लिम पॉलिटिक्स होती दिख रही है? आज राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद की तरफ से इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। लालू प्रसाद के इफ्तार पार्टी में मुस्लिम संगठनों के लोग और वामपंथी दल और कांग्रेस के कुछ विधायक शामिल हुए। कांग्रेस के बड़े नेताओं ने इफ्तार पार्टी से दूरी बनाई। यही नहीं वीआईपी के मुकेश भी नहीं पहुंचे। कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता कह चुके है कि अबकी चुनाव में उन्हें बड़ा हिस्सा नहीं मिला तो वो अकेले चुनाव लड़ेगी । ज्ञात हो कि रमजान के महीने में हर साल राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव इफ्तार पार्टी का आयोजन करते हैं। लालू प्रसाद हर साल अपने सरकारी आवास 10 सर्कुलर रोड पर इफ्तार पार्टी का आयोजन करते थे। लेकिन आज लालू प्रसाद पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधान परिषद के सदस्य अब्दुल बारी सिद्दीकी के सरकारी आवास 12 स्ट्रेंड रोड पर किया गया।इफ्तार पार्टी में लालू प्रसाद यादव खुद एक्टिव दिखे। इफ्तार पार्टी में लालू प्रसाद, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, बिहार विधानसभा में विरोधी दल के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव, अब्दुल बारी सिद्दीकी, शिवानंद तिवारी सहित राजद के सभी विधायक महागठबंधन के सहयोगी वामपंथी दलों के नेता और कई विधायक इफ्तार पार्टी में शामिल हुए। कांग्रेस विधायक प्रतिमा दास इस इफ्तार पार्टी में शामिल हुई। बिहार के वरिष्ठ पत्रकार अरुण पांडेय के अनुसार बिहार में महागठबंधन की सियासत लालू प्रसाद यादव के इर्द-गिर्द घूमती रहती थी। बिहार में कांग्रेस की राजनीति भी पिछले 25 वर्षों से राजद के सहारे ही चलती रही है। लेकिन कांग्रेस पार्टी अब अपना संगठन विस्तार करने में लगी हुई है। यही कारण है कि नए प्रभारी एवं नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति की गई है।लालू प्रसाद के द्वारा दी गई इफ्तार पार्टी में कांग्रेस के बड़े नेताओं की दूरी यह दिखा रही है कि महागठबंधन में सब कुछ सामान्य नहीं है। कांग्रेस के कुछ एक विधायकों का पहुंचना और बिहार कांग्रेस के बड़े नेताओं का इस इफ्तार पार्टी में शामिल नहीं होना यह संकेत दे रहा है कि कहीं कांग्रेस कुछ अलग राजनीति या रणनीति तो नहीं बना रही। सबसे बड़ी बात है कि कृष्णा अल्लावारु जब से बिहार के प्रभारी बने हैं एक बार भी लालू प्रसाद से मुलाकात करने नहीं गए। लालू प्रसाद द्वारा आयोजित इफ्तार पार्टी में महागठबंधन में नए राजनीतिक समीकरण भी देखने को मिला। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस, बिहार अध्यक्ष प्रिंस राज और पार्टी के वरिष्ठ नेता सूरजभान सिंह इस इफ्तार पार्टी में शामिल हुए। मीडिया से बातचीत में पशुपति कुमार पारस ने बताया कि रमजान का पवित्र महीना चल रहा है। इफ्तार पार्टी में शामिल हुए हैं। बिहार में नई राजनीतिक समीकरण के सवाल पर उन्होंने कहा कि "समय आने पर सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा।" उधर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर से मुख्यमंत्री आवास पर रविवार को इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। इफ्तार पार्टी में कई मुस्लिम नेताओं के साथ समाज के लोगों ने हिस्सा लिया। हालांकि इससे पहले कई मुस्लिम संगठनों की ओर से इफ्तार पार्टी में जाने से इनकार किया गया था। जदयू के नेताओं ने कहा कि नीतीश कुमार मुस्लिम के साथ हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इफ्तार पार्टी में आधा दर्जन से ज्यादा मुस्लिम धार्मिक संगठनों के बॉयकॉट के बावजूद बड़ी संख्या में रोजेदार शामिल हुए। इफ्तार पार्टी में शामिल होने के लिए पूर्व मंत्री मोनाजिर हसन भी सीएम आवास पहुंचे। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि नीतीश कुमार ने ही मुसलमानों के लिए सबसे ज्यादा काम किया। नीतीश कुमार ने जदयू के मुस्लिम नेताओं को पैचअप में लगाया है, लेकिन उसके बावजूद इफ्तार पार्टी पर असर इस बार दिखा है। हालांकि पार्टी में कैमरा और मोबाइल दोनों ले जाने की मनाही थी। इफ्तार पार्टी में जिन लोगों को मुख्यमंत्री आवास में एंट्री हुई उन्हें मोबाइल भी बाहर रखना पड़ा और कड़ी जांच के बाद जाने दिया गया है पास के माध्यम से ही एंट्री था। जदयू मुस्लिम नेताओं ने कहा यह राजद की साजिश है। चुनावी साल में लेकिन इसका कोई असर पड़ने वाला नहीं है। नीतीश कुमार ने मुसलमान के लिए जितना काम किया है। मुस्लिम नीतीश कुमार के साथ हैं। मुख्यमंत्री आवास में हुए कर पार्टी में एनडीए के कई नेता भी शामिल हुए।ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, इमारत-ए-शरिया, जमीयत उलेमा हिंद, जमीयत अहले हदीस, जमात-ए-इस्लामी हिंद, खानकाह मुजीबिया और खानकाह रहमानी ने वक्फ बिल को लेकर नीतीश कुमार और जदयू के फैसले पर नाराजगी जताते हुए इफ्तार पार्टी बायकाट किया था। बताया जाता है कि वक्फ बिल को लेकर जदयू ने लोकसभा में पुरजोर समर्थन किया था। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने समर्थन करते हुए इसे मुसलमान के हित में बताया था। उसके बाद से हैं मुस्लिम संगठन नीतीश कुमार से अपनी नाराजगी जताते रहे हैं नीतीश कुमार के साथ बैठक कर भी अपनी नाराजगी जताई है। बताया जाता है कि बिहार में सीमांचल सहित तीन दर्जन से अधिक सीट ऐसे हैं। जिसमें मुस्लिम वोटर निर्णायक भूमिका निभाते हैं 243 सीटों में से तीन दर्जन सीटों में मुस्लिम वोटरों की आबादी 20 से 40% के करीब है 11 सीट तो ऐसे हैं जहां 40 फीसदी से भी अधिक वोट मुस्लिम के हैं।मुस्लिम वोटरों पर राजद और महागठबंधन की नजर तो है ही साथ ही एआईएमआईएम और प्रशांत किशोर की भी नजर है। सीमांचल में 2020 में एआईएमआईएम ने 5 सीटों पर जीत हासिल की थी। मुस्लिम पहले से नीतीश कुमार से नाराज हैं और वक्फ बिल को लेकर उनकी नाराजगी और बढ़ी है। ऐसे में मुस्लिम संगठनों के बायकाट ने नीतीश कुमार की मुश्किलें और बढ़ा दी है। सुन्नी वक्फ बोर्ड बिहार के अध्यक्ष इर्शादुल्लाह के अनुसार ये सियासी स्टंट है। ये आरजेडी वालों का क्रिएट किया गया है। इफ्तार का कभी ठुकराया नहीं जाता है। ये पहली बार देख रहा हूं कि इफ्तार पार्टी का बॉयकॉट किया गया है। यह दुखद है।चुनाव में इसका कोई असर नहीं पड़ेगा। 50 फीसदी नीतीश को वोट करने जा रहे हैं। यह पहली बार नहीं है । इफ्तार के बहाने बिहार में सियासी उठा पटक भी होता रहा है। बिहार में मुस्लिम आबादी 17 प्रतिशत के करीब है। आरजेडी इतनी बड़ी आबादी को अपना वोट बैंक बनाने के लिए मुसलमानों और यादवों का एम-वाई समीकरण बना लिया है। यादवों की 14 प्रतिशत जनसंख्या मिला कर यह आबादी 31-32 प्रतिशत के करीब हो जाती है। मुसलमान भाजपा को तो वोट करते ही नहीं। अब जेडीयू से भी कट गए। ऐसे में थोक में मुसलमानों के वोट पर महागठबंधन की नजर है। आरजेडी कैंप यकीनन इस बात पर खुशी होगी कि उलेमाओं ने नीतीश की इफ्तार पार्टी का बहिष्कार किया। पर, यह भी सच है कि मुस्लिम वोटों का दावेदार तब अकेले महागठबंधन की ही पार्टियां नहीं होंगी। बिहार के उलेमाओं ने जब सीएम नीतीश कुमार की इफ्तार पार्टी का बायकॉट किया। इसकी उलेमाओं ने शर्त भी रखी। स्पष्ट कहा कि एनडीए में रहते हुए वक्फ संशोधन बिल का विरोध करें, वर्ना वे इफ्तार पार्टी का बहिष्कार करेंगे।

भारत की सबसे बड़ी एजुकेशन कंपनी का पतन

शिवानंद मिश्रा

एक समय था जब बायजूस को भारत की सबसे बड़ी और सफल एजुकेशन टेक्नोलॉजी (एडटेक) कंपनी के रूप में देखा जाता था। यह कंपनी बच्चों और युवाओं के लिए ऑनलाइन लर्निंग का सबसे प्रभावशाली माध्यम बन चुकी थी। बायजूस के संस्थापक बायजू रविंद्रन ने अपने टीचिंग के अनोखे अंदाज और बिजनेस मॉडल के जरिए करोड़ों छात्रों और उनके माता-पिता का विश्वास जीता।

बायजूस की शुरुआत और कामयाबी का सफर

बायजू रविंद्रन ने 2006 में अपने टीचिंग करियर की शुरुआत की थी। शुरुआत में उन्होंने अपने कुछ दोस्तों को कैट (CAT) परीक्षा की तैयारी कराने में मदद की। रविंद्रन के पढ़ाने का अंदाज इतना लोकप्रिय हो गया कि जल्द ही वे बड़े ऑडिटोरियम में सैकड़ों छात्रों को पढ़ाने लगे। 2009 में उन्होंने 'बायजूस क्लासेस' की स्थापना की और अपने बिजनेस को पूरे भारत में फैलाने की योजना बनाई। उनके पढ़ाने के तरीके को देखकर लाखों छात्र उनकी क्लास में शामिल होते गए। बायजूस का बिजनेस मॉडल बेहद प्रभावी था। छात्रों को शुरुआती क्लास मुफ्त में दी जाती थी, और बाद में उन्हें पेड कोर्सेज में शामिल किया जाता था। 2015 में बायजूस ने अपना पहला मोबाइल ऐप लॉन्च किया, जिससे वह छात्रों तक डिजिटल माध्यम से पहुंचने लगे। इसके बाद, बायजूस ने तेजी से ग्रोथ की और 2018 में यह भारत की सबसे बड़ी एडटेक कंपनी बन गई। इसे 'यूनिकॉर्न' का दर्जा प्राप्त हुआ, यानी इसकी वैल्यूएशन 1 बिलियन डॉलर से अधिक हो गई थी।

कोविड-19 महामारी और बायजूस की विस्फोटक ग्रोथ।

2020 में कोविड-19 महामारी ने पूरी दुनिया को बदल दिया। स्कूल और कॉलेज बंद हो गए और छात्रों को ऑनलाइन शिक्षा का सहारा लेना पड़ा। यह समय बायजूस के लिए एक बड़ा अवसर साबित हुआ। लॉकडाउन के दौरान, बायजूस ने अपने कोर्सेज मुफ्त में उपलब्ध कराए, जिससे छात्रों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई। छात्रों और उनके माता-पिता को ऑनलाइन लर्निंग का यह तरीका पसंद आने लगा। बायजूस के ऐप का इस्तेमाल करने वालों की संख्या करोड़ों में पहुंच गई। बायजूस की बढ़ती लोकप्रियता ने वेंचर कैपिटल इन्वेस्टर्स को आकर्षित किया। बायजूस को सिकोया और मार्क जुकरबर्ग की कंपनी समेत कई बड़ी कंपनियों से भारी फंडिंग मिली। इसके साथ ही बायजूस ने अन्य एडटेक स्टार्टअप्स का अधिग्रहण भी शुरू कर दिया, जिनमें वाइटहैट जूनियर, ग्रेट लर्निंग, और आकाश इंस्टीट्यूट जैसे बड़े नाम शामिल थे। इस अधिग्रहण से बायजूस की वैल्यूएशन 22 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई, लेकिन इसके पीछे कंपनी ने भारी कर्ज लिया, जो उसके पतन की शुरुआत साबित हुआ।

गिरावट की शुरुआतः फाइनेंशियल गलतियां और आक्रामक बिक्री।

कोविड-19 के बाद जब स्कूल और कॉलेज फिर से खुलने लगे तो बायजूस की ग्रोथ धीमी होने लगी। छात्रों को वापस ऑफलाइन क्लासेस की ओर लौटने में ज्यादा रुचि दिखाने लगी। इसके बावजूद, बायजूस ने अपने बिजनेस मॉडल में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया। उन्होंने आक्रामक सेल्स स्ट्रेटजी अपनाई जिसमें सेल्समैन को छात्रों के माता-पिता पर दबाव बनाकर कोर्स बेचने के लिए मजबूर किया गया। इस आक्रामक रणनीति ने बायजूस की छवि को नुकसान पहुंचाया। कंपनी की आक्रामक सेल्स पिच में छात्रों और उनके माता-पिता को यह एहसास कराया जाता था कि यदि वे बायजूस के कोर्स नहीं लेते तो उनके बच्चे प्रतियोगी परीक्षाओं में पीछे रह जाएंगे। कई माता-पिता को झूठी जानकारी दी गई और भारी फीस वसूली गई। इसके अलावा, कंपनी के कस्टमर सर्विस में भी समस्याएं आनी शुरू हो गईं। ग्राहकों को रिफंड और सब्सक्रिप्शन कैंसिलेशन में काफी परेशानियां उठानी पड़ीं, जिससे उनकी विश्वसनीयता पर गहरा असर पड़ा।

भारी कर्ज और कानूनी समस्याएं।

बायजूस के पतन का सबसे बड़ा कारण उसका भारी कर्ज था। कंपनी ने नए स्टार्टअप्स को खरीदने के लिए भारी-भरकम कर्ज लिया था जो कि उसके बिजनेस मॉडल के अनुकूल नहीं था। जैसे-जैसे कर्ज बढ़ता गया, बायजूस की फाइनेंशियल स्थिति बिगड़ती गई। 2022 में, कंपनी ने अपने कई कर्मचारियों को निकालना शुरू किया और अपने कई ऑफिस भी बंद कर दिए। इसके अलावा, बायजूस पर कानूनी मामलों की भी मार पड़ी।

अमेरिकी कंपनियों ने बायजूस पर लोन डिफॉल्ट और टर्म्स वायलेशन के आरोप लगाए जिससे कंपनी की साख पर और बुरा असर पड़ा। सितंबर 2023 में बीसीसीआई ने भी बायजूस पर पेमेंट डिफॉल्ट के कारण इंसॉल्वेंसी प्रोसीडिंग्स शुरू कर दीं। इस कानूनी लड़ाई ने बायजूस को और भी ज्यादा कमजोर बना दिया।

बायजूस का पतनः क्या भविष्य में वापसी संभव है?

2023 आते-आते बायजूस की वैल्यूएशन लगभग 99% गिर चुकी थी। एक समय 22 बिलियन डॉलर की वैल्यूएशन वाली यह कंपनी अब केवल 225 मिलियन डॉलर पर पहुंच गई थी। कंपनी के पास अब सीमित संसाधन बचे थे, और उसे अपनी कर्ज की अदायगी के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था। कंपनी ने अपने यूएस-आधारित लर्निंग प्लेटफॉर्म 'एपिक' को बेचना शुरू कर दिया और अन्य स्टार्टअप्स भी बेचने की योजना बनाई।

बायजूस के सामने सबसे बड़ी चुनौती उसकी खोई हुई विश्वसनीयता को वापस पाना है। कंपनी को अपने बिजनेस मॉडल में बड़े बदलाव करने होंगे और छात्रों और उनके माता-पिता के साथ पारदर्शिता बनानी होगी। इसके अलावा, कंपनी को अपने कर्ज का प्रबंधन करने और वित्तीय स्थिरता हासिल करने की दिशा में भी काम करना होगा।

हालांकि, बायजूस की वापसी मुश्किल नजर आ रही है लेकिन अगर सही कदम उठाए जाएं, तो यह असंभव नहीं है।

निष्कर्षः बायजूस का पतन एक उदाहरण है कि कैसे एक सफल कंपनी गलत वित्तीय निर्णयों और आक्रामक बिजनेस रणनीतियों के कारण बर्बाद हो सकती है। यह घटना उन सभी स्टार्टअप्स के लिए एक सीख है कि केवल ग्रोथ और वैल्यूएशन पर ध्यान केंद्रित करने से ज्यादा जरूरी है ग्राहकों के साथ विश्वास बनाना और उन्हें सही सेवाएं प्रदान करना। बायजूस की कहानी हमें यह भी सिखाती है कि शिक्षा का मकसद केवल मुनाफा कमाना नहीं बल्कि छात्रों के भविष्य को बेहतर बनाना होना चाहिए।

कर्ज़ की जंजीरें सोने नहीं देती

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

रामलाल की आँखों में आशा थी, पर पेट की आग और कर्ज़ की ज़ंजीरें उसे चैन से सोने नहीं देती थीं। गाँव के कोने में उसकी टूटी-फूटी झोपड़ी में सिर्फ़ आँधियाँ दस्तक देती थीं, और रात के सन्नाटे में उसकी पत्नी कमला की सिसकियाँ गूँजती थीं। बस थोड़ा सा कर्ज़... फिर सब ठीक हो जाएगा, यह सोचकर उसने पिछले साल हरिया साहूकार से पाँच हज़ार रुपये उधार लिए थे। खेतों में सोना उगाने का सपना आँखों में लिए वह हर सुबह सूरज से पहले उठ जाता, लेकिन बारिश रूठ गई, फ़सल सूख गई और साहूकार का ब्याज बढ़ता चला गया।

पहले उसके बैल गए, फिर उसके गहने। लेकिन साहूकार की लाल किताब में उसके नाम के आगे लिखा लाल निशान नहीं मिटा। ब्याज ऐसा बढ़ा कि अब रामलाल की साँसों पर भी उधारी हो गई।

बाबूजी, स्कूल की फ़ीस नहीं भरी तो मास्टरजी ने कहा-अब मत आना! छोटा मोहन रोते हुए बोला। रामलाल की आँखों में अंधेरा छा गया। वह घर से निकला, साहूकार के दरवाज़े पर गया और हाथ जोड़कर बोला-हरिया जी, इस बार थोड़ा और वक़्त दे दीजिए... साहूकार हँसा, एक ऐसी हँसी जो किसी की रोटी छीनकर गूँजती है।

कौन-सा वक़्त चाहिए रामलाल? जब तू पैदा हुआ था, तब का भी उधार बाकी है! तू अब अपनी बिटिया को गिरवी रख दे, तो बात बन जाए। रामलाल की रगों में ख़ून नहीं, लाचारी दौड़ने लगी।

उसने घर आकर कमला की ओर देखा, लेकिन उसकी आँखों में अब कोई आँसू नहीं बचे थे—वह वर्षों पहले साहूकार को ब्याज में दे चुकी थी।

उस रात रामलाल अपने बच्चों को प्यार से सुलाकर, बाहर पीपल के पेड़ के नीचे गया। उसने अपनी पुरानी धोती से फंदा बनाया और उस लटकते हुए कर्ज़ को हमेशा के लिए चुका दिया। बह गाँव के लोग आए, उसकी लाश झूल रही थी। साहूकार भी आया, नोट गिनता हुआ बोला-चलो, एक उधारदार कम हुआ, लेकिन उसकी बंधी हुई ज़मीन अब मेरी हुई! और हाँ, गाँव में सब रोए। कुछ हक़ीक़त में, कुछ दिखावे में। लेकिन सबसे ज़्यादा रामलाल की बिटिया रोई, जिसने उस दिन जाना कि ऋण कभी नहीं मरता, सिर्फ़ कर्ज़दार मरते हैं।

हिंदू आस्था के भरोसे भाजपा, विपक्ष का मुस्लिम तुष्टिकरण राग

प्रदीप कुमार वर्मा

अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के भव्य मंदिर का निर्माण, प्रयागराज के संगम तट पर महाकुंभ का विश्व स्तरीय आयोजन, होली के मौके पर संभल में कई सालों के बाद एकादशी का जुलूस , संभाजी नगर में औरंगजेब की कब्र पर घमासान। कर्नाटक में ठेकों में चार प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण, उत्तर प्रदेश के कई शहरों में मेलों के आयोजन के नाम पर गाजी का गुणगान, सपा के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन द्वारा राणा सांगा पर कथित अपमानजनक टिप्पणी और रमजान के महीने में राजनेताओं की रोजा इफ्तारी, कुल मिलाकर देश का राजनीतिक मिजाज इन दिनों इन्हीं सब घटनाक्रम के इर्द-गिर्द घूम रहा है। ऐसा लगता है कि केंद्र की सत्ता पर काबिज भाजपा जहां हिंदुओं की आस्था और सनातन की एकता के भरोसे है, वहीं कांग्रेस और समाजवादी पार्टी सहित अन्य विपक्षी दलों ने मुस्लिम तुष्टिकरण को ही अपनी राजनीति का आधार बना लिया है। प्रख्यात अभिनेता विकी कौशल द्वारा अभिनीत संभाजी महाराज के जीवन पर बनी फिल्म छावा के प्रदर्शन के बाद मुगल शासक औरंगज़ेब का विवाद अब अपने चरम पर है जिसके चलते कई हिंदूवादी संगठन संभाजी नगर में बनी मुगल शासक औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग कर रहे हैं। औरंगजेब प्रकरण को लेकर ही नागपुर में बीते दिनों हिंसा हुई जहां अभी भी तनाव के हालात है। इसके साथ ही महाराष्ट्र के कई शहरों में अब औरंगजेब विवाद के नाम पर हिंदू और मुस्लिम पक्ष आमने-सामने है। मुगल शासक औरंगजेब के नाम पर शुरू हुआ विवाद अब उत्तर प्रदेश के संभल में सैयद सालार गाजी के नेजा मेले तक जा पहुंचा है। संभल जिला प्रशासन ने नेजा मेले की अनुमति की मनाही करते हुए मेले पर रोक लगाने का ऐलान किया है। संभल में नेजा मेले पर रोक के साथ-साथ अब बहराइच में भी सैयद सालार गाजी की कब्र पर जेठ महीने में आयोजित होने वाले मेले पर भी संकट के बादल छा गए हैं। इन सभी स्थानों पर भी उत्तर प्रदेश सरकार और संबंधित जिलों के प्रशासन में मेले पर रोक लगा दी है। वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी आक्रांताओं के गुणगान को देशद्रोह से जोड़ने का बयान देकर इस मामले को और गर्मा दिया है। बहराइच में ही आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विदेशी आक्रांता, जिन्होंने देश की संस्कृति और अवाम के प्रति क्रूरता की है वह हमारे आदर्श और हमारे नायक नहीं हो सकते। इसलिए आक्रांताओं के नाम पर आयोजित होने वाले मेले तथा अन्य कार्यक्रमों का कोई मतलब नहीं है। योगी आदित्यनाथ ने यहां तक कहा कि विदेशी आक्रांताओं का महिमा मंडन करना देशद्रोह माना जाएगा। इसके बाद उत्तर प्रदेश समेत पूरे देश में अब मुगल शासको को लेकर एक नई बहस शुरू हो गई है। योगी के इस ऐलान के बाद अभी माना जा रहा है कि सैयद सालार गाजी की याद में होने वाले कार्यक्रम अब संभव नहीं हो सकेंगे। उधर,नई दिल्ली में आयोजित एक रोजा इफ्तार पार्टी में कांग्रेस और सपा सहित अन्य दलों का मुस्लिम प्रेम एक बार फिर से उजागर हो गया है। इस इफ्तार पार्टी में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, सपा की राज्यसभा सांसद जया बच्चन, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव तथा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खान के सहित अन्य विपक्षी नेता शामिल हुए। इस आयोजन के बाद भाजपा ने कांग्रेस तथा सपा को एक बार फिर से मुस्लिम तुष्टिकरण को बढ़ावा देने तथा देश में रमजहबर के नाम पर राजनीति करने के आरोप लगाए। भाजपा नेताओं का कहना है कि विपक्ष के नेता राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में नहीं गए। इसके साथ ही उन्होंने प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ से भी दूरी बनाई। ऐसे में कांग्रेस और सपा द्वारा मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए इफ्तार पार्टी में शिरकत करना कितना जरूरी है, यह देश की जनता जानती है। एक अन्य बड़े घटनाक्रम में शुक्रवार को कर्नाटक विधानसभा में सरकारी ठेकों में मुसलमानों को चार प्रतिशत आरक्षण देने का बिल पास कर दिया। सोमवार को संसद में इस मुद्दे को लेकर भाजपा ने हंगामा किया।

भाजपा नेताओं ने कहा कि धर्म के आधार पर आरक्षण देने का प्रावधान संविधान के विरुद्ध और इस पर कांग्रेस को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। कर्नाटक सरकार के इस कदम को भी भाजपा मुस्लिम तुष्टिकरण से जोड़कर देश में एक खास मजहब के लोगों को बढ़ावा देने के आरोप बता रही है। इसके साथ ही भाजपा का कहना है कि यह आरक्षण पिछड़े वर्ग के कोटे से दिया गया है जिससे भी कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों का पिछड़े वर्ग के प्रति झूठा प्रेम उजागर हो गया है। समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी द्वारा मुगल शासक औरंगज़ेब की महिमा मंडन से शुरू हुआ क्रम अब राजस्थानों के वीर सपूतों के अपमान तक आ पहुंचा है। राष्ट्र नायकों के अपमान का यह काम इस बार भी समाजवादी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन ने किया है।

पापमोचिनी एकादशी व्रत कथा

धर्मराज युधिष्ठिर को चैत्र कृष्ण एकादशी के व्रत के बार में जानने की इच्छा थी। इस वजह से उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण से इस एकादशी के महत्व के बारे में बताने का निवेदन किया। तब भगवान श्रीकृष्ण ने उनको बताया कि चैत्र कृष्ण एकादशी व्रत पापमोचिनी एकादशी नाम से प्रसिद्ध है। पापमोचिनी एकादशी का व्रत रखने वाला व्यक्ति पापमुक्त हो जाता है, उसके पाप नष्ट हो जाते हैं। एक बार नारद जी ने ब्रह्म देव से पापमोचिनी एकादशी की महत्ता के बारे में पूछा था, उसका वर्णन कुछ इस प्रकार से है।

पौराणिक कथा के अनुसार, देवताओं के राजा इंद्र देवों और गंधर्व कन्याओं के साथ चित्ररथ वन में भ्रमण करते थे। एक बार उसी वन में मेधावी नामक ऋषि भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए कठोर तपस्या कर रहे थे। वे ब्रह्मचर्य के कठोर नियम से बंधे थे। एक दिन मंजुघोषा नामक अप्सरा उस वन में आई और उस ऋषि के आश्रम से कुछ दूरी पर रूककर वीणा बजाकर गीत गाने लगी।

उसके मधुर गान मेधावी ऋषि के कानों में पड़े तो उनका ध्यान भंग हो गया। वे काम के वशीभूत थे, यह देखकर मंजुघोषा उनके पास आ गई। उसके देखकर मेधावी ऋषि उस पर मोहित हो गए और दोनों रति क्रीड़ा करने लगे। यह क्रम चलता रहा। दोनों साथ रहने लगे। ऋषि काम में लिप्त हो गए और ऐसे ही 57 साल व्यतीत हो गए। एक दिन मंजुघोषा ने मेधावी ऋषि से कहा कि उसे अब वापस स्वर्ग लोक जाना है। उसे अनुमति दें।

ऐसा होते ही मेधावी ऋषि को आत्मबोध हुआ कि उनसे तो बड़ी गलती हो गई और वे अपने मार्ग से विचलित हो गए हैं। उन्होंने मंजुघोषा को तपस्या भंग का कारण माना। गुस्से में आकर उन्होंने मंजुघोषा को पिशाचनी होने का श्राप दिया। इस श्राप से मंजुघोषा डर गई। उसने ऋषि से कहा कि इस श्राप से मुक्ति के लिए उपास बताएं।

जब क्रोध शांत हुआ तो मेधावी ऋषि ने कहा कि तुम चैत्र कृष्ण एकादशी का व्रत करो। यह एकादशी पापों को मिटाने वाली है। इस व्रत के पुण्य फल से व्यक्ति पाप मुक्त हो जाता है। उपाय बताने के बाद मेधावी ऋषि वन को छोड़कर अपने पिता के पास चले गए। तब उनके पिता को ज्ञात हो गया था कि उनके बेटे ने क्या गलती की है। उन्होंने मेधावी ऋषि को भी पापमोचिनी एकादशी व्रत रखने की सलाह दी।

ऋषि के बताए अनुसार, जब पापमोचिनी एकादशी का व्रत आया तो मंजुघोषा ने विधि विधान से व्रत रखा और श्रीहरि की पूजा अर्चना की। भगवान विष्णु की कृपा से मंजुघोषा पाप मुक्त हो गई, जिसे फलस्वरूप वह वापस स्वर्ग लोक चली गई। इस प्रकार से जो भी व्यक्ति पापमोचिनी एकादशी का व्रत विधि विधान से करता है, उसके पाप और कष्ट मिट जाते हैं। वह सुखपूर्वक जीवन व्यतीत करता है।

पापमोचनी एकादशी मुहूर्त और पारण समय

चैत्र कृष्ण एकादशी तिथि का प्रारंभः आज, सुबह 5 बजकर 5 मिनट से

चैत्र कृष्ण एकादशी तिथि का समापनः कल, तड़के 3 बजकर 45 मिनट पर

गृहस्थ के लिए पापमोचनी एकादशी पारण समयः 26 मार्च, दोपहर 1 बजकर 41 मिनट से शाम 4 बजकर 8 मिनट

वैष्णव जन के लिए पापमोचनी एकादशी पारण समयः 27 मार्च, सुबह 06:17 बजे से 08:45 बजे तक

ना खाने की चिंता और ना सोने की! रायगढ़ वाले चमत्कारी बाबा की अद्भुत कहानी

छत्तीसगढ़ में रोचक किस्सों, रहस्यों और आस्था की कमी नहीं है। दरअसल रायगढ़ जिले से महज चार किलोमीटर दूर कोसमनारा गांव का बाबा धाम श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र बना हुआ है। यहां 26 सालों से तपस्या में लीन सत्यनारायण बाबा को देखने के लिए देश-विदेश से भक्तों की भीड़ उमड़ती है। बाबा सालभर एक ही स्थान पर बैठकर साधना में लीन रहते हैं।

तपती गर्मी हो या कड़ाके की ठंड, बारिश का मौसम हो या तेज धूप, मौसम की कोई भी मार बाबा की तपस्या को प्रभावित नहीं कर पाती। उनका जीवन रहस्य और आस्था से भरा हुआ है, जिसे देखने और महसूस करने के लिए भक्तों की लंबी कतारें लगती हैं।

16 फरवरी 1998 से लगातार तपस्या

सत्यनारायण बाबा का जन्म 12 जुलाई 1984 को रायगढ़ के ग्राम डुमरपाली देवरी में हुआ था। उनका असली नाम हलधर था, लेकिन परिवार और गांववाले उन्हें सत्यम कहकर बुलाते थे। कहा जाता है कि 16 फरवरी 1998 को जब वे महज 13-14 साल के थे, तब स्कूल जाने के लिए निकले और फिर लौटकर घर नहीं आए। वे कोसमनारा पहुंचे और वहां शिवलिंग के पास साधना में लीन हो गए। इस दौरान उन्होंने अपनी जीभ काटकर भगवान शिव को समर्पित कर दी। तब से लेकर आज तक वे लगातार एक ही स्थान पर बैठकर तपस्या कर रहे हैं।

खाने-पीने और दिनचर्या का रहस्य

बाबा की दिनचर्या रहस्यमयी है। वे कब सोते हैं, क्या खाते हैं और कैसे इतनी गर्मी, सर्दी और बारिश सहन कर लेते हैं, यह कोई नहीं जानता। बाबा पूरे दिन और रात तपस्या में लीन रहते हैं। केवल रात के समय वे अपनी आंखें खोलते हैं और भक्तों से इशारों में बात करते हैं। इसी दौरान वे फल और दूध का सेवन करते हैं। बाबा से मिलने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं और अपनी समस्याएं बताते हैं, जिनका समाधान बाबा इशारों में ही देते हैं।

अखंड जल रही है धूनी

शिवलिंग के पास, जहां बाबा तपस्या कर रहे हैं, वहां एक अखंड धूनी प्रज्जवलित है, जो 26 वर्षों से लगातार जल रही है। यह स्थान भक्तों के लिए आस्था और चमत्कार का केंद्र बन गया है। बाबा पहले जमीन पर बैठकर तपस्या करते थे, लेकिन भक्तों के आग्रह पर वे चबूतरे पर बैठने लगे हैं। छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों के अलावा अन्य राज्यों और विदेशों से भी लोग दर्शन के लिए पहुंचते हैं। भक्तों का मानना है कि बाबा साक्षात भगवान के अवतार हैं। तपती गर्मी में भी बाबा की साधना प्रभावित नहीं होती, जो भक्तों के लिए अचरज का विषय है।

बचपन से ही शिव साधना में लीन

बाबा की मां हंसमती के अनुसार, वे बचपन से ही भगवान शिव की पूजा में लीन रहते थे। पहली बार उन्होंने अपने गांव के शिव मंदिर में सात दिनों तक अनवरत तपस्या की थी। इसके बाद वे कोसमनारा पहुंचे और वहीं साधना में बैठ गए। आज वे पूरे देश में श्रद्धा और भक्ति के प्रतीक बन चुके हैं। बाबा सत्यनारायण की यह तपस्या आस्था का एक ऐसा केंद्र बन चुकी है, जिसे देखने के लिए हर साल हजारों श्रद्धालु यहां आते हैं। तपती गर्मी और मौसम की कठिनाइयों के बावजूद उनकी साधना आज भी जारी है, जो लोगों के लिए किसी चमत्कार से कम नहीं।

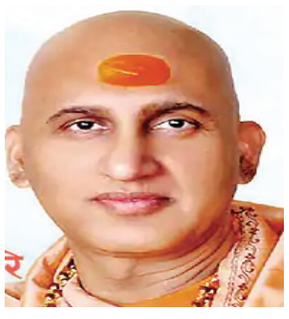

स्वस्थ शरीर से मिलती है शांति; भोर का जागरण और व्यायाम करें, खाने का रखें ध्यान

स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन रहता है। इसलिए हमारे महापुरुषों ने कहा है कि भौर का जागरण, व्यायाम, योग-प्राणायाम और शारीरिक श्रम करते रहना चाहिए, इससे हमारा तन और मन स्वस्थ रहता है। अच्छे विचार तभी आएंगे, मन में प्रसन्नता होगी और जब तन स्वस्थ होगा। इसलिए जहां हम केवल मन की शांति की चिंता कर रहे हैं, वहां हमें तन के स्वास्थ्य की भी चिंता करनी चाहिए। शरीर को अच्छा भोजन दें। हमारा आहार सात्विक हो, हमें आहार-विहार, निहार के प्रति सजग रहें।

आज जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद जी गिरि के जीवन सूत्र में जानिए किन कारणों से रोग बढ़ते हैं?

हिंदू नववर्ष शुरू होने से पहले लगेगा साल का पहला सूर्य ग्रहण

14 मार्च 2025 साल का पहला चंद्र ग्रहण लगा और इसके ठीक 15 दिन बाद यानी 29 मार्च 2025 को चैत्र अमावस्या के दिन साल का पहला सूर्य ग्रहण होगा। 29 मार्च 2025 को होने वाला सूर्य ग्रहण मीन राशि और उत्तर भाद्रपद नक्षत्र में घटित होगा। इस दौरान, सूर्य, राहु, शुक्र, बुध और चंद्रमा सभी मीन राशि में स्थित होंगे, साल 2025 में भी चार ग्रहण देखने को मिलेंगे। इनमें से दो सूर्य ग्रहण और दो चंद्र ग्रहण होंगे। ज्योतिष शास्त्र में सूर्य एवं चंद्र ग्रहण का विशेष महत्व है। इस दौरान शुभ कार्य और पूजा-पाठ करने की मनाही होती है। लापरवाही करने या बरतने से शारीरिक और मानसिक सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

पहला सूर्य ग्रहण 29 मार्च 2025 को लगेगा। यह आंशिक सूर्य ग्रहण और रात को लगने के कारण भारत में दिखाई नहीं देगा।

कहां दिखेगा – पहला सूर्य ग्रहण यूरोप, रूस और अफ्रीका में दिखाई देगा। यह ग्रहण मीन राशि और उत्तर भाद्रपद नक्षत्र में घटित होगा।

शुभ संयोग – इस दौरान सूर्य, राहु, शुक्र, बुध और चंद्रमा सभी मीन राशि में स्थित होंगे, जिससे इस खगोलीय घटना का ज्योतिषीय महत्व और बढ़ जाएगा।

दूसरा सूर्य ग्रहण 21 सितंबर की रात्रि में लगेगा, जो आश्विन मास की कृष्ण पक्ष अमावस्या के दिन रात 22:59 बजे से शुरू होकर 22 सितंबर की सुबह 03:23 बजे तक प्रभावी रहेगा।

कहां दिखेगा – इस पूर्ण ग्रहण को न्यूजीलैंड, फिजी, अंटार्कटिका और ऑस्ट्रेलिया के दक्षिणी भागों में देखा जा सकेगा।

सूतक काल – यह ग्रहण भी भारत में दिखाई नहीं देगा, इसलिए यहां इसका धार्मिक प्रभाव भी नहीं होगा और न ही इसका सूतक काल मान्य होगा। साल का दूसरा ग्रहण कन्या राशि और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में आकार लेगा।

29 मार्च को पहला सूर्य ग्रहण (पूर्ण सूर्य ग्रहण) पहला सूर्य ग्रहण 29 मार्च 2025 को चैत्र मास की कृष्ण पक्ष अमावस्या के दिन लगेगा। यह पूर्ण ग्रहण दोपहर 02:21 बजे से शाम 06:14 बजे तक रहेगा। यह विशेष रूप से बरमूडा, बारबाडोस, डेनमार्क, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, उत्तरी ब्राज़ील, फिनलैंड, जर्मनी, फ्रांस, हंगरी, आयरलैंड, मोरक्को, ग्रीनलैंड, कनाडा का पूर्वी भाग, लिथुआनिया, हॉलैंड, पुर्तगाल, उत्तरी रूस, स्पेन, सूरीनाम, स्वीडन, पोलैंड, पुर्तगाल, नॉर्वे, यूक्रेन, स्विट्जरलैंड, इंग्लैंड और अमेरिका के पूर्वी क्षेत्र, आदि में देखा जा सकेगा।

यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा, इसलिए इसका कोई धार्मिक प्रभाव नहीं माना जाएगा। साथ ही इसका सूतक काल भी मान्य नहीं होगा। इस दौरान मीन राशि और उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र में ग्रहों का विशेष संयोग बनेगा।

पांच ग्रहों का संयोग – इस दिन मीन राशि में सूर्य और राहु के अतिरिक्त शुक्र, बुध और चंद्रमा उपस्थित होंगे। इससे द्वादश भाव में शनि विराजमान होंगे। इससे तीसरे भाव में वृषभ राशि में बृहस्पति, चौथे भाव में मिथुन राशि में मंगल और सप्तम भाव में कन्या राशि में केतु स्थित होंगे। पांच ग्रहों का प्रभाव एक साथ होने के कारण इस ग्रहण का राशियों पर बहुत गहरा प्रभाव देखने को मिल स कता है।

भारत में दिखाई नहीं देगा सूर्य ग्रहण

यह सूर्य ग्रहण भारत में दृश्य नहीं होगा। चूंकि यह खगोलीय घटना भारतीय समयानुसार घटित नहीं होगी, इसलिए भारत में इस ग्रहण का कोई धार्मिक या ज्योतिषीय प्रभाव नहीं माना जाएगा। यही कारण है कि भारत में इस ग्रहण के लिए सूतक काल मान्य नहीं होगा।

शनि गोचर और सूर्य ग्रहण

29 मार्च 2025 को सूर्य ग्रहण के साथ-साथ एक और महत्वपूर्ण ज्योतिषीय घटना हो रही है शनि का गोचर। शनि, जो कुंभ राशि में स्थित थे, मीन राशि में प्रवेश करेंगे। यह विशेष संयोग है, क्योंकि शनि का मीन राशि में प्रवेश 100 वर्षों बाद हो रहा है। शनि के मीन राशि में प्रवेश के कारण यह समय धनु, मिथुन और कर्क राशि के जातकों के लिए बहुत शुभ रहेगा।

यह गोचर इन राशियों के जातकों के लिए एक नए अध्याय का आरंभ होगा, जिससे उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आएगा शनि 3 जून 2027 तक मीन राशि में रहेंगे, जो इन राशियों के लिए एक दीर्घकालिक लाभकारी स्थिति हो सकती है।

प्राकृतिक आपदाओं की आशंका

चार ग्रहणों की वजह से प्राकृतिक आपदाओं का समय से ज्यादा प्रकोप देखने को मिलेगा। इसमें भूकंप, बाढ़, सुनामी, विमान दुर्घटनाएं का संकेत मिल रहे हैं।

प्राकृतिक आपदा में जनहानि कम ही होने की संभावना है। फिल्म एवं राजनीति से दुखद समाचार। व्यापार में तेजी आएगी

सबसे ताकतवर ग्रह को मिलेगी हिंदू नववर्ष की कमान

इस बार राजा-मंत्री दोनों होंगे सूर्य, ये संयोग या संकट ?

हिंदू धर्म में चैत्र का महीना बेहद खास माना जाता है। क्योंकि, इसी माह से हिंदू नव वर्ष की शुरुआत होती है। हिंदू कैलेंडर के अनुसार, चैत्र माह पहला महीना होता है। चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से हिंदू नववर्ष की शुरुआत के साथ चैत्र नवरात्रि की भी शुरुआत होती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, हर साल हिंदू नववर्ष के संचालन की कमान ग्रहों को दी जाती है।

जैसे वर्तमान हिंदू वर्ष में मंगल राजा और शनि मंत्री हैं। लेकिन, आगामी हिन्दू नववर्ष की सत्ता सूर्य ग्रह को मिलने जा रही है। हिंदू वर्ष की शुरुआत रविवार को होने के कारण इस बार राजा सूर्य होंगे।

वहीं समापन भी रविवार को होने के कारण मंत्री भी सूर्य ही होंगे। यह एक संयोग ही है जब हिंदू नववर्ष के राजा और मंत्री दोनों पदों पर सूर्य विराजमान हैं।

कब से शुरू हो रही है हिन्दू नव वर्ष

इस साल 30 मार्च से हिंदू नववर्ष की शुरुआत होने वाली है। जिस दिन हिंदू नव वर्ष की शुरुआत होने वाली है सूर्य और चंद्रमा दोनों मीन राशि में रहने वाले हैं।

वर्तमान में विक्रम संवत 2081 चल रहा है। वहीं, 30 मार्च से 2082 संवत्सर की शुरुआत हो जाएगी। इसका नाम कालयुक्त संवत्सर होगा। ग्रहों की नई सरकार के अन्य पदों की बात करें तो हिंदू नववर्ष में अन्न-धन, खनिज व धातु के स्वामी बुध होंगे। खाद्य पदार्थों के स्वामी मंगल होंगे।

किसानों को फायदा ज्योतिषाचार्य कहते हैं कि इस साल हिंदू नववर्ष की शुरुआत दिन रविवार रहने के कारण मंत्री और राजा दोनों सूर्य हैं। इस वजह से इस साल गर्मी की तपिश ज्यादा रहने वाली है। गर्मी ज्यादा होने के कारण वर्षा भी इस साल खूब होगी। इसका सीधा फायदा किसानों को मिलेगा। इस साल पैदावार भी खूब होगी।

राजनीतिक उथल-पुथल का माहौल

ज्योतिषाचार्य ने बताया, इस साल हिंदू नववर्ष का संवत्सर कालयुक्त होगा। साथ ही इस संवत्सर का मालिक सूर्य है, जो क्रूरक ग्रह भी है। इसका प्रभाव मानव जीवन पर नकारात्मक भी पड़ेगा। ज्यादातर लोगों में गुस्सा हावी रहेगा,आपसी मतभेद होंगे, राजनीतिक उथल-पुथल मचेगी, लोगों के जीवन में संघर्ष बढ़ सकता है।

शनि के उपाय से साढ़ेसाती से छुटकारा

शनि का प्रभाव हर व्यक्ति के जीवन में कुछ न कुछ बदलाव लाता है। खासकर जब शनि अपनी साढ़ेसाती की अवधि में होता है, तो इसके प्रभाव से व्यक्ति को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। इन समस्याओं से उबरने के लिए सही उपाय अपनाना जरूरी है। शनि को न्याय का देवता माना जाता है और उनका प्रभाव हमारे कर्मों के आधार पर होता है। जब शनि के दुष्प्रभाव का सामना करना पड़ता है, तो जीवन में आर्थिक संकट, पारिवारिक तनाव, शारीरिक समस्या और मानसिक अशांति जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। ऐसे में यदि शनि की साढ़ेसाती के दौरान कुछ खास उपाय किए जाएं, तो शनि की कड़ी दृष्टि से मुक्ति मिल सकती है और शनिदेव की कृपा प्राप्त की जा सकती है।

चना और जल का उपाय

हर शुक्रवार रात को चना पानी में भिगोकर रखें और शनिवार के दिन उसे साथ में हल्दी, लोहे का टुकड़ा और जला हुआ कोयला एक काले कपड़े में बांधकर,

उस कपड़े को ऐसे जल में प्रवाहित करें, जिसमें मछलियां हों। इस उपाय को एक साल तक लगातार करने से शनि की कुदृष्टि से राहत मिल सकती है।

काली गाय की पूजा करें

शनिवार के दिन काली गाय की पूजा करना शनि के प्रभाव को कम करने का एक प्रभावी तरीका माना जाता है। गाय के माथे पर तिलक करके उसकी पूजा करें, फिर उसे लड्डू खिलाकर उसकी परिक्रमा करें। यह उपाय शनि के कुप्रभाव को कम करने में मदद करता है और शनिदेव की कृपा प्राप्त करने का मार्ग खोलता है।

पीपल के पेड़ में दीपक लगाएं

शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए पीपल के पेड़ में सरसों के तेल का दीपक लगाना बेहद शुभ माना जाता है। यह उपाय शनिवार को सूर्यास्त के समय करें और पीपल के पेड़ के चारों ओर सात परिक्रमा करें। इससे शनिदेव प्रसन्न होते हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है।

43 दिनों तक तेल अर्पित करें

शनि के कुप्रभाव से बचने और शनिदेव की कृपा प्राप्त करने के लिए 43 दिनों तक शनिदेव के मंदिर में जाकर उनके चरणों में तेल अर्पित करें। यह उपाय शनिवार से शुरू करें, ताकि शनि की साढ़ेसाती के कड़े प्रभाव से बचा जा सके।

रावण ने की थी यूपी में मंशा देवी मंदिर की स्थापना, नवरात्रि में लगती है श्रद्धालुओं की भीड़

यूपी के बागपत जनपद के बड़ागांव में मां मंशा देवी मंदिर एक चमत्कारी धाम है। इस मंदिर में पूजा अर्चना करने के लिए सैकड़ों किलोमीटर दूर से भक्त दर्शन करने पहुंचते हैं। यहां भक्तों की मांगी गई हर मुराद पूरी होती है। इस मंदिर की स्थापना रावण द्वारा की गई थी। यह धाम भक्तों की आस्था का बड़ा केंद्र बन चुका है।

मंदिर को लेकर ग्रामीण ने बताया

बागपत जिला मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर की दूरी पर बड़ागांव स्थित है। बड़ागांव में मां मंशा देवी मंदिर है। इस मंदिर के बारे में ग्रामीण दुष्यंत त्यागी ने बताया कि शक्ति के रूप में हिमालय पर्वत से रावण शक्ति के रूप में माता को लेकर लंका जा रहा था। वरदान था कि जहां भी शक्ति के रूप में माता को जमीन पर रखेगा। वहीं, मंदिर की स्थापना करनी होगी।

रावण ने की थी मंदिर की स्थापना

वहीं, बड़ागांव के रास्ते में एक ग्वाला गाय चरा रहा था। रावण ने शक्ति के रूप में माता को दिया और कुछ देर में आकर वापस लेने की बात कही और कहा कि इस मूर्ति को नीचे नहीं रखना है। कहा जाता है कि जब रावण वापस लौटा तो ग्वाला उसे नीचे रख चुका था। साथ ही अपने कार्य में लगा हुआ था। रावण ने काफी प्रयास किया, लेकिन मूर्ति नहीं उठ सकी। इसके बाद इस मंदिर की स्थापना रावण द्वारा की गई।

नवरात्रि में देश भर से आते है श्रद्धालु

इस गांव का नाम भी रावण उर्फ बड़ागांव इसी मान्यता की वजह से रखा गया है। इस मंदिर में लोग दूर-दूर से पहुंचकर पूजा अर्चना करने के लिए आते हैं। यहां मांगी गई भक्तों की हर मुराद पूरी होती है।

यहां नवरात्रि में विशेष पूजा पाठ का आयोजन किया जाता है। जहां हजारों की संख्या में लोग पहुंचकर मां मंशा देवी का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

यहां हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, बंगाल, मुंबई सहित देश के अलग-अलग हिस्से से लोग पहुंचकर पूजा अर्चना करते हैं।

सेक्रेड गेम्स एक्ट्रेस एलनाज को मिली धमकी

प्राइवेट फोटोज भेजकर ब्लैकमेलर ने लिखा, रिप्लाई नहीं दिया तो लीक कर दूंगा, साइबर सेल से ली मदद

सेक्रेड गेम्स, तेहरान, जुग जुग जियो जैसी सीरीज और फिल्मों में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस एलनाज नोरौजी को हाल ही में उनकी प्राइवेट फोटोज लीक करने की धमकी मिली थी। मेल पर एक्ट्रेस को उनकी कुछ प्राइवेट फोटोज भी भेजी गई थीं, जिसके बाद उन्होंने साइबर सेल में इसकी शिकायत दर्ज करवाई है। इस मामले में स्विटजरलैंड से एक शख्स की गिरफ्तारी हुई है।

हाल ही में ई-टाइम्स को दिए इंटरव्यू में एलनाज नोरौजी ने बताया है कि दिक्कतें तब शुरू हुईं, जब उन्होंने जनवरी में अपना मेल ओपन किया। उस इमेल की सब्जेक्ट लाइन में उनके ई-मेल का पासवर्ड लिखा हुआ था, जिससे वो घबरा गईं। उस मेल में उनकी कुछ प्राइवेट तस्वीरों के साथ धमकी दी गई थी। लिखा गया था कि अगर वो मेल का जवाब नहीं देतीं तो उनकी तस्वीरें ऑनलाइन पोस्ट कर लीक कर दी जाएंगी।

एलनाज ने आगे बताया है कि मेल मिलते ही उन्होंने तुरंत साइबर क्राइम सेल में इसकी शिकायत दर्ज करवाई थी। साइबर सेल की जांच में सामने आया है कि वो मेल स्विट्जरलैंड के सर्वर से भेजा गया था।

लेकिन इससे जुड़े किसी शख्स की जानकारी सामने नहीं आ सकी है, क्योंकि सर्वर पर यूजर की इन्फॉर्मेशन नहीं है। वो अकाउंट बंद कर दिया गया है हालांकि एलनाज को अब भी डर है कि कहीं उन्होंने दोबारा मेल न आए।जांच के दौरान साइबर सेल द्वारा एलनाज से पूछा गया था कि क्या हाल-फिलहाल में उन्होंने किसी अनजान लिंक पर क्लिक किया है। इस पर एक्ट्रेस ने बताया कि कुछ दिनों पहले उनके पास एक मैसेज आया था, जिस पर दी गई लिंक पर उन्होंने क्लिक किया था।

साइबर सिक्योरिटी टीम ने इस पर साइबर सिक्योरिटी के लिए उनकी डिवाइस के पासवर्ड बदलकर रीसेट करवाया है।

एलनाज को है प्राइवेट फोटोज लीक होने का डर

बातचीत में एक्ट्रेस ने बताया है कि उन्हें लगातार डर है कि कहीं उनकी प्राइवेट फोटोज लीक न हो जाएं।

उन्हें लगता है कि उनसे प्राइवेसी छीन ली गई है। कोई हर वक्त उन पर नजर रख रहा है। एंग्जाइटी से निकलने के लिए वो थेरेपी भी ले रही हैं।

मेलबर्न कॉन्सर्ट में 3 घंटे देरी से पहुंचीं नेहा कक्कड़

मंच पर फूट-फूटकर रोने लगीं, माफी मांगने पर भी विरोधी नारे लगे, जमकर हुई कमेंटबाजी

नेहा कक्कड़ अपने कॉन्सर्ट के चलते विवादों में घिरती नजर आ रही हैं। हाल ही में सिंगर का मेलबर्न में कॉन्सर्ट हुआ था। कॉन्सर्ट की टाइमिंग साढ़े सात बजे की थी, लेकिन नेहा कक्कड़ एक या दो घंटे नहीं बल्कि पूरे ढ़ाई घंटे बाद रात 10 बजे मंच पर पहुंचीं। सिंगर की लेटलतीफी से उनका इंतजार कर रहे फैंस बुरी तरह भड़क गए और विरोधी नारे लगाने लगे। फैंस को भड़कता देख नेहा कक्कड़ मंच पर ही बुरी तरह रोने लगीं।

हाल ही में मेलबर्न कॉन्सर्ट का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में सिंगर नेहा कक्कड़ देरी से आने के लिए फूट-फूटकर रोते हुए फैंस से माफी मांगती नजर आ रही हैं। हालांकि गुस्साए फैंस लगातार उन पर तंज कसते हुए उन्हें ट्रोल कर रहे हैं। वीडियो में सुना जा सकता है कि एक लड़का चिल्लाकर कह रहा है, ये ऑस्ट्रेलिया है इंडिया नहीं है। वहीं एक ने कहा, वापस जाओ, होटल जाकर आराम करो। एक दर्शन ने तो उनके रोने पर भी कमेंट किया और कहा, ये इंडियन आइडल नहीं है।

वायरल हो रहे वीडियो में नेहा कक्कड़ फैंस से माफी मांग रही हैं। उन्होंने कहा है, आप लोग वाकई बहुत अच्छे हैं, आपने पेशेंस रखा। इतनी देर से आप लोग इंतजार कर रहे हैं, मुझे इससे नफरत है। मैंने जिंदगी में कभी किसी को इतना इंतजार नहीं करवाया। मुझे बहुत दुख है। ये मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं इस शाम को हमेशा याद रखूंगी। आप लोग मेरे लिए समय निकालकर आए हैं। मैं मेक श्योर करूंगी की आप सभी को नचाऊं।

लेटलतीफी के अलावा भी नेहा की परफॉर्मेंस पर सवाल उठाए जा रहे हैं। आरोप हैं कि नेहा कक्कड़ 10 बजे के करीब मंच पर पहुंचीं और एक घंटे से कम समय में चंद परफॉर्मेंस देकर वहां से निकल गईं। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर फैंस नाराजगी जाहिर कर रहे हैं।

कॉमेडियन समय रैना ने गलती स्वीकार की

बोले- भविष्य में सावधानी बरतेंगे, शो में पेरेंट्स-महिलाओं पर भद्दे कमेंट्स का मामला

स्टैंड अप कॉमेडियन और यूट्यूबर समय रैना ने इंडियाज गॉट लेटेंट शो से जुड़े मामले पर महाराष्ट्र साइबर सेल को दिए बयान में अपनी गलती स्वीकार कर ली है।

रैना ने कहा- 'शो के दौरान जो कुछ भी हुआ उसके लिए माफी मांगता हूं। भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न हो इसके लिए अतिरिक्त सावधानी रखूंगा।'

समय ने 8 फरवरी को अपने यूट्यूब चैनल पर शो का एक एपिसोड अपलोड किया था। जिसमें यूट्यूबर रणवीर अलाहबादिया ने पेरेंट्स और महिलाओं को लेकर भद्दी बातें कही थीं।

कॉमेडियन बोले- मेरी मानसिक सेहत पर बुरा असर पड़ा

सूत्रों के अनुसार, 'कॉमेडियन ने कहा कि शो के दौरान जो कुछ भी हुआ, वह फ्लो में हो गया। उनका वह कहने का कोई इरादा नहीं था।' इसके अलावा, कॉमेडियन ने कहा कि उनके शो को लेकर पूरे विवाद ने उनकी मानसिक सेहत पर बुरा असर डाला है।

एक सूत्र ने बताया, 'समय का कनाडा दौरा अच्छा नहीं रहा। विदेश से लौटने के बाद समय जांच एजेंसी के सामने पेश हुए और पांच घंटे से ज्यादा टाइम देकर तक अपना बयान दर्ज कराया। समय को इस मामले में तीन बार समन भेजा गया था।'

शो में पेरेंट्स-महिलाओं पर भद्दे कमेंट्स का मामला

स्टैंड-अप कॉमेडियन समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' पर विवाद हुआ। समय ने 8 फरवरी को अपने यूट्यूब चैनल पर शो का एक एपिसोड अपलोड किया था। जिसमें यूट्यूबर रणवीर अलाहबादिया ने पेरेंट्स और महिलाओं को लेकर भद्दी बातें कही थीं।

एपिसोड के सामने आते ही शो और इससे जुड़े लोगों की जमकर आलोचना होने लगी। रणवीर पर महाराष्ट्र, असम समेत कई जगहों पर एफआईआर दर्ज की गई। साथ ही समय के अलावा इस शो के उन 30 गेस्ट के खिलाफ भी केस दर्ज हुआ, जिन्होंने पहले एपिसोड से अब तक के शो में हिस्सा लिया था।

समय रैना के इस शो के हर एपिसोड को यूट्यूब पर औसतन 20 मिलियन (2 करोड़) से ज्यादा व्यूज मिलते थे। समय और बलराज घई को छोड़कर इस शो के हर एपिसोड में जज बदलते रहते थे। हर एपिसोड में नए कंटेस्टेंट को परफॉर्म करने का मौका मिलता था।

कंटेस्टेंट को अपना टैलेंट दिखाने के लिए 90 सेकेंड दिए जाते थे। अब इस शो के सभी वीडियोज रिमूव कर दिए गए हैं।

पवन कल्याण की दो टूक- मेरा कोई दूसरा बिजनेस नहीं

जब तक पैसों की जरूरत है, मैं फिल्में करता रहूंगा

एक ओर जहां थलपति विजय ने राजनीति में एंट्री के साथ ही फिल्मों से संन्यास लेने की बात कह दी है, वहीं आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और सुपरस्टार पवन कल्याण ने इस बारे में दो टूक राय दी है। फैंस के 'सरदार गब्बर सिंह' ने साफ शब्दों में कहा है कि वह एक्टिंग और पॉलिटिक्स दोनों करियर को एकसाथ जारी रखेंगे। उन्होंने मजेदार अंदाज में कहा है कि जब तक उन्हें 'पैसे की जरूरत है' तब तक वह फिल्में करते रहेंगे।

'थांथी टीवी' से बात करते हुए पवन कल्याण ने बताया कि वह हमेशा से आम लोगों के लिए काम करना चाहते थे। लेकिन इसके साथ ही उन्हें पैसे कमाने की भी जरूरत है, इसलिए जब तक उन्हें पैसों की जरूरत है, तब तक वह फल्में करते रहेंगे।

पवन कल्याण की जनसेना पार्टी ने आंध्र प्रदेश में तेलुगु देशम पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन किया है और चुनाव में सभी सीटों पर जीत हासिल की। पवन कल्याण ने इंटरव्यू में आगे कहा, 'मैंने हेनरी डेविड थोरो, योगियों या सिद्धों से बहुत प्रेरणा ली है। आप निस्वार्थ भाव से कुछ करते हैं और लोगों के लिए काम करते हैं... यही मैंने सोचा था। मैंने कभी धन इकट्ठा नहीं किया...मैंने कभी कोई बिजनस शुरू नहीं किया, जिसमें फिल्म निर्माण भी शामिल है। मेरी एकमात्र आय का स्रोत सिनेमा है।' एक्टर की अपकमिंग फिल्म 'हरि हर वीरा मल्लू' है। उन्होंने कहा, 'मैंने फल्मिों के लिए प्रतिबद्धता जताई है, इसलिए अब मुझे न्याय करना है।'

जब उनसे पूछा गया कि वह 'कुछ पल के अभिनेता' या 'कुछ पल के राजनेता' होने के आरोपों पर क्या कहेंगे, तो पवन ने बताया, 'बहुत से नेताओं के पास अपने व्यवसाय हैं। अगर वे ऐसा कर सकते हैं और राजनीति में भी अच्छा कर सकते हैं, तो मैं भी कर सकता हूं।' पवन कल्याण ने आगे कहा, 'दोनों काम करने के लिए आपको एक भावुक अभिनेता और एक भावुक राजनीतिक नेता होना चाहिए।

अल्लू अर्जुन-त्रिविक्रम की फिल्म पर आई ऐसी जानकारी

जानकर फैंस हो जाएंगे खुश

'पुष्पा 2' की शानदार सफलता के बाद अल्लू अर्जुन के फैंस उनकी अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पहले खबर थी कि अल्लू अर्जुन मशहूर निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास के साथ एक फिल्म करने वाले हैं। हालांकि, अब ऐसा लगता है कि अभिनेता ने त्रिविक्रम से पहले निर्देशक एटली के साथ काम करने का मन बना लिया है। कहा जा रहा है कि त्रिविक्रम के साथ उनकी फिल्म बंद तो नहीं हुई पर इसे शुरू होने में थोड़ा समय लग सकता है। यह बड़ी फिल्म हारिका और हसीन क्रिएशंस के बैनर तले बनेगी। इसके मालिक नागा वामसी के चाचा एस राधा कृष्ण हैं।

हाल ही में अपनी फिल्म 'मैड स्क्वायर' के प्रमोशन के दौरान नागा वामसी ने इस प्रोजेक्ट के बारे में खुलकर बात की। गलाटा से बातचीत में उन्होंने कहा, मुझे समझ नहीं आता कि तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री ने पौराणिक फिल्में बनाना क्यों बंद कर दिया? अल्लू अर्जुन सर और त्रिविक्रम सर के साथ हमारी फिल्म एक पौराणिक कहानी पर आधारित होगी, जो पूरे भारत को अपनी भव्यता से हैरान कर देगी। नागा वामसी ने आगे कहा, मैं नहीं जानता कि मुझे यह बताना चाहिए या नहीं, लेकिन यह फिल्म रामायण या महाभारत पर आधारित नहीं होगी। हम एक ऐसी पौराणिक कहानी लेकर आ रहे हैं, जिसके बारे में लोग कम जानते हैं। लोगों ने उस देवता का नाम तो सुना होगा, लेकिन उनकी जिंदगी में क्या हुआ, यह किसी को नहीं पता। हम उस कहानी को बड़े पर्दे पर भव्य तरीके से दिखाएंगे। गौरतलब है कि हाल ही में अल्लू अर्जुन 'पुष्पा 2' में नजर आए थे। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की थी। केवल भारत में ही फिल्म ने टिकट खिड़की पर 1234.1 करोड़ रुपये का कारोबार कर डाला था। देश में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की सूची में यह फिल्म पहले स्थान पर है।

सोनू सूद की पत्नी का भयानक रोड एक्सीडेंट

कार के उड़े परखच्चे, सोनाली और भतीजे की हालत गंभीर, बहन को हल्की चोट

एक्टर सोनू सूद पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनकी पत्नी सोनाली सूद का भयंकर रोड एक्सीडेंट हुआ है। बताया जा रहा है कि हादसा नागपुर हाईवे पर हुआ और वह इस दौरान अकेले नहीं थी। बल्कि बहन और भतीजे भी साथ थे। इस घटना की तस्वीरें भी सामने आई हैं, जिसमें कार एकदम टूट-फूट चुकी है। उसके बोनट की चटनी बन चुकी है और शीशा भी चकनाचूर हो गया है।

सोनाली अपनी बहन और भतीजे के साथ कार में सफर कर रही थीं। जो कार चला रहा था, उसे भी बहुत चोट आई है। सोमवार, 24 मार्च की देर रात को हुई इस घटना में घायल सभी फिलहाल नागपुर के ही मैक्स अस्पताल में भर्ती हैं। वहां उनका इलाज चल रहा है।

सोनू सूद पत्नी के साथ नागपुर अस्पताल में मौजूद

सोर्स के हवाले से बताया गया है कि सोनू सूद को जैसे ही एक्सीडेंट की खबर मिली तो वह फौरन अपनी पत्नी सोनाली के पास पहुंचे। वह रात से ही नागपुर में हैं। एक्टर के स्पोक्सपर्सन ने इस खबर की पुष्टि की है कि सोनाली का एक्टर को हो गया है और एक्टर अभी इस बारे

में बात करने के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

सोनू सूद की पत्नी और भतीजे को ज्यादा चोट आई

अस्पताल के मेडिकल स्टाफ के मुताबिक, सोनाली और उनके भतीजे को अस्पताल की देखरेख में रखा गया है और 48-72 घंटों तक उनकी पूरी देखभाल की जाएगी। सोनाली की बहन को ज्यादा चोट नहीं आई है। हल्की चोट के साथ वह सुरक्षित हैं। ऐसे में अभी फैंस परेशान हं और चिंता में भी हैं कि एक्टर की बीवी की तबीयत कैसी है। हर कोई उनके जल्द ठीक होने की दुआ कर रहा है।

सोनू निगम पर लाइव शो में फेंके गए पत्थर और बोतल

बाल-बाल बचे सिंगर, बीच में रोक दी परफॉर्मेंस

म्यूजिक फेस्टिवल्स में फैंस का भड़कना कोई नई बात नहीं है। लेकिन कई बार ये घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से हिंसक हो जाती हैं, जिसमें कोई भी चोटिल हो सकता है। एक ऐसी ही घटना का सामना सोनू निगम को करना पड़ा है, जब एक कॉन्सर्ट के दौरान दर्शकों की नाराज भीड़ ने उन पर बोलत और पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। हालांकि, खुशकिस्मती रही कि सिंगर को चोट नहीं लगी। इस घटना के कई वीडियोज वायरल हो रहे हैं, जिसमें वह दर्शकों को शांत करवाते हुए दिख रहे हैं।

यह घटना रविवार को दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी (डीटीयू) के 'इंजीफेस्ट 2025' की है। सोनू निगम को इस फेस्टविल में परफॉर्म करना था। जब सिंगर स्टेज पर पहुंचे तो भीड़ के एक हिस्से ने मंच पर पत्थर और बोतलें फेंकनी शुरू कर दीं। यह

देखते ही निगम ने अपनी परफॉर्मेंस बीच में ही रोक दी। इस दौरान वहां करीब एक लाख से अधिक छात्र मौजूद थे।

सोनू निगम ने भड़की छात्रों की भीड़ को शांत करवाने की कोशिश की। उन्होंने विनती करते हुए दर्शकों से कहा, 'मैं आपके लिए आया हूं यहां पे, ताकि हम सब अच्छा समय बिता सकें। मैं आपसे यह नहीं कह रहा कि आप आनंद न लें, लेकिन कृपया ऐसा न करें।' सोनू ने मंच से यह भी कहा कि उनकी टीम के सदस्य चोटिल हो रहे हैं। कार्यक्रम के एक वायरल वीडियो में दिखाया गया है कि शुरुआत में सोनू निगम की ओर भीड़ ने छोटी-मोटी चीजें फेंकी तो सिंगर ने कुछ नहीं कहा। वह वीडियो क्लिप में इस पर हंसते-मुस्कुराते नजर आए। इस दौरान एक दर्शक ने उनकी ओर एक गुलाबी रंग का हेडबैंड भी फेंका, जिसे वह 'तुमसे मिलके दिल का जो हाल' गाना गाते वक्त पहने हुए नजर आए।

हालांकि, भीड़ क्यों भड़की, इसको लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है। समझा जा रहा है कि यूनिवर्सिटी के छात्रों ने मस्ती और उमंग में इसकी शुरुआत की थी, जो बाद के भयावह हो गई। इस बारे में फिलहाल कोई सटीक जानकारी नहीं मिल पाई है।

कंगना रनौत ने कुणाल कामरा को लगाई फटकार

कहा- कौन हैं ये लोग, 2 मिनट के फेम के लिए किसी को भी गाली दे रहे

एक्ट्रेस कंगना रनौत ने मंगलवार को उस विवाद पर कमेंट किया जो कॉमेडियन कुणाल कामरा ने हाल ही में किया है। कुणाल द्वारा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बारे में मजाक करने के बाद विवाद पैदा हो गया। कंगना रनौत ने कुणाल कामरा को फटकार लगाई है। इससे उनके जख्म भी हरे हो गए हैं क्योंकि जब बीएमसी ने उनका ऑफिस तोड़ा था तो कुणाल ने इसका भी मजाक बनाया था। इस बारे में बात करते हुए समाचार एजेंसी एएनआई से कहा, 'वो मेरा मजाक उड़ा रहे थे, मेरे साथ जो हुआ था वो गैरकानूनी था, इनके साथ जो हुआ कानूनी तरीके से हुआ। आप कोई भी हो, किसी का अपमान करना... एक इंसान के लिए उसकी इज्जत ही सब कुछ है चाहे आप सरकार देखिए या सत्ता देखिए।' उन्होंने आगे कहा, 'आप

कॉमेडी के नाम पर उनकी इज्जत उछाल रहे हैं। उनकी बुराई कर रहे हैं। उनके काम को नजरअंदाज कर रहे हैं। शिंदे जी कभी किसी जमाने में रिक्शा चलाते थे। आज वो अपने दम पर हैं? इनके खुद के क्या प्रमाण हैं? कौन हैं ये लोग जो जिंदगी में कुछ कर नहीं पाए। मैं कहती हूं कि अगर वो कुछ लिख सकें तो। ये साहित्य में कुछ क्यों नहीं लिखते हैं? कॉमेडी के नाम पर गाली गलोच करते हैं।'

कंगना ने कहा, 'कॉमेडी के नाम पर हमारे ग्रंथों का मजाक बनाना, लोगों का मजाक उड़ाना, माताओं बहनों का मजाक उड़ाना, ये इन्फ्लुएंसर्स कह रहे हैं खुद को, मैं कहती हूं कि हमारा समाज कहां जा रहा है। 2 मिनट के फेम के लिए कहां जा रहा है समाज। मेरे साथ जो हुआ गैर कानूनी था लेकिन इन्होंने जो किया इनके साथ लीगल काम हुआ है।'

इस विवाद के सामने आने के बाद कामरा का एक पुराना वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसने आग में घी डालने का काम किया है।

यह क्लिप उनके टॉक शो 'शट अप या कुणाल' का है, जिसमें वे शिवसेना नेता संजय राउत के साथ दिखाई दिए थे। यह एपिसोड 2020 में रिकॉर्ड किया गया था, जब बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने कंगना रनौत के बांद्रा स्थित बंगले को ध्वस्त कर दिया था। शो के दौरान कुणाल कामरा ने कंगना के ऑफिस को तोड़ने की बात का सपोर्ट किया और यहां तक कि टॉय बुलडोजर और संजय राउत के साथ पोज भी दिया था, जो कंगना का मजाक उड़ा रहे थे।

फ्रिज है तो बरतें ये सावधानियां

कंप्रेसर ब्लास्ट से हो सकती है मौत, इसे कैसे रखें सुरक्षित

हाल ही में राजस्थान के सिरोही जिले में रेफ्रिजरेटर (फ्रिज) में ब्लास्ट होने से एक युवक की मौत हो गई। यह घटना तब हुई, जब युवक फ्रिज से सामान निकाल रहा था। इसी दौरान अचानक तेज आवाज के साथ कंप्रेसर में विस्फोट हो गया। गर्मी के मौसम में टेम्परेचर बढ़ने के कारण ऐसी घटनाएं अक्सर देखने व सुनने को मिलती हैं। इसलिए इस मौसम में फ्रिज का इस्तेमाल करते समय कुछ अतिरिक्त सावधानियां बरतनी चाहिए। पावर इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर शशिकांत उपाध्याय बताते हैं कि फ्रिज कोई गैस सिलेंडर नहीं है, जो ब्लास्ट हो। अधिकांश मामलों में फ्रिज के कंप्रेसर में ब्लास्ट होता है, जो महज उसका एक पार्ट है। राजस्थान की घटना में भी फ्रिज के कंप्रेसर में ही ब्लास्ट हुआ था। गर्मियों में फ्रिज में ब्लास्ट होने की घटनाएं बढ़ने का मुख्य कारण कंप्रेसर का बहुत ज्यादा गर्म होना है। अगर पावर सप्लाई तेज है तो कंप्रेसर पर दबाव बढ़ जाता है और वह ओवरहीट हो जाता है। इसके कारण कंप्रेसर में ब्लास्ट हो सकता है। इसके अलावा फ्रिज में ब्लास्ट होने के कुछ और भी कारण हैं। कंप्रेसर फ्रिज के पिछले हिस्से में होता है। इसमें एक पंप और मोटर लगी होती है। यह मोटर पंप के जरिए रेफ्रिजरेंट गैस को कॉइल्स में भेजती है, जिससे फ्रिज ठंडा रहता है। जब फ्रिज कई घंटों या दिनों तक लगातार चलता है तो कंप्रेसर पर

दबाव बढ़ता है और वह गर्म हो जाता है। इससे कॉइल्स सिकुड़ने लगती हैं। ऐसे में रेफ्रिजरेंट गैस में रुकावट आने से इसमें विस्फोट हो सकता है। फ्रिज का कंप्रेसर ओवरहीट होने के कई और कारण हैं। फ्रिज को ठंडा रखने के लिए रेफ्रिजिरेंट गैस का इस्तेमाल होता है। इनमें मुख्य रूप से आर-22 क लो रो फ लो रो का ब र्न (सी ए फ सी), आ र 1 3 4 ए हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (एचएफसी) और आर600ए आइसोब्यूटेन गैस का इस्तेमाल किया जाता है, जो ज्वलनशील होती हैं। ये गैस लीक होने पर विस्फोट हो सकता है। अगर फ्रिज के कंप्रेसर से ज्यादा आवाज आ रही है तो इसका मतलब है कि या तो कंप्रेसर खराब हो गया है या फिर कोई और प्रॉब्लम है। कई बार कंप्रेसर की मोटर में खराबी होने से आवाज आने लगती है। ओवर हीटिंग के कारण कंप्रेसर पर अतिरिक्त दबाव पड़ने से भी आवाज हो सकती है। फ्रिज में रेफ्रिजिरेंट गैस कम होने या उसका प्रेशर कम होने से भी ज्यादा आवाज आती है। कभी-कभी कंप्रेसर के आसपास के हिस्से ढीले हो जाते हैं। इससे वाइब्रेशन और आवाज हो सकती है।

कुल मिलाकर अगर कंप्रेसर से ज्यादा आवाज आ रही हो तो इसे बिल्कुल भी नजरअंदाज न करें। तुरंत टेक्नीशियन से संपर्क करें, ताकि किसी बड़ी समस्या से बचा जा सके। गर्मियों में फ्रिज का सही तापमान सेट करना बहुत जरूरी है, ताकि कंप्रेसर पर अतिरिक्त दबाव न पड़े और ब्लास्ट का खतरा कम हो। गर्मी में फ्रिज का तापमान 3सी से 5सी के बीच रखना बेहतर है। फ्रीजर का तापमान -18 डिग्री सेल्सियस या उससे कम रखें। सही तापमान रखने से न केवल खाने-पीने की चीजों की सेल्फ लाइफ बढ़ती है, बल्कि कंप्रेसर और रेफ्रिजरेंट सिस्टम की कार्यक्षमता को भी बेहतर बनाता है।

शशिकांत उपाध्याय बताते हैं कि गर्मी में 24 घंटे फ्रिज चलाना आमतौर पर सुरक्षित है। लेकिन उसका टेम्परेचर बहुत कम नहीं होना चाहिए। साथ ही बिजली वोल्टेज मेंटेन रहना जरूरी है। इसके अलावा फ्रिज ऐसी जगह पर रखें, जहां पर्याप्त वेंटिलेशन हो। अगर दिन में एक दो बार 10-15 मिनट के लिए बंद कर दें तो ज्यादा बेहतर है। गर्मी के मौसम में वोल्टेज अक्सर ऊपर-नीचे होता है। इससे कंप्रेसर में ब्लास्ट होने का खतरा होता है। ऐसे में फ्यूज सिस्टम वोल्टेज का प्रोटेक्शन देता है। अगर वायरिंग में शॉर्ट सर्किट हो जाए तो फ्यूज इलेक्ट्रिक सप्लाई को तुरंत काट देता है। इससे फ्रिज में आग लगने का खतरा टल जाता है। इसके अलावा फ्रिज का कंप्रेसर लगातार चलने से ओवरहीट हो सकता है। फ्यूज सिस्टम इसे डिटेक्ट कर लेता है और फ्रिज को बंद कर देता है।

गैस लीक और स्पार्किंग की स्थिति में फ्यूज बिजली सप्लाई को बंद कर देता है। इससे ब्लास्ट होने का खतरा कम हो जाता है। इसलिए फ्रिज में फ्यूज सिस्टम होना बहुत जरूरी है। गर्मी में हर 2-3 हफ्ते में फ्रिज की सफाई जरूर करें। इससे फ्रिज से बदबू नहीं आएगी और कूलिंग भी ठीक बनी रहेगी। ध्यान रखें कि फ्रिज को हमेशा बंद करके ही अंदर से बर्फ और गंदगी साफ करें। गर्मी शुरू होने से पहले कंडेनसर और कॉइल की सफाई करें। साथ ही वाटर फिल्टर भी बदल दें। साल में कम-से-कम एक बार फ्रिज की सर्विसिंग जरूर कराएं। इसके अलावा साल में कम-से-कम दो बार फ्रीजर को डिफ्रॉस्ट करें और साफ करें।

वाटर फास्टिंग से 19 वर्षीय लड़की की मौत

केरल के कन्नूर जिले की 19 साल की एक लड़की ने एक ऑनलाइन पोर्टल से प्रभावित होकर वजन कम करने के लिए उपवास किया। वह वाटर फास्टिंग कर रही थी। उसने लगभग एक साल तक ठीक से भोजन नहीं किया। इसके कारण उसे ईटिंग डिसऑर्डर एनोरेक्सिया नर्वोसा हो गया। इससे उसका शरीर बहुत कमजोर हो गया था और शरीर के अंदर कई ऑर्गन्स भी डैमेज हो गए। इसलिए हॉस्पिटल में इलाज के बावजूद उसकी मौत हो गई। वजन कम करने के लिए उपवास एक सुंदर प्रक्रिया है, जिसे प्राचीन काल से देश-दुनिया के लोग अपना रहे हैं। अगर उपवास ठीक से किया जाए तो वजन कंट्रोल होने के साथ आत्मानुशासन आता है और मानसिक शांति भी मिलती है। हालांकि, किसी ऑनलाइन पोर्टल से प्रभावित होकर या किसी सोशल मीडिया का वीडियो देखकर ज्यादातर लंबे समय तक वाटर फास्टिंग जैसे तरीके आपको खतरे में डाल सकते हैं। वाटर फास्टिंग एक खास तरह का उपवास है, जिसमें व्यक्ति किसी भी तरह का भोजन नहीं करता है, सिर्फ पानी पीता है। लोग इसे वजन कम करने के लिए, बॉडी डिटॉक्स करने के लिए या किसी स्वास्थ्य समस्या से निपटने के लिए अपनाते हैं। हालांकि, कुछ लोग आध्यात्मिक या धार्मिक कारणों से भी इसे फॉलो करते हैं। आमतौर इसे 24 से 72 घंटे तक करने की सलाह दी जाती है। इससे ज्यादा समय तक वाटर फास्टिंग से पहले डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है क्योंकि इससे शरीर बहुत कमजोर हो सकता है।

वाटर फास्टिंग के दौरान भोजन का हर तरह से त्याग कर दिया जाता है। इससे हमारे शरीर में एक खास प्रक्रिया जन्म लेती है, जिसे 'ऑटोफेजी' कहते हैं। इस प्रक्रिया से शरीर में सबसे स्वस्थ कोशिकाएं शेष रह जाती हैं और हम पूरी तरह स्वस्थ हो जाते हैं। इस प्रक्रिया को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज में भी इस्तेमाल किया जाता है। वाटर फास्टिंग सबसे ज्यादा बॉडी डिटॉक्स करने में मदद करता है। पाचन से जुड़े सभी अंगों को आराम करने का मौका मिल जाता है। इसके अलावा यह वेट

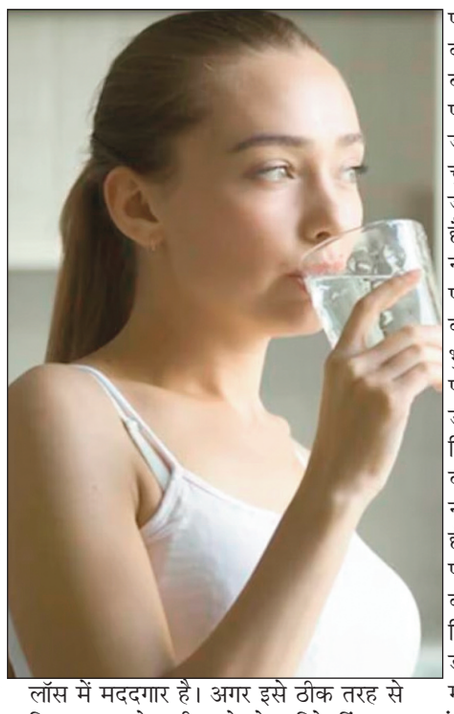

लॉस में मददगार है। अगर इसे ठीक तरह से किया जाए तो शरीर को सेल रिपेयरिंग का मौका मिल जाता है। इसके अलावा यह हार्ट हेल्थ के लिए भी लाभदायक है। डॉ. अंजलि तिवारी कहती हैं कि वाटर फास्टिंग का मतलब है कि उपवास के दौरान सिर्फ पानी पिया जा सकता है। इस दौरान कोई भी एनर्जी देने वाली चीज न खा सकते हैं और न ही पी सकते हैं। इसे सही तरीके से किया जाए तो बहुत फायदेमंद हो सकता है। जबकि, गलत तरीके से कई स्वास्थ्य समस्याएं भी हो सकती हैं। धीरे-धीरे भोजन कम करें: फास्ट शुरू करने से पहले बहुत भारी और ऑयली भोजन न करें। हल्की डाइट लें। हाइड्रेटेड रहें: फास्टिंग शुरू करने से एक-दो दिन पहले ही ट्रैक करें कि आप पर्याप्त पानी पी रहे हैं या नहीं, शरीर में पानी की कमी न होने दें। मानसिक रूप से तैयार रहें: लंबे समय तक फास्टिंग से पहले खुद को मानसिक रूप से तैयार करें ताकि कमजोरी महसूस न हो। अगर पहली बार वाटर फास्टिंग कर रहे हैं तो 12-24 घंटे तक ही करें। बाद में धीरे-धीरे इसे 48-72 घंटे तक बढ़ा सकते हैं। 72 घंटे से ज्यादा लंबी फास्टिंग से पहले डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। वाटर फास्टिंग के लिए ऐसा दिन चुनें, जब शरीर को बहुत ज्यादा ऊर्जा की जरूरत न हो। छुट्टी का दिन अच्छा विकल्प है। उपवास तोड़ते समय फल, सूप, नारियल पानी या दलिया जैसे हल्के और पचने में आसान फूड्स डाइट में शामिल करें। उपवास के बाद अचानक बहुत तला-भुना, मसालेदार या भारी भोजन खाने से पाचन में परेशानी हो सकती है। इससे बचें। उपवास के बाद कम-से-कम अगले 1-2 दिन तक हल्का और संतुलित भोजन करें। वाटर फास्टिंग हर किसी के लिए सुरक्षित नहीं है। इससे कुछ लोगों को बहुत नुकसान हो सकता है। इसलिए इन लोगों को वाटर फास्टिंग अवॉइड करनी चाहिए- जो बहुत कमजोर हैं या जिनका वजन बहुत कम है। जिन्हें हार्ट से जुड़ी कोई समस्या है। जो डायबिटीज के पेशेंट हैं। जिन्हें अक्सर माइग्रेन की समस्या होती है। जो ब्लड ट्रांसफ्यूजन करा रहे हैं। जो नियमित रूप से कोई दवा खाते हैं। प्रेग्नेंट महिलाएं या जो ब्रेस्टफीडिंग करा रही हैं। आमतौर पर दिनभर में 2-3 लीटर पानी पीना सही माना जाता है। जरूरत से ज्यादा पानी पीने से इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन हो सकता है, जिससे कमजोरी महसूस हो सकती है। इस दौरान हल्की-फुल्की एक्सरसाइज जैसे योग या स्ट्रेचिंग किया जा सकता है। हालांकि, इंटेंस एक्सरसाइज से बचना चाहिए क्योंकि उपवास के दौरान शरीर में ऊर्जा की कमी हो सकती है। लेकिन इसके लिए संतुलित और सही तरीका अपनाना जरूरी है। इंटरमिटेंट फास्टिंग यानी 12-16 घंटे रोजाना किया जा सकता है। हफ्ते में 1-2 बार 24 घंटे की वाटर फास्टिंग कर सकते हैं। अगर लंबी फास्टिंग यानी 48-72 घंटे की फास्टिंग कर रहे हैं तो महीने में एक बार ही काफी है। हालांकि, इससे पहले डॉक्टर से जरूर कंसल्ट करें।

पार्टनर अगर चीटिंग करे तो क्या करें

बातचीत से मसला सुलझाएं या रिश्ता तोड़ दें

क्या आपके साथ कभी ऐसा हुआ है कि जिस व्यक्ति पर आपने आंख मूंदकर भरोसा किया, उसी ने आपका दिल तोड़ दिया? पार्टनर का धोखा देना किसी भी रिश्ते के लिए एक ऐसा गहरा घाव है, जो आसानी से नहीं भरता है। ऐसे में यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि क्या रिश्ते को दूसरा मौका देना चाहिए या नहीं। धोखा मिलने पर हम बुरी तरह टूट जाते हैं। इससे हमारे मन में में अनगिनत सवाल खड़े हो जाते हैं। यह एक ऐसा मुश्किल फैसला है जो हर किसी के लिए अलग होता है। कुछ लोग धोखा देने वाले पार्टनर को कभी माफ नहीं कर पाते, क्योंकि उनके लिए विश्वासघात एक ऐसी रेखा है जिसे पार नहीं किया जा सकता।

वहीं, कुछ लोग रिश्ते को सुधारने और फिर से प्यार की नींव रखने की कोशिश करते हैं। वे मानते हैं कि हर किसी को दूसरा मौका मिलना चाहिए। हालांकि, इसके बावजूद हमारे मन में कई तरह के सवाल चलते रहते हैं।

धोखेबाजी की कोई एक परिभाषा नहीं है। हालांकि, आपका पार्टनर आपके साथ किसी तरह का विश्वासघात करता है, जिससे आपको भावनात्मक या शारीरिक रूप से ठेस पहुंचती है, तो यह धोखेबाजी है। अगर आपके पार्टनर ने आपको धोखा दिया है, तो यह फैसला सिर्फ आप ही ले सकते हैं कि आपको रिश्ते में रहना है या नहीं। साथ ही आपको यह भी तय करना है कि धोखे की परिभाषा क्या है?

यह हर रिश्ते के लिए अलग-अलग हो सकती है। कुछ लोगों के लिए, धोखा देना सिर्फ फिजिकल रिलेशन तक सीमित होता है, जबकि अन्य लोगों के लिए फिजिकल रिलेशन के अलावा भी कुछ बातें धोखेबाजी हो सकती हैं। आइए इसे ग्राफिक के जरिए समझते हैं। पार्टनर से छुपकर पोर्न देखना: पार्टनर से छुपकर पोर्न फिल्में देखना सिर्फ शारीरिक संतुष्टि की बात नहीं है, बल्कि भरोसे का टूटना है। जब पार्टनर को पता चलता है कि दूसरा व्यक्ति छुपाकर पोर्न देख रहा है, तो उन्हें लग सकता है कि आप किसी और के साथ फैंटेसी में जी रहे हैं। इससे रिश्ते में दूरी और अविश्वास पैदा होता है। यह भावनात्मक रूप से धोखा देने जैसा है। एक्स से बात करना पुराने रिश्तों की याद दिलाता है और नए रिश्ते में असुरक्षा पैदा करता है। जब पार्टनर को पता चलता है, तो उन्हें लगता है कि उनकी जगह कोई और ले रहा है। किसी दूसरे के साथ इमोशनल रिलेशन रखना: यह शारीरिक धोखे से भी ज्यादा तकलीफ दे सकता है। जब पार्टनर को पता चलता है कि उनका साथी किसी और के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ा है, तो उन्हें लगता है कि उनका रिश्ता खोखला है। इससे विश्वासघात और अकेलापन महसूस होता है। यह स्पष्ट रूप से संकेत देता है कि आप रिश्ते से संतुष्ट नहीं है। यह भरोसे का टूटना है और रिश्ते में असुरक्षा पैदा करता है। पार्टनर को दूसरा मौका देना या न देना पूरी तरह से आपकी व्यक्तिगत स्थिति, भावनाओं और विश्वास पर निर्भर करता है। यह एक कठिन फैसला है और इसे लेने से पहले कुछ महत्वपूर्ण बातों पर विचार करना चाहिए।

हर साल टीबी से 3.20 लाख भारतीयों की मौत

खांसी से थकान तक हैं लक्षण; समय पर इलाज है जरूरी

आज दुनियाभर में वर्ल्ड ट्यूबरकुलोसिस डे यानी विश्व क्षयरोग दिवस मनाया जा रहा है। भारत दुनिया में सबसे अधिक ट्यूबरकुलोसिस (टीबी) प्रभावित देशों में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, भारत में हर तीन मिनट में दो लोगों की मौत टीबी के कारण होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2025 तक भारत को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य रखा है, जो वैश्विक लक्ष्य (2030) से पांच साल पहले का है। इसे लेकर भारत सरकार द्वारा कई अभियान चलाए जा रहे हैं। हालांकि उचित देखभाल और समय पर इलाज के साथ, टीबी के खिलाफ लड़ाई जीती जा सकती है। डब्ल्यूएचओ की 'ग्लोबल ट्यूबरकुलोसिस रिपोर्ट 2024' के अनुसार, 2015 से 2023 के बीच भारत में टीबी मामलों में 17.7% की गिरावट दर्ज की गई है, जो वैश्विक औसत 8.3% की तुलना में दोगुनी से भी अधिक है। ट्यूबरकुलोसिस (टीबी) एक संक्रामक बैक्टीरियल बीमारी है, जो माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक बैक्टीरिया के कारण होती है। आमतौर पर यह बीमारी फेफड़ों को प्रभावित करती है। हालांकि यह शरीर के अन्य हिस्सों को भी प्रभावित कर सकती है। टीबी पीड़ित मरीज के बोलने, खांसने या छींकने के दौरान मुंह या नाक से निकलने वाली ड्रॉपलेट्स से स्वस्थ व्यक्ति भी संक्रमित हो सकता है। टीबी भारत में सबसे गंभीर और घातक संक्रामक बीमारियों में से एक है। दुनिया के कुल टीबी मामलों का लगभग 26% भारत में हैं। नीचे दिए ग्राफिक से समझिए कि पिछले 5 सालों में टीबी के मरीजों की संख्या में कितना बदलाव आया है। पल्मोनरी टीबी: इसे फेफड़ों की टीबी भी कहा जाता है। टीबी के 70 से 75% मरीजों में यही होती है। इसके मुख्य लक्षण खांसी आना, बलगम आना, बलगम में खून आना, सीने में दर्द, थकान कमजोरी या बुखार आना हैं। एक्सट्रापल्मोनरी टीबी: यह फेफड़ों के अलावा किसी अन्य अंग को प्रभावित कर सकती है। यह जिस अंग को प्रभावित करती है, उसके अनुसार लक्षण हो सकते हैं। जैसे ब्रेन टीबी में पीड़ित को सिरदर्द या चक्कर आने की समस्या हो सकती है। वहीं रीढ़ की हड्डी की टीबी में लगातार पीठ दर्द की समस्या हो सकती है। इसके 20 से 25% मामले सामने आते हैं। जिन लोगों को डायबिटीज, एड्स जैसी पुरानी बीमारियां हैं या जिन लोगों की इम्यूनिटी कमजोर है, उनमें टीबी होने का खतरा अधिक होता है। इसके अलावा टीबी पीड़ित व्यक्ति के खांसने या छींकने से भी फैल सकता है, जब कोई अन्य व्यक्ति अपने आस-पास से इसे सांस लेता है, तो वे भी टीबी से संक्रमित हो जाते हैं। अगर समय रहते टीबी की पहचान और इलाज न किया जाए तो यह गंभीर और जानलेवा हो सकता है। टीबी एक संक्रामक बीमारी है, जो हवा के जरिए फैलती है। इससे बचाव के लिए लोगों को न केवल स्वच्छता और हेल्दी लाइफस्टाइल अपनानी चाहिए, बल्कि इसके लक्षणों और इलाज के प्रति जागरूक रहना भी बेहद जरूरी है। समय पर टीकाकरण, संतुलित आहार, मास्क का उपयोग और टीबी मरीज से दूरी बनाए रखना, संक्रमण के खतरे को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा, अगर किसी को टीबी हो जाए तो डॉक्टर की सलाह के अनुसार पूरा इलाज करना अनिवार्य है। अधूरा इलाज न केवल मरीज के लिए खतरनाक होता है, बल्कि यह बीमारी को और भी घातक बना सकता है।

मोटापा कम करने को लेकर जगी नई उम्मीद

भारत में लॉन्च हुई वेट-लॉस ड्रग मौन्जारो; 2.5 एमजी इंजेक्शन 3,500 रुपए में, जानें साइड इफेक्ट्स

मोटापा कम करने वाली और एंटी-डायबिटिक दवा मौन्जारो भारत में लॉन्च हो गई है। इसे भारत के केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ से मंजूरी मिल गई है। इसे अमेरिकी दवा कंपनी एली लिली एंड कंपनी ने लॉन्च किया है। मौन्जारो वेट लॉस से जुड़े कमाल के फायदों के लिए जानी जाती है, लेकिन ऐसी ही कई मोटापे कम करने वाली दवाओं को लेकर लंबे समय से विवाद है कि दवा खाकर मोटापा कम करना कितना ठीक है। वेट लॉस दवाओं के साइड इफेक्ट्स को लेकर देश-दुनिया के कई बड़े डॉक्टर्स चिंता जता चुके हैं। इसके बावजूद दुनिया के सबसे अमीर शख्स और टेस्ला के सीईओ इलॉन मस्क इसकी वकालत कर चुके हैं। चेल्सी हैंडलर और ट्रेसी मोर्गन सरीखे कई हॉलीवुड स्टार्स भी इस बात को भरे मंच से स्वीकार भी कर चुके हैं कि वे वेट मैनेजमेंट के लिए वेट-लॉस ड्रग्स लेते हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 'मन की बात' रेडियो कार्यक्रम में भारत में बढ़ रहे मोटापे को लेकर चिंता

जताई थी। साल 2021 में भारत सरकार द्वारा किए गए नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के मुताबिक, भारत के लगभग 23% पुरुषों और 24% महिलाओं का वजन सामान्य से ज्यादा है। इसका मतलब है कि भारत मोटापे के संकट से जूझ रहा है। यह मोटापा कई जानलेवा बीमारियों का कारण भी बन सकता है। ऐसे में सवाल बनता है कि क्या वेट-लॉस ड्रग मौन्जारो इस संकट को टाल सकती है। मौन्जारो एक दवा है, जिसे अमेरिकी फार्मा कंपनी एली लिली ने विकसित किया है। इसे टाइप-2 डायबिटीज और मोटापे के इलाज के लिए इस्तेमाल किया जाता है। डाइटीशियन जया ज्योत्सना कहती हैं कि जब हम खाना खाते हैं तो शरीर में जीएलपी-1 यानी ग्लूकागन-लाइक पेप्टाइड-1 और जीआईपी यानी ग्लूकोज-निर्भर इंसुलिनोट्रोपिक पॉलीपेप्टाइड नाम के दो हार्मोन सक्रिय हो जाते हैं। ये हार्मोन इंसुलिन लेवल को बढ़ाकर ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं और भूख को कम करके पेट भरा होने का एहसास दिलाते हैं। मौन्जारो इन दोनों हार्मोन्स की सिंथेटिक यानी कृत्रिम कॉपी है। इसे खाने पर यह इंसुलिन उत्पादन बढ़ाकर ब्लड शुगर कंट्रोल करती है और भूख को दबाती है, जिससे कम खाना खाने की इच्छा होती है। यही कारण है कि इसे वजन घटाने की दवा के रूप में भी इस्तेमाल किया जा रहा है। इस स्टडी में 2,539 ज्यादा वजन या मोटापे से ग्रस्त वयस्कों को शामिल किया गया। इन लोगों ने डाइट और एक्सरसाइज के साथ मौन्जारो लिया। इसका 72 हफ्तों में काफी वजन घट गया। इस स्टडी में मौन्जारो को अन्य डायबिटीज की दवाओं के साथ आजमाया गया। 40 हफ्तों तक किए गए क्लिनिकल टेस्ट में पता चला कि यह ब्लड शुगर (ए1सी) के लेवल को 2.4% तक कम करने में प्रभावी रही। इसका मतलब है कि मौन्जारो न केवल वजन कम करने में बल्कि डायबिटीज को नियंत्रित करने में भी मददगार है। मौन्जारो की शुरुआती खुराक 2.5 एमजी पर इसकी मासिक कीमत 14 हजार रुपये है। हफ्ते में एक खुराक यानी महीने में 4 खुराक लेनी होती हैं। डाइटीशियन जया ज्योत्सना कहते हैं कि वेट लॉस ड्रग मौन्जारो या ऐसी कसभी वेट लॉस दवाओं के कई साइड इफेक्ट हो सकते हैं। ये दवाएं हमें भूख का एहसास कराने वाले हॉर्मोन्स को संतुलित करती हैं, लेकिन ये हमारे मेटाबॉलिक रेट को धीमा करके पाचन को भी धीमा कर देती हैं। अब जबकि हमारे पेट में खाना इतनी देर से पचेगा तो भोजन करने की इच्छा ही नहीं होगी। लंबे समय तक ये दवाएं खाने से मेटाबॉलिज्म बुरी तरह प्रभावित हो सकता है और खतरनाक स्थिति पैदा हो सकती है। इन खतरों को लेकर देश-दुनिया के डॉक्टर्स कई बार आगाह कर चुके हैं।

पेरेंट्स-टीचर मीटिंग में पूछें ये सवाल

साइकोलॉजिस्ट से जानें पीटीएम में दोनों पेरेंट की हिस्सेदारी क्यों जरूरी

बच्चों की पढ़ाई और उनके फिजिकल, सोशल व इमोशनल ग्रोथ पर ध्यान देना हर पेरेंट्स की जिम्मेदारी होती है। इसे और बेहतर बनाने के लिए बच्चों के स्कूल में पेरेंट्स-टीचर मीटिंग (पीटीएम) रखी जाती है। ये मीटिंग पेरेंट्स के लिए बच्चे के टीचर्स से जुड़ने, उसकी एकेडमिक प्रोग्रेस के बारे में जानने और किसी भी चिंता या चुनौतियों पर चर्चा करने का एक शानदार मौका होता है। हालांकि कई बार पेरेंट्स यह नहीं समझ पाते कि उन्हें पीटीएम में टीचर्स से कौन से सवाल पूछने चाहिए, जिससे वे बच्चे की परफॉर्मेंस और प्रोग्रेस के बारे में सही जानकारी हासिल कर सकें। पेरेंट्स-टीचर मीटिंग की बच्चे की शिक्षा में एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इससे पेरेंट्स और टीचर्स को एक साथ आने और बच्चे की प्रोग्रेस पर चर्चा करने का मौका मिलता है। साथ ही पेरेंट्स और टीचर के बीच एक मजबूत कम्युनिकेशन चैनल स्थापित होता है। पीटीएम पेरेंट्स और टीचर के बीच बातचीत का एक जरिया है। इससे दोनों पक्ष बच्चे की शिक्षा से संबंधित विषयों पर चर्चा कर सकते हैं और एक-दूसरे के दृष्टिकोण को समझ सकते हैं। अगर बच्चे को लेकर पेरेंट्स की कोई चिंता है तो पीटीएम में पेरेंट्स-टीचर मिलकर इस समस्या का हल निकाल सकते हैं। इससे बच्चे को यह महसूस होता है कि घर और स्कूल दोनों ही उसकी पढ़ाई में पर्याप्त इंटरेस्ट रखते हैं। कुल

मिलाकर पीटीएम बच्चे की पढ़ाई और विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यह पेरेंट्स और टीचर को एक साथ मिलकर बच्चे की सफलता सुनिश्चित करने का बेहतरीन तरीका है। पीटीएम में क्या पूछना है और क्या नहीं पूछना है, यह जानना पेरेंट्स के अनुभव को बेहतर बना सकता है। पेरेंट्स-टीचर मीटिंग में शामिल होने के कई फायदे हैं, जो बच्चे की पढ़ाई और विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसमें पेरेंट्स को अपने बच्चे की एकेडमिक प्रोग्रेस के बारे में सही जानकारी मिलती है। उन्हें पता चलता है कि बच्चा किन विषयों में अच्छा कर रहा है और किस सब्जेक्ट में उसे मदद की जरूरत है। पेरेंट्स और टीचर मिलकर उसे बेहतर बनाने पर काम कर सकते हैं। पीटीएम में माता-पिता को बच्चे के सामाजिक और भावनात्मक विकास के बारे में भी जानकारी मिलती है।

ट्रंप के टैरिफ से पहले भारत का बड़ा कदम

1 अप्रैल से खत्म हो जाएगा यह टैक्स! अमेरिकी कंपनियों को होगा फायदा

नई दिल्ली,25 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल से भारत समेत कई देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। लेकिन उससे पहले भारत सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। सरकार ऑनलाइन विज्ञापन सेवाओं पर लगने वाले 6% की इक्वलाइजेशन लेवी को हटाने का प्रस्ताव कर रही है। यह लेवी गूगल और मेटा जैसी कंपनियों पर लगती है। इसे आमतौर पर 'गूगल टैक्स' के नाम से जाना जाता है। सरकार इसे 1 अप्रैल से हटाने की सोच रही है। यानी ट्रंप का टैरिफ लागू होने से एक दिन पहले इस टैक्स को हटाया जा सकता है।

माना जा रहा है कि यह कदम ट्रंप को खुश करने के लिए उठाया जा रहा है। ट्रंप ने धमकी दी थी कि अगर कोई देश अमेरिका की टेक कंपनियों पर डिजिटल टैक्स लगाएगा तो वह 2 अप्रैल से उन पर जवाबी शुल्क लगाएंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को संसद में वित्त विधेयक में 59 संशोधन पेश किए। यह प्रावधान उन्हीं संशोधनों में शामिल है। इक्वलाइजेशन लेवी को हटाने का प्रस्ताव भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की बातचीत के बीच आया है।

क्या होगा फायदा

भारत 2 अप्रैल से लागू होने वाले संभावित रेसिप्रोकल टैरिफ से बचना चाहती है। सरकार ने इन कंपनियों को इक्वलाइजेशन लेवी के बदले इनकम टैक्स कानून के तहत मिलने वाली छूट को भी हटाने का प्रस्ताव किया है। ईवाई के सीनियर एडवाइजर सुधीर कापड़िया ने कहा कि इक्वलाइजेशन लेवी को हटाना भारत सरकार का एक अच्छा कदम है क्योंकि इससे ज्यादा कमाई नहीं हो रही थी और साथ ही यह अमेरिकी प्रशासन के लिए एक खतरे की घंटी साबित हो रहा था।

इसी तरह नांगिया एंडरसन एलएलपी के पार्टनर विश्वास पांजर ने कहा कि यह फैसला न केवल टैक्सपेयर्स के लिए निश्चितता लाता है, बल्कि उन देशों की चिंताओं को भी दूर करता है जो लेवी पर सवाल उठाते रहे हैं। वित्त अधिनियम 2016 में विदेशी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर विज्ञापनों पर यह लेवी लगाई गई थी। 2020 में इस लेवी का दायरा बढ़ाया गया और इसे 2% की दर से सभी ई-कॉमर्स कंपनियों पर लागू किया गया।

इक्वलाइजेशन लेवी से कलेक्शन

यह उन कंपनियों पर लागू था जो भारतीय संस्थाओं के साथ प्रति वर्ष 2 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार करती थीं।

अमेरिका के साथ जवाबी शुल्क और एक वैश्विक कर समझौते पर सहमति के बाद पिछले साल अगस्त से 2% लेवी को हटा दिया गया था। सरकार ने मौजूदा वित्तीय वर्ष (15 मार्च तक) में इक्वलाइजेशन लेवी से 3,343 करोड़ रुपये एकत्र किए हैं।

आज सोने-चांदी के दाम में गिरावट:सोना 160 रुपए गिरकर 87,559 रुपए पर आया, चांदी 97,378 रुपए किलो बिक रही

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)।सोने और चांदी के दाम में आज यानी 25 मार्च को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 160 रुपए गिरकर 87,559 रुपए पर आ गया है। इससे पहले सोना 87,719 रुपए पर था।

20 मार्च को सोने ने 88,761 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। एक किलो चांदी की कीमत आज 29 रुपए गिरकर 97,378 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 97,407 रुपए प्रति किलो था।

चांदी ने पिछले हफ्ते 17 मार्च को 1,00,400 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 89,440 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 81,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 89,290 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 81,850 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 89,290 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 81,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 89,290 रुपए है।

भोपाल: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 81,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 89,340 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 89,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 81,850 रुपये है।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बाद सपाट क्लोजिंग

संसेक्स 32 अंक चढ़ा, निफ्टी 23668 पर

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)।भारतीय बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी मंगलवार को उतार-चढ़ाव के बाद मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। इनमें बढ़त का सिलसिला सातवें सत्र में भी जारी रहा, हालांकि हाल की तेज बढ़त के बाद बाजार में मुनाफावसूली देखी गई। बीएसई का 30 शेयरों वाला प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 32.81 अंक या 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 78,017.19 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 757.31 अंक या 0.97 प्रतिशत की बढ़त के साथ 78,741.69 अंक पर पहुंचा। एनएसई निफ्टी 10.30 अंक अथवा 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,668.65 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में अल्ट्राटेक सीमेंट, इंफोसिस, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में सर्वाधिक लाभ रहा। जोमेटो में करीब छह प्रतिशत की गिरावट आई, उसके बाद इंडसइंड बैंक में करीब 5 प्रतिशत की गिरावट आई। अदाणी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज और सन फार्मा भी पिछड़ने वालों में शामिल हैं। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, छह दिनों की रिकवरी रैली के बाद, व्यापक बाजार में कुछ मुनाफावसूली देखी गई, विशेष रूप से छोटे और मध्यम आकार के शेयरों में, जहां प्रीमियम मूल्यांकन अभी भी मौजूद है। दूसरी ओर, आईटी क्षेत्र ने लाभ दर्ज किया, जो नरम टैरिफ की उम्मीदों और मूल्यांकन में हाल के सुधार से उत्पन्न सकारात्मक वैश्विक संकेतों से प्रेरित था। नायर ने कहा, निकट भविष्य में निवेशकों का रुझान सतर्क रहने की उम्मीद है, क्योंकि वे अमेरिका-भारत के बीच व्यापार नीति पर स्पष्टता का इंतजार कर रहे हैं। ब्याज दरों में अपेक्षित कटौती और रुपये की चाल जैसे अनुकूल संकेतक बाजार की धारणा को समर्थन दे रहे हैं। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 3,055.76 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी खरीदी। एशियाई बाजारों में, टोक्यो सकारात्मक दायरे में रहा, जबकि सियोल, शंघाई और हांगकांग में गिरावट रही।यूरोपीय बाजार सकारात्मक दायरे में कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार सोमवार को काफी तेजी के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.53 प्रतिशत बढ़कर 73.39 डॉलर प्रति बैरल हो गया। सोमवार को बीएसई का सूचकांक 1,078.87 अंक या 1.40 प्रतिशत उछलकर छह सप्ताह के उच्चतम स्तर 77,984.38 पर बंद हुआ था। निफ्टी 307.95 अंक या 1.32 प्रतिशत बढ़कर 23,658.35 पर बंद हुआ था।

लोकसभा से वित्त विधेयक 2025 पारित, वित्त मंत्री सीतारमण ने करदाताओं को राहत देने वाला बताया

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा ने 35 सरकारी संशोधनों को शामिल करने के बाद वित्त विधेयक 2025 पारित कर दिया। इससे पहले, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त विधेयक 2025 को करदाताओं के लिए अभूतपूर्व कर राहत देने वाला बताया। लोकसभा में बोलते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि इस विधेयक के जरिए मध्यम वर्ग और व्यवसायों को राहत मिलने की उम्मीद है। इस दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में महत्वपूर्ण कर सुधारों का संकेत दिया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय आर्थिक अनिश्चितता को दूर करने के लिए ऑनलाइन विज्ञापनों पर लगने वाला समानीकरण शुल्क समाप्त किया जाएगा। इसके साथ ही वित्त मंत्री ने बताया कि एक लाख करोड़ रुपये के राजस्व नुकसान के बावजूद 2025-26 में व्यक्तिगत आयकर संग्रह में 13.14% की वृद्धि का अनुमान यथार्थवादी है।

नए आयकर विधेयक पर संसद के मानसूत्र सत्र के दौरान होगी चर्चा

सीतारमण ने यह भी कहा कि सीमा शुल्क में तर्कसंगत बदलाव से देश में विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा, निर्यात को गति मिलेगी और आम जनता को महंगाई से राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि नए आयकर विधेयक पर संसद के अगले मानसून सत्र में चर्चा होगी। लोकसभा में वित्त विधेयक 2025 पर चर्चा का जवाब देते हुए सीतारमण ने कहा कि नया आयकर विधेयक, जिसे 13 फरवरी को सदन में पेश किया गया था, वर्तमान में प्रवर समिति की ओर से जांचा जा रहा है। प्रवर समिति को संसद के अगले सत्र के पहले दिन तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। सीतारमण ने कहा, ''...हम इसे (नए आयकर विधेयक को) मानसून सत्र में लाएंगे।'' संसद का मानसून सत्र आमतौर पर जुलाई में आयोजित होता है और अगस्त तक चलता है।

वित्त मंत्री ने नए विधेयक से जुड़ी जानकारी साझा की

आयकर विभाग ने पहले कहा था कि सरलीकृत आयकर विधेयक, जो 1961 के आयकर अधिनियम का आधा है, मुकदमेबाजी और नई व्याख्या की गुंजाइश को कम करके कर निश्चितता हासिल करने का प्रयास करता है। नए विधेयक में शब्दों की संख्या 2.6 लाख है, जो आईटी अधिनियम में 5.12 लाख से कम है। मौजूदा कानून में 819 प्रभावी धाराओं के मुकाबले इसमें धाराओं की संख्या 536 है। अध्यायों की संख्या भी 47 से घटाकर आधी 23 कर दी गई है। आयकर विधेयक 2025 में मौजूदा अधिनियम में 18 तालिकाओं की तुलना में 57 तालिकाएं हैं और 1,200 प्रावधान व 900 स्पष्टीकरण हटा दिए गए हैं।

प्राथमिकता क्षेत्र के 50 हजार तक के ऋण पर अधिक शुल्क न वसूलें बैंक

आरबीआई ने जारी किए दिशा–निर्देश

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने साफ किया है कि बैंक विशेष रूप से प्राथमिकता क्षेत्र ऋण (पीएसएल) श्रेणी के तहत छोटी ऋण राशियों पर अत्यधिक शुल्क नहीं लगा सकते हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा कि 50,000 रुपये तक के प्राथमिकता क्षेत्र के ऋणों पर कोई सेवा शुल्क या निरीक्षण शुल्क नहीं लगाया जाएगा। बैंक के इस कदम का मकसद छोटे उधारकर्ताओं को अनावश्यक वित्तीय बोझ से बचाना और उचित ऋण प्रथाओं को सुनिश्चित करना है।

आरबीआई ने पीएसएल से जुड़े नए दिशा-निर्देश जारी किए

भारतीय रिजर्व बैंक ने प्राथमिकता क्षेत्र ऋण पर जारी नए मास्टर निर्देश में यह बात कही है। ये निर्देश 1 अप्रैल, 2025 से लागू होंगे। इन दिशा-निर्देशों में केंद्रीय बैंक ने यह भी स्पष्ट किया है कि बैंकों की ओर से गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों से खरीदे गए सोने के आभूषणों के बदले लिए गए ऋणों को प्राथमिकता क्षेत्र ऋण श्रेणी के अंतर्गत नहीं माना जाएगा। इसका मतलब है कि बैंक ऐसे ऋणों को अपने पीएसएल लक्ष्यों के हिस्से के रूप में वर्गीकृत नहीं कर सकते। इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्राथमिकता क्षेत्र के फंड उन क्षेत्रों की ओर निर्देशित हों जिन्हें वास्तव में वित्तीय सहायता की आवश्यकता है, जैसे कि छोटे व्यवसाय, कृषि और समाज के के कमजोर वर्ग। इसने कहा एनबीएफसी से बैंकों द्वारा खरीदे गए सोने के आभूषणों के बदले लिए गए ऋण प्राथमिकता क्षेत्र के दर्जे के लिए पात्र नहीं हैं।

रिजर्व बैंक अधिक कठोर निगरानी प्रणाली शुरू करेगा

आरबीआई ने यह भी आश्वासन दिया है कि पहले के पीएसएल दिशा-निर्देशों (2020 ढांचे) के तहत वर्गीकृत सभी ऋण अपनी परिपक्वता तक प्राथमिकता क्षेत्र श्रेणी के पात्र बने रहेंगे। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि पीएसएल लक्ष्यों के साथ बेहतर अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, आरबीआई अधिक कठोर निगरानी प्रणाली शुरू करेगा। बैंकों को अब तिमाही और वार्षिक आधार पर अपने प्राथमिकता क्षेत्र के ऋणों से जुड़ा विस्तृत डेटा देना होगा। आरबीआई ने यह भी पुष्टि की है कि विशिष्ट कोविड-19 राहत उपायों के तहत दिए गए बकाया ऋणों को प्राथमिकता क्षेत्र ऋण के रूप में वर्गीकृत किया जाना जारी रहेगा। इस निर्णय का उद्देश्य उन क्षेत्रों का समर्थन करना है जो अभी भी महामारी के आर्थिक प्रभाव से उबर रहे हैं।

टेस्ला के लिए चीन से आई गुड न्यूज

मस्क की झटके से बढ़ गई 77 हजार करोड़ दौलत

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की कंपनी टेस्ला के लिए चीन से अच्छी खबर आई है। जल्द ही चीन में टेस्ला अपनी फुल सेल्फ ड्राइविंग कार को लॉन्च कर रही है। इसके लिए टेस्ला को चीन से ओवर-द-एयर सॉफ़्टवेयर अपडेट के लिए रेगुलेटरली परमीशन भी मिल जाएगी। जिसके बाद टेस्ला की कम होती सेल्स पर पर विराम लगने की संभावना है। इस खबर के आने के बाद टेस्ला के शेयरों में सोमवार को करीब 12 फीसदी की तेजी देखने को मिली। जिसकी वजह से एलन मस्क की नेटवर्थ में करीब 9 अरब डॉलर यानी 77 हजार करोड़ रुपए का इजाफा देखने को मिला है। बीते कुछ समय में एलन मस्क के पॉलिटिकल फैसलों की वजह से टेस्ला के शेयरों में गिरावट देखने को मिल रही थी। एलन मस्क को डॉगे का हेड बनाया गया है। इस डिपार्टमेंट का हेड रहते हुए मस्क ने कई सरकारी नौकरियों को खत्म किया है। जिसका विरोध पूरे अमेरिका में देखने को मिल रहा है। वहीं दूसरी ओर टेस्ला का विरोध भी हो रहा है। वहीं दूसरी ओर चीन और दुनिया के बाकी इलाकों में टेस्ला की सेल्स में भी काफी कमी आई है। जिसका असर भी टेस्ला के शेयरों में देखा गया है। यही कारण है कि चीन से आई इस खबर को काफी अहम माना जा रहा है। आइए इस खबर पर विस्तार से चर्चा करते हैं।24 मार्च को टेस्ला ने अपने वीबो अकाउंट पर कहा कि वह चीन में फुल सेल्फ-ड्राइविंग लॉन्च करेगी। जल्द ही उसे ओवर-द-एयर सॉफ़्टवेयर अपडेट के लिए विनियामक स्वीकृति मिल जाएगी। इससे पहले, टेस्ला ने 17 मार्च से 16 अप्रैल के बीच एफएसडी ट्रायल की योजना बनाई थी। हालांकि, विनियामक सॉफ़्टवेयर अपडेट की स्वीकृति की आवश्यकता वाले नियम फरवरी में पेश किए गए थे, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा था कि टेस्ला की एफएसडी योजनाएं प्रभावित होंगी। अमेरिका में, मस्क ने जनवरी में कहा था कि जून 2025 में ऑस्टिन में बिना निगरानी वाला एफएसडी लॉन्च किया जाएगा, और समय के साथ और शहरों में भी इसे लॉन्च किया जाएगा।एफएसडी के संभावित निकट भविष्य में आने से टेस्ला में दिलचस्पी बढ़ सकती है और इसकी बिक्री में हाल ही में आई गिरावट को कम करने में मदद मिल सकती है। जिसकी वजह से इस खबर पर शेयरों में लगभग 12 फीसदी की तेजी आई। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की टिप्पणियों ने भी लाभ में योगदान दिया।

वंदे भारत बनानी है कर्ज दे दो, पीएनबी से मांगे 500 करोड़

जानिए कौन है इस कंपनी का मालिक

नई दिल्ली,25 मार्च (एजेंसियां)। देश में अभी 50 से ज्यादा वंदे भारत एक्सप्रेस चल रही हैं। सरकार ने मार्च 2027 तक 400 वंदे भारत ट्रेन चलाने का लक्ष्य रखा है।

120 वंदे भारत स्लीपर ट्रेन बनाने की जिम्मेदारी काइनेट रेल सॉल्यूशंस को मिली है जो भारत और रूस का जॉइंट वेंचर है। इसमें रेल विकास निगम की 25%, रूसी कंपनी मेट्रोवैगनमैश की 70 फीसदी और लोकोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स की 5 फीसदी हिस्सेदारी है। रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी अगले साल से महाराष्ट्र की लातूर फैसिलिटी में वंदे भारत ट्रेनों का उत्पादन शुरू करना चाहती है और इसके लिए पंजाब नेशनल बैंक से 450 से 500 करोड़ रुपये का लोन मांग रही है।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कह गया है कि इस लोन के लिए रूस की कंपनी Sberbank Rossii की बैंकिंग होगी जो इस प्रोजेक्ट के लिए सॉवरेन गारंटर और फाइनेंसर का काम कर रहा है। काइनेट रेल सॉल्यूशंस को 2023 में 120 वंदे भारत ट्रेन बनाने का ठेका मिला था। इनमें से हरेक ट्रेन में 16 कोच होंगे। प्रोजेक्ट के शुरुआती चरण में कंपनी को वर्किंग कैपिटल की जरूरत होगी जिसके लिए बैंक से बातचीत चल रही है।

कंपनी पहले ही 450 करोड़ रुपये के ठेके सीजी पावर को दे चुकी है। ये ठेके इंजन, पावर सिस्टम और इलेक्ट्रिक कंपोनेंट्स लगाने के लिए है। ट्रेनों के इंटीरियर डिजाइन के लिए जल्दी ही टेंडर आने की उम्मीद है।

इस बारे में काइनेट ने सवालों का जवाब नहीं दिया। ट्रेन की बनावट को लेकर पहले ही लंबी बातचीत चली थी जिससे इस प्रोजेक्ट में काफी देरी हो चुकी है। रेलवे 16 के बजाय 24 डिब्बों की ट्रेन चाहती थी। आखिरकार उसने मूल अनुबंध को मान लिया। इसका प्रोटोटाइप जून 2026 में आने बनकर तैयार होने की संभावना है। इसके बाद ट्रायल होंगे और फिर ट्रेनों का निर्माण शुरू होगा।

कोरिया की दिग्गज कंपनी सैमसंग के सीईओ हान जोंग-ही का निधन, जानिए कितनी है नेटवर्थ

नई दिल्ली,25 मार्च (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया की दिग्गज कंपनी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के को-सीईओ हान जोंग-ही का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया है। उनकी उम्र 63 वर्ष थी। कंपनी ने उनके निधन की पुष्टि की है। हान कंपनी के कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल डिवाइस विभाग को संभालते थे। वहीं दूसरे को-सीईओ जून यंग-ह्यून चिप बिजनस का काम देखते थे। सैमसंग ने अभी तक हान के उत्तराधिकारी के नाम की घोषणा नहीं की है। हान जोंग-ही ने 1988 में इन्हा यूनिवर्सिटी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री पूरी करने के बाद सैमसंग में काम करना शुरू किया था। साल 2011 से 2013 तक वह कंपनी के प्रोडक्ट आर एंड डी टीम के हेड थे। हान ने 2017 में विजुअल डिस्प्ले बिजनस की जिम्मेदारी संभाली थी। 2021 में उन्हें वाइस चेयरमैन और सीईओ बनाया गया था। लोकल मीडिया के मुताबिक उन्हें कंपनी के टीवी बिजनस को ऊंचाई पर ले जाने का श्रेय दिया जाता है। सैमसंग के एक प्रवक्ता ने बताया कि हान जोंग-ही की मृत्यु कार्डियक अरेस्ट के कारण हुई। analyticsinsight.net के मुताबिक 30 नवंबर, 2024 तक हान की कुल नेटवर्थ लगभग $971,291 थी। वेबसाइट simplywall.st के मुताबिक उनका सालाना पैकेज 6.90 अरब वॉन (लगभग $48.3 लाख) था। पिछले साल के दौरान सैमसंग के शेयर सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले टेक शेयरों में से एक हैं। हान का कहना था कि कंपनी तेजी से विकसित हो रहे एआई सेमीकंडक्टर बाजार को पर्याप्त रूप से जवाब देने में विफल रही।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायण • ऋतु • बसंत
महावीर निर्वाण संवत •2051, हिजरी सन् •1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125

सूर्योदय - 06-19
सूर्यास्त - 18-24

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	मीन	मे	मीन....	05-44	बजे
चंद्र-	मकर	मे	मेष---	07-18	बजे
मंगल	मिथुन	मे	वृष---	09-04	बजे
बुध-	मीन	मे	मिथुन..	11-04	बजे
गुरु-	वृष	मे	कर्क....	13-16	बजे
शुक्र-	मीन	मे	सिंह---	15-28	बजे
शनि-	कुंभ	मे	कन्या---	17-36	बजे
राहु-	मीन	मे	तुला----	19-40	बजे
केतु-	कन्या	मे	वृश्चिक..	21-50	बजे
			धनु......	00-03	बजे
			मकर...	02-10	बजे
			कुंभ....	04-00	बजे

दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी 01-43 तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - चैत्र कृष्ण ,बुधवार 26 March
नक्षत्र - धनिष्ठा 02-29 तक उपरान्त शतभिषा
योग - सिद्ध 12-25 तक उप साध्य
करण- कौलव 14-49 तक उप तैतिल
विशेष:- पापमोचिनी एकादशी व्रत
व्रत -त्योहार - वैष्णव निम्बार्क पंचक - 15-15 से

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:22 से 13:53 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06:19 - 07:48	शुभ	उत्पात	18:24 - 19:56	अशुभ
अमृत	07:48 - 09:19	शुभ	शुभ	19:56 - 21:24	शुभ
काल	09:19 - 10:50	अशुभ	अमृत	21:24 - 22:53	शुभ
शुभ	10:50 - 12:22	शुभ	चंचल.	22:53 - 00:21	शुभ
रोग	12:22 - 13:53	अशुभ	रोग.	00:21 - 01:50	अशुभ
उत्पात	13:53 - 15:24	अशुभ	काल.	01:50 - 03:19	अशुभ
चंचल	15:24 - 16:56	शुभ	लाभ.	03:19 - 04:47	शुभ
लाभ.	16:56 - 18:24	शुभ	उत्पात	04:47 - 06:19	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आज का दिन आपके लिए बहुत व्यस्त रहेगा ,या तो आपके पास मेहमान आयेंगे या आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं । इसी समय आप अपने घर का नवीकरण ,नया घर खरीदने या दूसरी जगह शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । हालाँकि आप पूरा दिन बहुत व्यस्त रहेंगे,फिर भी आप दिन का हरेक पल आनंद लेंगे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपकी निजी और कामकाजी जिन्दगी में कुछ बदलाव आने वाले हैं जिनसे आप असुरक्षित और चिंतित महसूस करेंगे । लेकिन इसे अपने ऊपर हावी ना होने दें और संतुलन बनाये रखें । कोई आपसे बदला लेने की कोशिश में है,इससे स्थिति और भी खराब हो सकती है । आपने बहुत मेहनत से अपना डाइट कार्यक्रम तैयार किया है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आप बहुत सृजनात्मक अनुभव करेंगे । खूबसूरती की प्रशंसा के साथ साथ खुद भी कुछ खूबसरत चीज बनाना चाहेंगे । दिन कलाकारों के लिए विशेष अच्छा है । हालाँकि ,आज शुरू किये हुए कार्यों को आज ही पूरा कर लें । क्योंकि अचानक आप विकर्षित सा अनुभव करने लगेंगे ,यह भावना काफी सामान्य है लेकिन आप इसके कारण बिना बात निराश सा अनुभव करेंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
यह तो आप देख ही चुके की आकस्मिक प्रवृति पर आधारित फैसले कई बार सही साबित नही हुए हैं,इसीलिए यह जरूरी है कि आप अपने फैसले तर्क की कसौटी पर कसकर ही करें । ऐसा करना और भी जरूरी है क्योंकि कोई ऐसा है जो आपका करीबी होते हुए भी आपके खिलाफ साजिश कर रहा है । अगर एक बार आप सोच समझकर कोई फैसला ले लें तो उसे कार्यान्वित करने में हिचकिचाएं नही ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
अपने जैसी रुचियों और सत्तासीन व्यक्तियों से साझेदारी बनाने की कोशिश करें । कुछ आदमी आपको झूठी आशाएं देने की कोशिशें कर रहे हैं लेकिन आपको उनकी बातों पर ध्यान नही देना है । अपने आप से फैसले लें और उनपर जमे रहें । आप काफी समय से घर खरीदने की सोच रहें हैं,अब आप ऐसा कर सकते हैं ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
पिछले काफी समय से जिस अटके काम को करने की सोच रहे हैं वह आज होने की उम्मीद है । खासी शारीरिक मेहनत करनी पड़ सकती है । आज सामाजिक और वित्तीय दृष्टि से भी लाभ प्राप्त होने की उम्मीद है। अपने प्रियजनों से किसी भी प्रकार के टकराव से बचें । सितारे कहते हैं की यदि आज कोई भी टकराव हुआ तो तुरंत बात बढ़ जायेगी ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज का दिन कुछ अजीब सा रहेगा। कोई ऐसी घटना घट सकती है जिसकी आपने कभी कल्पना भी ना की होगी । आप गृहों से मिलने वाली ऊर्जा का ध्यान रखें और यह समझने की कोशिश करें कि वे आपको किस दिशा में ले जाना चाहती हैं । जीवन के इस मोड़ पर आपको सही रास्ता मिलना ही आपका आगे का भविष्य तय करेगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आपके लिए गंभीरता से मेहनत करने का दिन है । आप काफी लम्बे समय से लटक रहा एक काम संतोषजनक ढंग से पूरा करने में सफल रहेंगे । इससे आपके अफसर प्रभावित होंगे । आज आप पर किसी प्रसिद्ध व्यक्ति की भी नजर पड़ेगी और इस बात का आपके भविष्य पर

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपने किसी परियोजना में अपना काफी समय और प्रयास लगाये हैं और आपको अब इसका फल मिलना शुरू हो जाएगा । दूरदृष्टि के साथ साथ आपके दृढ संकल्प और प्रयास भी रंग लाये हैं । आप कुछ नए बदलाव करना चाह रहे हैं ,लेकिन वित्तीय बाधाएं हैं । आज आप सीमित साधनों से ही इन कामों को पूरा करने के सृजनात्मक तरीके खोज लेंगे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
दिन की शुरुआत अच्छी खबर से होगी । आप काफी समय से जिस योजना पर काम कर रहे थे ,वह आज फलीभूत होगी । सहकर्मियों के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं । आपको अच्छा लगेगा । आज वित्त सम्बन्धी कोई फैसला लेंगे जो भविष्य में लाभकारी साबित होगा । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आपका मूड हल्का फुल्का और नाटकीय बना रहेगा और आज आप हर खुबसूरत चीज से प्रभावित होंगें । इससे आपका कुछ अनावश्यक खर्च भी हो सकता है । आज आप जो भी करेंगे,उसमें सौन्दर्यबोध का काफी असर रहेगा । आज सुन्दरता से सम्बंधित कोई उपचार ले सकते हैं ,पूरे दिन हंसी मजाक वाले मूड में रहेंगे और इससे कार्यस्थल पर भी माहौल खुशनुमा रहेगा ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
पिछला घटनाक्रम कुछ ऐसा रहा है कि आपका आत्मविश्वास डगमगा गया है, इसके चलते आज कोई भी काम ख़ुशी से और संतोषजनक ढंग से पूरा नही हो पायेगा । कोई ऐसा भी मिलेगा जिसकी नकारात्मक टिप्पणियों से आप और भी निराश महसूस करेंगे,लेकिन चिंता ना करें,यह अस्थायी चरण है और आप जल्दी ही अपना आत्मविश्वास वापस पा लेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर 3 नक्सलियों का एनकाउंटर

इनमें 25 लाख का इनामी सुधाकर ढेर, 3 शव और इंसास राइफल बरामद, 2025 में 100 मारे गए

जगदलपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा-बीजापुर जिले की सीमा पर मंगलवार को सुरक्षाबलों ने 25 लाख रुपए के इनामी नक्सली सुधीर उर्फ सुधाकर समेत 3 नक्सलियों को मार गिराया। मारे गए तीनों नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय ने इसकी पुष्टि की है।

जानकारी के मुताबिक, मुठभेड़ के बाद जवानों ने मौके से इंसास राइफल, 303 राइफल, 12 बोर राइफल समेत अन्य विस्फोटक सामग्री बरामद की है। बस्तर रेंज में जवानों ने 2025 में मुठभेड़ में 100 नक्सलियों को मार गिराया है।

दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय ने बताया कि दंतेवाड़ा और बीजापुर के गीदम थाना इलाके के ग्राम गिरसापारा, नेलगोड़ा, बोड़गा और इकेली के सरहदी क्षेत्र में नक्सल कैडर्स की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद दंतेवाड़ा डीआरजी और बस्तर फाइटर्स की टीम को भेजा गया था।

मंगलवार को सुबह 8 बजे से नक्सलियों और सुरक्षाबलों के बीच लगातार फायरिंग हुई। एनकाउंटर में 3 पुरुष नक्सली मारे गए हैं। इनमें सिर्फ सुधाकर की पहचान हुई है। सुधाकर दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी का सदस्य था, जबकि मारे गए 2 अन्य नक्सलियों की पहचान नहीं हो सकी है।

वहीं बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि अभी कुछ इलाकों में सर्च ऑपरेशन जारी है। सर्चिंग के बाद डिटेल में जानकारी दी जाएगी। 83 दिनों में अलग-अलग मुठभेड़ों में 100 हार्डकोर नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं।

दंतेवाड़ा और बीजापुर जिले की सरहद पर 4 दिन पहले दो मुठभेड़ में फोर्स ने 30 नक्सलियों को मार गिराया था। दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर 26 और कांकेर में 4 नक्सली मारे गए थे। नक्सलियों को उनके टीसीओसी (टैक्टिकल काउंटर ऑफेंसिव कैंपेन) माह में ही सबसे बड़ा नुकसान उठाना पड़ा। सूत्रों के अनुसार पुलिस की यह कार्रवाई एक हफ्ते पहले सरेंडर किए नक्सली दिनेश मोड़ियाम की निशानदेही पर की गई थी।

पीएम मोदी से एक बार कहा और मिल गई सहमति

सीएम ने बताया कैसे जारी हुआ 500 का टिकट

रायपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने मंगलवार को 'भक्त माता कर्मा' के नाम पर 500 रुपये का डाक टिकट जारी किया। यह डाक टिकट भक्त माता कर्मा की जयंती के अवसर पर जारी किया गया। कार्यक्रम रायपुर में आयोजित किया गया था, जिसमें मुख्यमंत्री साय, डेप्युटी सीएम अरुण साव और प्रदेश के साहू समाज से आने वाले जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि 'भक्त माता कर्मा' की जयंती पर वह छत्तीसगढ़वासियों और साहू समाज को बधाई और शुभकामनाएं देते हैं। उन्होंने कहा कि भक्त माता कर्मा का आशीर्वाद हमेशा छत्तीसगढ़ पर बना रहे और राज्य में खुशहाली बनी रहे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर यह भी बताया कि साहू समाज की एक पुरानी मांग थी कि भक्त माता कर्मा के नाम पर डाक टिकट जारी किया जाए, जो अब पूरी हो गई है।

पीएम मोदी ने दी थी सहमति

सीएम साय ने कहा कि, जब साहू समाज के केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले, तो उन्होंने इस मांग को प्रधानमंत्री के समक्ष रखा, जिसके बाद डाक टिकट जारी करने की स्वीकृति मिली। मां कर्मा जयंती के अवसर पर भक्त माता कर्मा के नाम का डाक टिकट जारी कर दिया गया है। साय ने इसके लिए तोखन साहू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने साहू समाज की इस मांग को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री को डाक टिकट जारी करने की अनुमति देने के लिए धन्यवाद दिया।

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि माता कर्मा ने अपना सम्पूर्ण जीवन इस देश और समाज की प्रगति और उन्नति के लिए समर्पित किया। उनका जीवन हम सभी के लिए एक प्रेरणा स्रोत है। समाज के द्वारा वर्षों से यह मांग की जा रही थी कि माता कर्मा के सम्मान में एक डाक टिकट जारी किया जाए। मैंने भी इस दिशा में प्रयास किया और आज वह डाक टिकट जारी हो गया।

उन्होंने कहा कि यह माता कर्मा के सम्मान के साथ-साथ साहू समाज के करोड़ों लोगों, जो भारत और नेपाल में रहते हैं, के लिए गौरव का प्रतीक है। इस ऐतिहासिक अवसर पर मैं प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने इस मांग को स्वीकार कर डाक टिकट जारी कराया। समाज की ओर से मैं उनका अभिनंदन और धन्यवाद करता हूं।

अलग-अलग सड़क हादसे में 5 की मौत

कार से भिड़े 3 बाइक सवार, राजिम में ट्रक ने 2 युवकों को रौंदा

गरियाबंद, 25 मार्च (एजेंसियां)। गरियाबंद जिले में 2 अलग-अलग सड़क हादसों में 5 लोगों की मौत हो गई। पहली घटना सोमवार रात राजिम के सुरसाबांधा तालाब मोड़ के पास हुई जहां तेज रफ्तार ऑल्टो कार से तीन बाइक सवार टकरा गए, हादसे में 3 युवकों की जान चली गई।

वहीं दूसरी घटना आरंग थाना क्षेत्र के समोदा में हुई। जहां रविवार दोपहर तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। इस हादसे में 2 युवकों की मौत हो गई। घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने चक्काजाम कर दिया।

गरियाबंद के जेंजरा निवासी 5 लोग 3 अलग-अलग बाइक में सवार होकर किसी काम से राजिम आए थे। शाम 7 बजे वे घर लौट रहे थे।

तभी सामने से गरियाबंद की ओर से तेज रफ्तार में एक कार आ रही थी। जहां तीनों बाइक और कार की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी की घटना के बाद कार के सामने 2 बाइक चढ़ गई, वहीं 1 बाइक टकराकर दूर जा फेंकाई।

मौके पर ही 2 युवकों की मौत हो गई थी वहीं सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां रास्ते में ही 1 युवक ने दम तोड़ दिया।

रविवार शाम 5 बजे आरंग में कुरुद-कुटेला के बीच तेज रफ्तार ट्रक (सीजी04 जेई 0169) ने एक बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में छोटकू खूंटे और कामता सोनवानी नीचे गिर गए और ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

गुस्साए ग्रामीणों ने नवापारा-आरंग में चक्काजाम कर दिया। पुलिस ने ग्रामीणों को शांत कराने का प्रयास किया। लेकिन उनका गुस्सा कम नहीं हुआ।

ग्रामीणों ने उचित मुआवजा और ट्रक ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस के समझाइश के बाद ग्रामीणों ने चक्काजाम खत्म कर दिया। दोनों मृतकों का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

अवैध शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़

44 लाख का स्प्रिट और लाखों का नकली शराब जब्त, बिहार के दो तस्कर गिरफ्तार

पलामू, 25 मार्च (एजेंसियां)। पलामू के नौडीहा बाजार थानाक्षेत्र में उत्पाद विभाग और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई की।

टीम ने बिहार बॉर्डर से सटे महुवरी गांव में एक बड़ी अवैध शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। कार्रवाई में 44 लाख रुपए कीमत की 22 हजार लीटर स्प्रिट बरामद की गई है।

साथ ही लाखों रुपए की नकली अंग्रेजी शराब भी जब्त की गई। पुलिस ने बिहार के दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है।

पलामू के उत्पाद अधीक्षक संजीत कुमार देव ने बताया कि फैक्ट्री एक नवनिर्मित मकान में चल रही थी। यह मकान धीरज सिंह का बताया जा रहा है। टीम ने यहां से 550 गैलन स्प्रिट बरामद किया। पास के एक अन्य घर से दो पिकअप में लदी 150 पेटी नकली अंग्रेजी शराब भी मिली।

जब्त की गई शराब में कई ब्रांड शामिल हैं। एक गैलन में 40 लीटर स्प्रिट होता है, जिसकी कीमत लगभग 8 हजार रुपए है। जानकारी के अनुसार, यह अवैध धंधा पिछले दो साल से लोकेशन बदल-बदलकर चल रहा था। उत्पाद विभाग की टीम अब जांच कर रही है कि इस रैकेट में और कौन-कौन शामिल हैं।

साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि नकली शराब कहां-कहां सप्लाई की जाती थी।

रायगढ़ के डैम में मिली 2 सगी बहनों की लाश

भाई से बहस हुई तो गुस्से में घर से निकलीं, दूसरे दिन तैरते मिले शव

रायगढ़, 25 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में डैम में डूबने से 2 सगी बहनों की मौत हो गई। बताया जा रहा है सोमवार रात दोनों की अपने सौतेले भाई से किसी बात को लेकर बहस हो गई थी। जिसके बाद वे दोनों गुस्सा करते हुए घर से निकल गए। परिजन रात भर ढूंढते रहे लेकिन नहीं मिले।

घटना चक्रधर नगर थाना क्षेत्र की है। पुलिस के मुताबिक, विंध्या जाटवर (19 साल) और उसकी छोटी बहन अंजली जाटवर (17 साल) विनोबा नगर क्षेत्र की रहने वाली है। मंगलवार सुबह पचधारी डैम में उनकी तैरती लाश मिली। पुलिस ने आत्महत्या की आशंका जताई है।

थाना प्रभारी प्रशांत राव आहेर ने कहा कि बहस के बाद दोनों घर से निकले। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि बड़ी बहन आत्महत्या के लिए पानी में कूदी होगी, तब छोटी बहन उसे बचाने के लिए छलांग लगाई होगी और दोनों पानी से बाहर नहीं निकल सके। हालांकि पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, बच्चियों के पिता नहीं है और मां हाउसवाइफ है। भाई मजदूरी करता है।

मृतका बहनों की मां रत्ना जाटवर ने बताया कि रात में घर में सभी ने खाना खाया। इसके बाद भाई के साथ मामूली सी बहस हो गई।

इससे दोनों बहन रात में ही घर से निकल गए। सभी यह सोच रहे थे कि वे आ जाएंगे।

कुछ देर बाद जब नहीं पहुंचे तो दोनों को ढूंढने की कोशिश भी की गई। दोनों रात भर नहीं आईं और सुबह ऐसी घटना की जानकारी मिली।

आसपास के लोगों ने डैम में तैरती लाश देखी तो पुलिस को सूचना दी गई। टीम ने मौके पर पहुंचकर और लोगों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। मर्ग कायम कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया।

परिजन अभी शोकाकुल हैं इसलिए ज्यादा पूछताछ नहीं हो सकी है।

पत्नी ने की पति की हत्या और फंदे से लटका दिया

सच्चाई आई सामने तो तनाव में आ गई पुलिस

गिरिडीह, 25 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के गिरिडीह में एक सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा हुआ है। पुलिस ने सिर्फ 24 घंटे के अंदर इस मामले को सुलझा लिया। पचम्बा थाना क्षेत्र के परसाटांड में एक पत्नी ने अपने पति का गला दबाकर उसे मार डाला। फिर उसने इस घटना को आत्महत्या दिखाने के लिए शव को फांसी पर लटका दिया। पुलिस ने मामले की सच्चाई सामने ला दी है और आरोपी पत्नी कुमकुम देवी को गिरफ्तार कर लिया है।

यह घटना गिरिडीह के पचम्बा थाना क्षेत्र के परसाटांड की है। शनिवार की सुबह मिथलेश कुमार नाम के एक युवक का शव उसके घर में लटका हुआ मिला। पुलिस को सूचना दी गई। पचम्बा थाना पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी।

जांच के दौरान पुलिस ने मृतक की पत्नी कुमकुम देवी से पूछताछ की। कुमकुम ने पुलिस को बताया कि उसका पति नशे का आदी था और तनाव में रहता था। उसने बताया कि शुक्रवार की रात खाना खाने के बाद वह सोने चला गया। सुबह जब दरवाजा नहीं खुला तो उसने देखा कि उसका पति फांसी पर लटका हुआ है। कुमकुम की कहानी सुनकर पुलिस को शक हुआ।

पुलिस ने मामले की गहराई से जांच करने का फैसला किया। पुलिस ने आस-पास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी। पूछताछ में पुलिस को कुछ चौंकाने वाले तथ्य पता चले।

इसके बाद पुलिस मिथलेश के घर पहुंची और कुमकुम देवी से फिर से पूछताछ की। इस बार कुमकुम ने सच कबूल कर लिया। उसने बताया कि उसने ही अपने पति की हत्या की थी और इसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की थी।

आग से तीन परिवारों का घर जला

फूस के घर राख, अनाज-कपड़े सहित सारा सामान नष्ट, प्रशासन ने दी मदद

गोड्डा, 25 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के गोड्डा जिले के महागामा थाना क्षेत्र के चांदसर गांव में एक बड़ी घटना सामने आई है। आग से तीन मजदूर परिवारों के फूस के घर जलकर राख हो गए। श्याम सिंह, मनोज राय और नेमानी राय के परिवार मजदूरी से जीवन यापन करते हैं। आग में इन परिवारों का घर में रखा सारा सामान जल गया। खाने का अनाज, कपड़े और अन्य जरूरी सामान पूरी तरह नष्ट हो गए। आग लगने के बाद गांव में अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने मोटर पंप से आग बुझाने का प्रयास किया। घटना की सूचना मिलते ही महागामा थाना और अंचलाधिकारी मौके पर पहुंचे। अंचलाधिकारी खगेन महतो ने बताया कि आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। आसपास कहीं कूड़ा जलाने से आग की चिंगारी उड़कर आने का अनुमान है।

मेहनत और संघर्ष के बल पर की 3 एकड़ में सूरजमुखी की खेती

अनपढ़ महिलाओं ने रचा इतिहास

जामताड़ा, 25 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के जामताड़ा जिले के फतेहपुर प्रखंड के ताकुंडी गांव की कुछ महिलाओं ने कमाल कर दिखाया है। इन महिलाओं ने मिलकर सूरजमुखी की खेती की है। उन्होंने बैंक से लोन लिया और मेहनत से काम करके दिखाया कि कुछ भी मुमकिन है। इन महिलाओं में से ज्यादातर पढ़ी-लिखी नहीं हैं, लेकिन उनके हौसले बुलंद हैं। उन्होंने जेएसएलपीएस की मदद से बीज लेकर 3 एकड़ जमीन पर सूरजमुखी के फूल लगाए। जब सिंचाई की दिक्कत आई, तो उन्होंने खुद कुआं ठीक करके पानी का इंतजाम किया। उनकी इस मेहनत से अच्छी फसल हुई है और वे दूसरों के लिए प्रेरणा बन गई हैं।

इंसान में लगन हो तो वह कुछ भी कर सकता

ताकुंडी गांव की इन महिलाओं ने साबित कर दिया है कि अगर इंसान में लगन हो तो वह कुछ भी कर सकता है। इन महिलाओं में से अधिकतर 32 से 40 साल की हैं। अनीता हेंब्रम नाम की एक महिला दसवीं तक पढ़ी है, जो कि उनमें सबसे अधिक पढ़ी-लिखी है। चार महिलाएं ऐसी हैं जो बिल्कुल भी पढ़ी-लिखी नहीं हैं। कुछ महिलाएं सिर्फ अपना नाम लिख पाती हैं।

बैंक से लोन लेकर खेती

सभी महिलाओं ने मिलकर बैंक से लोन लिया। इस लोन से उन्होंने सूरजमुखी की खेती शुरू की। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी ने उनकी मदद की। उन्हें 4 किलो सूरजमुखी के बीज मिले। इन बीजों को उन्होंने 3 एकड़ जमीन पर बोया। खेती करने में कई मुश्किलें आईं। जब फसल को पानी देने का समय आया, तो गांव के कुछ लोगों ने तालाब से पानी देने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि अगर इन महिलाओं को पानी दे देंगे तो उनके जानवरों के लिए पानी नहीं बचेगा।

इसके बावजूद महिलाओं ने हार नहीं मानी। उन्होंने अपने खेत में एक पुराने कुएं को देखा। वह कुआं टूटा हुआ था। महिलाओं ने खुद मिलकर उस कुएं को ठीक किया। फिर उन्होंने उस कुएं से पानी निकालकर अपनी फसल को सींचा। उनकी मेहनत रंग लाई। सूरजमुखी के फूल खूब खिले। उन्हें अच्छी पैदावार मिली। अपनी फसल को देखकर वे बहुत खुश हुईं। इन महिलाओं ने दिखा दिया कि अगर कोई इंसान मेहनत और लगन से काम करे तो वह जरूर सफल होता है। उन्होंने यह भी साबित कर दिया कि शिक्षा और पैसे की कमी किसी की तरक्की में रुकावट नहीं बन सकती। अगर दिल में कुछ करने की चाह हो तो रास्ते अपने आप खुल जाते हैं।

अंकित गुप्ता हत्याकांड का खुलासा

लड़की से मिलने गए आरोपी की हुई थी पिटाई बदले की भावना से पीट-पीटकर की हत्या

चतरा, 25 मार्च (एजेंसियां)। चतरा पुलिस ने अंकित गुप्ता हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। 20 मार्च की शाम जामा मस्जिद के पास हुई इस घटना में पुलिस ने मास्टर माइंड सुशांत समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसआईटी ने घटना में प्रयुक्त चाकू और बांस का डंडा भी बरामद कर लिया है।

एएसपी अभियान ऋत्विक श्रीवास्तव के नेतृत्व में गठित एसआईटी की जांच में सामने आया कि यह मर्डर पुरानी रंजिश का नतीजा था। सरस्वती पूजा के दिन सुशांत, अंकित के मुहल्ले में किसी लड़की से मिलने गया था। इसी बात पर अंकित ने सुशांत और उसके साथियों की पिटाई की थी। इसी का बदला लेने के लिए सुशांत ने अपने भाई और अन्य साथियों के साथ मिलकर अंकित की 20 मार्च को जमकर पिटाई की थी। लाठी-डंडा व चाकू के वार से गंभीर रूप से घायल अंकित की रिम्स में इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

अंकित घर का इकलौता पुत्र था। उसकी मौत से घर का चिराग बुझ गया। पिता ठेला चला कर जीविकोपार्जन करते हैं। अंकित भी छोटे वाहन में ड्राइवर का काम करता था। घटना में शामिल पांच अन्य आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। एएसपी ने बताया कि आरोपी शहर छोड़कर अंडर ग्राउंड होने की फिराक में थे, लेकिन पुलिस ने सटीक सूचना के आधार पर उन्हें पकड़ लिया।

अभियान एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने बताया कि गिरफ्तार मर्डर का मास्टर माइंड सुशांत कुमार द्वारा दिए गए बयान के अनुसार, सरस्वती पूजा के दिन वो किसी लड़की से मिलने अंकित के मोहल्ले में गया हुआ था। इधर, मोहल्ले वालों ने सुशांत को लड़की से मिलते हुए देख लिया। इसी बीच अंकित व उसका दोस्त वहां पहुंचा और सुशांत के साथ जमकर मारपीट कर दी।

सुशांत द्वारा पुलिस को दिए गए बयान के अनुसार, सरस्वती पूजा के दिन हुए मारपीट के बाद सुशांत को रिश्तेदार और दोस्तों द्वारा बार-बार यह कह कर शर्मिंदा किया जाता था कि तुम बार-बार मार खाकर आ जाते हो। इस ताने को सुशांत बर्दाश्त न कर सका और आवेश में आकर उसने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर अंकित की हत्या का प्लान बना डाला।

'साइबर क्राइम' में नंबर वन जामताड़ा अब 14वें स्थान पर पहुंचा

साइबर अपराधियों के गढ़ में कैसे आया बड़ा बदलाव

जामताड़ा, 25 मार्च (एजेंसियां)। साइबर अपराध को लेकर पूरे देश में बदनाम जामताड़ा के लिए एक अच्छी खबर है। जामताड़ा में साइबर अपराध का ग्राफ गिरा है और यही कारण है कि राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के अनुसार पूरे देश में जामताड़ा कभी साइबर अपराध में पहला स्थान रखता था, लेकिन अब 14वें स्थान पर आ गया है।

इतना ही नहीं अगर झारखंड में साइबर अपराध की बात करें तो राज्य स्तर की रिपोर्ट में भी जामताड़ा जिला का नाम देवघर और गिरिडीह से नीचे है। जामताड़ा एसपी डॉक्टर एहतेशाम बाकारिब ने बताया कि जामताड़ा जिले की पुलिस लगातार बढ़ती दबिश और मेहनत के कारण यह उपलब्धि मिली है। उन्होंने कहा कि अब यह प्रयास किया जा रहा है कि जामताड़ा का ग्राफ 100 से नीचे तक ले जाया जाए।

साइबर अपराध पर लगाम लगाने में पुलिस विभाग की ओर से तैयार किया गया 'दृष्टि' एप काफी कारगर साबित हो रहा है। यही कारण है कि इस ऐप के माध्यम से इकट्ठा होने वाली डाटा से साइबर अपराधियों तक पुलिस आसानी से पहुंच रही है। जिसका परिणाम है कि पिछले 6 महीने में 200 से ज्यादा साइबर अपराधी को पुलिस ने पड़कर सलाखों के पीछे भेजा है।

इतना ही नहीं एक दर्जन से ज्यादा साइबर अपराधी को न्यायालय में सजा दिलाने में भी सफलता हाथ लगी है।

जामताड़ा साइबर पुलिस को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। इसके लिए साइबर थाना में लगातार टेक्निकल सेल कम कर रही है। साथ ही साथ साइबर थाना के लिए अलग अत्याधुनिक भवन का निर्माण कराया जा रहा है। ताकि साइबर अपराध से जुड़े मामले के अनुसंधान में परेशानी ना हो।

जामताड़ा में साइबर अपराध पर लगाम लगाने के लिए डीएसपी स्तर के अधिकारी का पद सृजन किया गया है। अब हर बड़े अपराध का अनुसंधान डीएसपी और इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारी करते हैं। यही कारण है कि कई गंभीर मामलों को भी जामताड़ा साइबर पुलिस आसानी से सुलझा ले रही है।

जामताड़ा पुलिस साइबर अपराध पर लगाम लगाने के लिए इन दोनों कम्युनिटी अभियान चला रही है।

इसके तहत कर्माटांड़ जामताड़ा सहित प्रभावित क्षेत्रों में स्कूल पुस्तकालय सहित कई अन्य जगहों पर लड़कों तथा लोगों को जागरुक कर रही है और उन्हें साइबर क्राइम के रोकथाम को लेकर जानकारी दे रही है।

पुलिस विभाग की ओर से हर सप्ताह यह कार्य किया जा रहा है जिसमें एसपी सहित अन्य थानेदार शामिल हो रहे हैं।

बीजेपी ने सीनियर नेता को पार्टी से निकाला

खुद दो बार विधायक रहे, पत्नी भी विधायक

रायपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। नगरीय निकाय चुनावों में खिलाफत करने वाले नेताओं के खिलाफ बीजेपी सख्त एक्शन ले रही है। छत्तीसगढ़ बीजेपी ने सामरी विधानसभा सीट से दो बार के विधायक रहे सीनियर नेता सिद्धनाथ सिंह पैकरा को 6 सालों के लिए निष्कासित कर दिया है। सिद्धनाथ पैकरा इस समय जिला पंचायत सदस्य हैं, जबकि उनकी पत्नी उद्धेश्वरी पैकरा सामरी विधानसभा सीट से विधायक हैं। सिद्धनाथ सिंह पैकरा पूर्व संसदीय सचिव भी रहे हैं। सिद्धनाथ पैकरा ने पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ जिला पंचायत सदस्य और अध्यक्ष का चुनाव लड़ा था। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में भाजपा ने जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 12 से सुधेश कुमार सिंह को अधिकृत प्रत्याशी बनाया था। सिद्धनाथ पैकरा ने पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार के खिलाफ सदस्य का चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। इसके बाद उन्होंने जिला पंचायत अध्यक्ष का भी चुनाव लड़ा था। सिद्धनाथ पैकरा ने बलरामपुर जिला पंचायत अध्यक्ष में भी बीजेपी के अधिकृत उम्मीदवार से खिलाफत की थी। बीजेपी ने जिला पंचायत अध्यक्ष के लिए हीरामणि निकुंज को अपना अधिकृत उम्मीदवार घोषित किया था। सिद्धनाथ पैकरा ने अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ अध्यक्ष पद का नामांकन दाखिल किया। जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में हीरामणि निकुंज को 9 और सिद्धनाथ पैकरा को 5 वोट मिले थे। जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव हारने के बाद सिद्धनाथ पैकरा ने बीजेपी के सीनियर नेता और मंत्री रामविचार नेताम के खिलाफ बयानबाजी की थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति कैनेडी की हत्या पर दस्तावेज जारी

62 साल बाद ट्रम्प ने जारी किए 80,000 पेज का डॉक्यूमेंट, सीआईए शक के घेरे में

वॉशिंगटन, 25 मार्च (एजेंसियां)। 35वें अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी खुली कार में बैठकर एक रैली में जा रहे थे। तभी एक इमारत की सबसे ऊपरी खिड़की से उन पर तीन गोलियां चलाई गईं। दो उनके सिर में लगीं, एक गले को चीरते हुए निकल गई। कैनेडी कार में बगल वाली सीट पर बैठी अपनी पत्नी जैकलीन की गोद में गिर पड़े।

कैनेडी की हत्या की खबर सुनकर टेक्सास से 2000 किमी दूर वॉशिंगटन में बैठा एक पूर्व इंटेलिजेंस एजेंट घबरा गया। अगले ही दिन वह वॉशिंगटन छोड़कर हड़बड़ाते हुए 300 किमी दूर न्यूजर्सी में अपने दोस्त के पास पहुंचा और उससे कहा- सीआईए के अंदर के एक गिरोह ने कैनेडी की हत्या की साजिश रची है। वो लोग मुझे भी मार देंगे।

जे. गैरेट अंडरहिल नाम के इस पूर्व एजेंट ने ऐसा दावा क्यों था, इसका खुलासा कैनेडी की हत्या से जुड़े उन 80 हजार दस्तावेजों से हुआ है, जो ट्रम्प ने 18 मार्च से 20 मार्च के बीच जारी किए हैं।

अमेरिका में 1964 का राष्ट्रपति चुनाव होने वाला था। डेमोक्रेटिक पार्टी के भीतर एकता को बढ़ावा देने और लोगों का समर्थन हासिल करने के लिए कैनेडी यात्राएं कर रहे थे। इसके लिए कैनेडी टेक्सास के डलास पहुंचे थे।

कैनेडी का काफिला सुबह करीब 11 बजकर 50 मिनट पर लव फील्ड एयरपोर्ट से रवाना हुआ। उस दिन मौसम साफ था। इसलिए राष्ट्रपति खुली छत वाली लिमोजिन (1961 लिंकन कॉन्टिनेंटल) में बैठकर निकले। उनके चारों तरफ चार बाइक पर पुलिसवाले चल रहे थे। रास्ते में हजारों लोग कैनेडी का स्वागत करने के लिए सड़कों पर खड़े थे। उनके लिए तालियां बजा रहे थे और नारे लगा रहे थे। इस दौरान उन्हें गोलियां लगीं। लोग कुछ समझ पाते इससे पहले खून से लथपथ कैनेडी अपनी पत्नी जैकलीन कैनेडी की गोद में जा गिरे।

कैनेडी पर गोली चलाने के आरोप में सेना से निकाले गए 24 साल के ली. हार्वी ओसवाल्ड को गिरफ्तार किया गया। दरअसल, कैनेडी की हत्या के कुछ देर बाद एक शख्स ने पुलिस को बताया कि उसने लाइब्रेरी से एक इंसान को भागते हुए देखा था, जो ओसवाल्ड जैसा दिख रहा था।

इस दौरान ओसवाल्ड पहले बस और फिर टैक्सी पकड़कर भाग गया। पुलिस ने ओसवाल्ड का पीछा किया, तो उसने एक पुलिसकर्मी की भी गोली मारकर हत्या कर दी। हालांकि, कैनेडी की मौत के करीब 70 मिनट के बाद उसे एक थिएटर से गिरफ्तार कर लिया गया।

ओसवाल्ड की गिरफ्तारी के 2 दिन बाद ही कैनेडी के समर्थक और एक नाइट क्लब के मालिक जैक रूबी ने ओसवाल्ड की हत्या कर दी। यह घटना उस समय हुई जब ओसवाल्ड को जेल ट्रांसफर किया जा रहा था और टीवी पर इस घटना का लाइव प्रसारण चल रहा था। गिरफ्तारी के बाद रूबी ने दावा किया था कि वह ओसवाल्ड को मारकर राष्ट्रपति कैनेडी की पत्नी जैकलीन को कुछ राहत देना चाहता था। हालांकि, कई लोगों ने रूबी के इस दावे पर संदेह जताया।

जैक रूबी को 1964 में ओसवाल्ड की हत्या का दोषी ठहराया गया और 14 मार्च को उसे बिजली के झटके देकर मारने की सजा सुनाई गई। हालांकि, अपील के बाद इस पर रोक लग गई। आगे की सुनवाई से पहले रूबी की तबीयत बिगड़ गई। जांच में पता चला कि उसे फेफड़े का कैंसर है। 3 जनवरी 1967 को बीमारी से उसकी मौत हो गई।

इधर पूर्व इंटेलिजेंस एजेंट जे. गैरेट अंडरहिल, जो भागकर न्यू जर्सी आया था, उसने अपने दोस्त से कहा कि कैनेडी का हत्यारा ओस्वाल्ड तो बस एक मोहरा है। साजिश तो सीआईए के अंदर मौजूद एक गिरोह ने रची है।

अंडरहिल ने कहा कि मेरी जान को भी खतरा है। वे बहुत 'ताकतवर' लोग हैं। वे कभी न कभी मुझ तक पहुंच जाएंगे। अंडरहिल की आशंका सही निकली।

कैनेडी की हत्या के 6 महीने के अंदर उनकी मौत हो गई। इसे 'आत्महत्या' करार दिया गया।

पाकिस्तान दिवस पर जरदारी की जुबान लड़खड़ाई, भाषण में कन्फ्यूज

एक-एक शब्द पढ़ना मुश्किल दिखा, पूर्व उच्चायुक्त बोले- हर पाकिस्तानी का मजाक बना

इस्लामाबाद, 25 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी का पाकिस्तान दिवस पर दिया गया भाषण सोशल मीडिया पर वायरल है। स्पीच के दौरान कई बार उनकी जबान लड़खड़ाई। 'कोशिश की जा रही है' को उन्होंने 'खुशी की चाह रही है' कहा। वहीं, 'बेशुमार कुर्बानी' को वे 'समर कुर्बानी' बता गए।

भाषण में दिख रहा है कि जरदारी एक-एक शब्द को मुश्किल से पढ़ पा रहे थे। लंबे वाक्य को पढ़ने के दौरान कई बार उनकी सांस फूलती दिखी। उनकी स्पीच को लेकर सोशल मीडिया पर कई लोगों ने मजाक बनाया, तो कइयों ने उनकी सेहत पर चिंता जताई है। भारत में पाकिस्तान के उच्चायुक्त रहे अब्दुल बासित ने इसे हर पाकिस्तानी का मजाक बताया।

बासित बोले- जरदारी बीमार थे तो भाषण देने क्यों आए

अब्दुल बासित ने वीडियो शेयर करते हुए कहा कि जिस तरह से राष्ट्रपति जरदारी भाषण पढ़ने में बेबस दिखे, उससे उनके दिल को बहुत तकलीफ पहुंची है। प्रेसिडेंट पूरे मुल्क का नुमाइंदा होता है। ऐसे में उनका जो मजाक उड़ रहा है, वो कहीं ना कहीं हर

पाकिस्तानी का मजाक है। मुझे अपने देश के प्रेसिडेंट को इस तरह से देखना तकलीफ पहुंचाता है।

अब्दुल बासित ने कहा, 'हम साफतौर पर देख रहे हैं कि जरदारी से एक-एक शब्द पढ़ना मुश्किल हो रहा था। ऐसा लग रहा था कि उन्हें खड़े होने में भी दिक्कत आ रही है। अगर वे बीमार थे तो उन्हें भाषण देने के लिए क्यों लाया गया। उर्दू का भाषण भी वे क्यों नहीं पढ़ पा रहे थे?'

बासित ने आगे कहा- 'मुझे लगता है कि जरदारी की टीम ने उन्हें पहले से भाषण की कॉपी नहीं दी थी। अगर वे पहले ही 2-3 बार स्पीच पढ़ चुके होते तो शायद उन्हें ये दिक्कत नहीं होती। खैर जो भी हुआ, वो नहीं होना चाहिए था।'

पाकिस्तान में 23 मार्च को पाकिस्तान दिवस मनाया गया। राष्ट्रपति जरदारी इसी मौके पर संसद के दोनों सदनों को संबोधित कर रहे थे। पाकिस्तान डे 23 मार्च, 1940 को पारित लाहौर प्रस्ताव और 23 मार्च, 1956 को पाकिस्तान के पहले संविधान को अपनाने की याद में मनाया जाता है।

जरदारी का पूरा भाषण सार्वजनिक रूप से जारी नहीं हुआ है। इस भाषण की पूरी रिकॉर्डिंग आधिकारिक तौर पर सरकार या ऐवान-ए-सद्र यानी राष्ट्रपति ऑफिस की वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं है। आमतौर पर, राष्ट्रपति के भाषणों का पूरा टेक्स्ट प्रेस रिलीज या आधिकारिक बयानों के रूप में जारी किया जाता है, लेकिन इस मामले में ऐसा नहीं हुआ।

हालांकि, राष्ट्रपति के भाषण को पाकिस्तान के सभी मीडिया चैनलों ने कवर किया। वायरल वीडियो यहां से ही लीक हुआ है।

जरदारी बोले- भारत की पाकिस्तान पर बुरी नजर

भाषण में जरदारी ने कहा कि पाकिस्तान भू-राजनीतिक (जियो पॉलिटिकल) चुनौतियों का सामना कर रहा है। भारत की हमेशा से पाकिस्तान पर बुरी नजर रही है। बहादुर सेना इन मुश्किलों का डटकर मुकाबला कर रही है। पांचवीं पीढ़ी का युद्ध (सूचना, प्रचार, साइबर हमला से लड़ी जाने वाली जंग) एक चुनौती बन गया है। हालांकि, पाकिस्तान इस चुनौती से निपट सकता है।

जरदारी अब 69 साल के हो चुके हैं। दुबई की यात्रा करते वक्त अक्टूबर 2024 में एक प्लेन से उतरने के दौरान सीढ़ियों पर उनका पैर फिसल गया था। उनकी टांग की हड्डी टूट गई थी। इसके बाद वे पहली बार सार्वजनिक तौर पर दिखे थे।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक उम्रदराज लोगों में चोट के बाद थकान या सांस लेने में तकलीफ की समस्या हो सकती है। वहीं, सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने अनुमान लगाया है कि जरदारी स्ट्रोक, पार्किंसंस या फिर किसी न्यूरोलॉजिकल समस्या से ग्रसित हो सकते हैं। उनकी अस्पष्ट आवाज और रुक-रुक कर बोलना इसी का लक्षण है।

ट्रम्प के मंत्री से हूतियों पर अटैक का प्लान लीक

हमले से 2 घंटे पहले सीक्रेट चैटग्रुप में भेजा, इसमें एक पत्रकार भी जुड़ा था

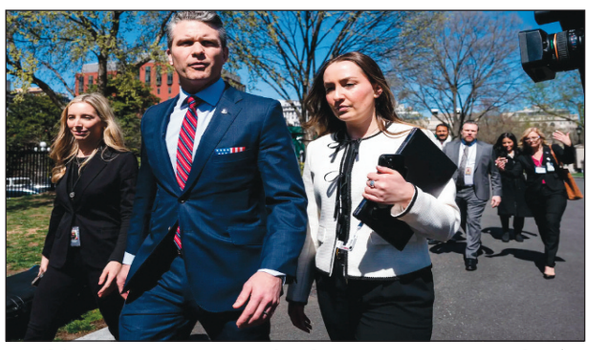

वॉशिंगटन, 25 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति पीट हेगसेथ ने 15 मार्च को यमन में हूती विद्रोहियों पर अमेरिकी हमले के प्लान को लीक कर दिया था। हेगसेथ ने प्लान को सिग्नल एप पर एक सीक्रेट ग्रुप चैट में शेयर किया था। इस ग्रुप में द अटलांटिक मैगजीन के मुख्य संपादक जैफ्री गोल्डबर्ग भी जुड़े हुए थे। व्हाइट हाउस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी।

जेफ्री गोल्डबर्ग ने बताया कि उन्हें गलती से इस ग्रुप चैट में जोड़ दिया गया था। यह ग्रुप सिक्योर मैसेजिंग ऐप सिग्नल पर बनाया गया था। जिसे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज ने बनाया था। इस ग्रुप में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रूबियो भी शामिल थे। गोल्डबर्ग ने लिखा कि 15 मार्च को सुबह 11:44 बजे हेगसेथ ने यमन पर होने वाले हमलों की जानकारी शेयर की थी। इसमें टारगेट्स और इस्तेमाल किए जाने वाले हथियारों के अलावा कौन-सा हमला कब और कहां किया जाना है, इसकी जानकारी भी थी।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से जब इस रिपोर्ट के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक रक्षा विभाग पेंटागन ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और इसे राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएससी) के पास भेज दिया। एनएससी के प्रवक्ता ब्रायन ह्यूजेस ने कहा कि हम इसकी जांच कर रहे हैं कि ग्रुप में कैसे एक गलत नंबर से जोड़ दिया गया। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता टेमी ब्रूस ने मामले पर किसी भी तरह की टिप्पणी करने से इनकार दिया है। एनवाईटी से बात करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा के पूर्व अधिकारियों ने कहा कि अगर इस ग्रुप चैट में निजी मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया गया था, तो यह और भी गंभीर मामला बन सकता है क्योंकि चीन लगातार अमेरिकी साइबर नेटवर्क को हैक करने की कोशिश कर रहा है।

ऑस्कर विजेता फिलिस्तीनी डायरेक्टर को इजराइल ने बंदी बनाया

पहले मारपीट की, फिर एंबुलेंस से अगवा किया, गाजा में जंग पर डॉक्यूमेंट्री बनाई थी

गाजा, 25 मार्च (एजेंसियां)। ऑस्कर अवॉर्ड जीतने वाले फिलिस्तीनी फिल्म डायरेक्टर हमदन बल्लाल को इजराइली सेना ने बंधक बना लिया है। उनके को-डायरेक्टर युवल अब्राहम ने X पर इसकी जानकारी दी। युवल ने बताया कि कुछ इजराइली लोगों ने वेस्ट बैंक इलाके में हमदन को उनके घर के पास बुरी तरह मारा। उन्हें सिर और पेट में गहरी चोटें आईं। युवल ने कहा कि जब हमदन ने खुद को अस्पताल में भर्ती कराने के लिए एंबुलेंस बुलाई तो इजराइली सैनिकों ने एंबुलेंस रोकी और हमदन को अगवा कर लिया। इसके बाद से हमदन की कोई जानकारी नहीं है।

हमदन और युवल ने मिलकर 'नो अदर लैंड' फिल्म बनाई है, जिसने इस साल ऑस्कर में बेस्ट डॉक्यूमेंट्री का अवॉर्ड जीता था। यह फिल्म जंग के दौरान एक फिलिस्तीनी कार्यकर्ता बासेल अद्र और युवल के बीच पनपी दोस्ती और संघर्ष को दिखाती है। सेंटर

फॉर जूइश नॉनवॉयलेंस नाम की एक एक्टिविस्ट संस्था ने एक वीडियो जारी किया है, जिसमें दिख रहा है कि रात के समय एक मैदान में मास्क पहने हुए कुछ लोग एक कार पर पत्थर फेंक रहे हैं। इस दौरान वहां मौजूद संस्था के सदस्य अपनी कार के अंदर छुपने की कोशिश करते हैं, और अपने बाकी साथियों को आवाज लगाकर कहते हैं- कार के अंदर आओ। इस समूह के सदस्यों ने बताया कि पत्थर फेंके जाने से कार की खिड़की टूट गई।

युवल अब्राहम ने बताया कि हमदन को इजराइली सेटलमेंट के एक पुलिस स्टेशन में रखा गया है। किसी को उनसे मिलने या बात करने की इजाजत नहीं दी गई है। यहां तक कि उनके वकील भी उनसे बात नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में हमें नहीं पता कि वे इस समय कैसे हैं। सीएनएन के हवाले से फिलिस्तीनी कार्यकर्ता बासेल अद्र ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'बल्लाल के घर के बाहर इजरायल में बसने वालों का एक समूह था, जिनमें से कुछ पत्थर फेंक रहे थे। इजरायली पुलिस और सेना भी घर के बाहर मौजूद थी। जो भी लोग बल्लाल की मदद करने के कोशिश कर रहे थे, इजरायली सैनिक उन पर गोलियां चला रहे थे।

'नो अदर लैंड' एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म है, जिसे दो इजरायली और फिलिस्तीनी डायरेक्टर्स ने मिलकर बनाया है। यह फिल्म बासेल अद्र की कहानी दिखाती है, जिनकी जन्मभूमि मासाफेर यट्टा को इजराइली सेना नष्ट कर रही हैं। वे इन घटनाओं को रिकॉर्ड करने के लिए गिरफ्तारी और हिंसा का जोखिम उठाते हैं। साथ ही यह फिल्म जंग के दौरान बासेल अद्र और इसराइली पत्रकार युवल के बीच पनपी दोस्ती और संघर्ष को भी दिखाती है।

न्यूजीलैंड में सुबह-सुबह कांपी धरती

6.5 मापी गई भूकंप की तीव्रता फिलहाल नुकसान की सूचना नहीं

वेलिंगटन, 25 मार्च (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड में सुबह-सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। झटके इतने तेज थे कि इसे काफी देर तक महसूस किया गया। जानकारी के मुताबिक, न्यूजीलैंड के साउथ आइलैंड के पश्चिमी तट पर आज सुबह 07.13 बजे 6.5 तीव्रता का भूकंप आया। इससे पहले पिछले महीने की 27 तारीख को नेपाल में भूकंप के कई झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.1 और 5.5 मापी गई थी।

भूकंप के झटके बिहार, पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में महसूस किए गए थे। भूकंप के दौरान जितना संभव हो उतना सुरक्षित रहें।

इस बात के प्रति सतर्क रहें कि कौन-से भूकंप वास्तव में इसकी पूर्व-चेतावनी देने वाले भूकंप के झटके होते हैं और बाद में बड़ा भूकंप भी आ सकता है।

हज 2025 से पहले बीमारी ने बढ़ाई सऊदी सरकार की टेंशन

नियमों में बदलाव, बिना वैक्सीन नहीं होगा रजिस्ट्रेशन

रियाद, 25 मार्च (एजेंसियां)। सऊदी अरब की सरकार ने इस साल होने वाले हज के लिए कुछ नए नियमों को लागू किया है। सऊदी के हज और उमरा मंत्रालय ने हज यात्रियों के लिए मेनिनजाइटिस वैक्सीन अनिवार्य कर दिया है। मेनिनजाइटिस टीकाकरण सर्टिफिकेट अब हज पैकेज और रजिस्ट्रेशन के लिए अनिवार्य होगा। इसके बिना हज पर जाने की इजाजत नहीं मिलेगी। यह नियम विदेश से आने वाले हाजियों के साथ-साथ सऊदी अरब के नागरिकों पर भी लागू होगा। मंत्रालय ने कहा है कि इस फैसले का मकसद लाखों हज यात्रियों को इस बीमारी के फैलने से बचाना है। हज और उमरा मंत्रालय ने अपने बयान में कहा है कि हज 2025 में आने वाले सभी लोगों को मेनिनजाइटिस का टीका लगवाना जरूरी है। बिना टीकाकरण के हज की अनुमति नहीं दी जाएगी क्योंकि हज के दौरान भीड़ में संक्रामक रोगों को फैलने से रोकना बड़ी चुनौती है। इसे देखते हुए टीका लगवाना हज में शामिल होने के लिए जरूरी किया गया है। इससे बीमारी से पूरी तरह सुरक्षा मिलेगी, जो जानलेवा भी हो सकती है। मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि हज पैकेज के लिए रजिस्ट्रेशन भी तभी होगा जब टीकाकरण का प्रमाण दिखाया जाएगा।

मंत्रालय ने कहा है कि हज में दुनियाभर से लाखों लोग आते हैं। एक ही जगह पर बहुत सारे लोगों के होने से बीमारी फैलने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में किसी संक्रामक बीमारी को लेकर जोखिम नहीं लिया जा सकता है।

ग्रीनलैंड अमेरिकी उपराष्ट्रपति की पत्नी की विजिट का बायकॉट करेगा

पीएम बोले- यह यात्रा उकसावा है, ट्रम्प ग्रीनलैंड पर कब्जे की बात कह चुके हैं

वॉशिंगटन, 25 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पत्नी उषा वेंस 27 मार्च से 29 मार्च तक ग्रीनलैंड के दौरे पर पहुंचने वाली हैं, लेकिन उनके इस दौरे से पहले नया विवाद खड़ा हो गया है। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री म्यूट एगेडे ने उषा वेंस की इस विजिट का बायकॉट करने का फैसला किया है। उन्होंने इस हाई प्रोफाइल विजिट को उकसाने वाला बताया है। एगेडे ने कहा कि अमेरिका के साथ की गई डील की वजह से उषा वेंस की ग्रीनलैंड में अमेरिकी मिलिट्री बेस की विजिट को रोकना मुमकिन नहीं है, लेकिन अंतरिम सरकार अमेरिकी डेलिगेशन से नहीं मिलेगी।

उषा वेंस के साथ अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज और ऊर्जा सचिव क्रिस राइट ग्रीनलैंड पहुंचेंगे। इस विजिट से दो महीने पहले राष्ट्रपति ट्रम्प के सबसे बड़े बेटे डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर भी ग्रीनलैंड पहुंचे थे, तब उस विजिट को निजी यात्रा बताया गया था। अपनी यात्रा से पहले उषा वेंस ने एक वीडियो मैसेज शेयर किया है। उन्होंने कहा कि ग्रीनलैंड की उनकी यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच आपसी सम्मान और सहयोग के लंबे इतिहास का जश्न मनाना है।

व्हाइट हाउस के प्रवक्ता ब्रायन ह्यूजेस ने कहा- इस यात्रा का उद्देश्य ऐसी साझेदारी का निर्माण करना है जो ग्रीनलैंड के आत्म निर्णय का सम्मान करे और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा दे।

ग्रीनलैंड सरकार की नाराजगी की वजह हाल ही में राष्ट्रपति ट्रम्प की तरफ से दिए गए बयान हैं। ट्रम्प कई बार ग्रीनलैंड को अमेरिका के कंट्रोल में लेने की बात कह चुके हैं। ट्रम्प का कहना है कि नेशनल सिक्योरिटी और पूरी दुनिया में आजादी के लिए अमेरिका को लगता है कि ग्रीनलैंड पर हमारा कंट्रोल बेहद जरूरी है। इस बयान के बाद ग्रीनलैंड की तरफ से कहा गया था कि हम बिकाऊ नहीं हैं। ग्रीनलैंड उत्तरी अटलांटिक महासागर में मौजूद एक आईलैंड है। यह डेनमार्क के कंट्रोल वाला एक स्वायत्त क्षेत्र है। जिसका अपना प्रधानमंत्री होता है। ग्रीनलैंड में 57 हजार लोग रहते हैं, यह डेनमार्क का एक स्वायत्त क्षेत्र है।

तीसरे विश्व युद्ध में एंट्री कर चुकी है दुनिया?

रूस ने अमेरिका और यूरोप के खिलाफ छेड़ा शैडो वॉर, कनाडा भी निशाने पर

वॉशिंगटन, 25 मार्च (एजेंसियां)। यूएस स्थित सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) ने अपनी रिपोर्ट में दुनिया के बड़े हिस्से के इस समय एक युद्ध में शामिल होने की बात कही है। सीएसआईएस का कहना है कि रूस ने अमेरिका और यूरोप के खिलाफ शैडो वॉर छेड़ रखा है। रिपोर्ट कहती है कि रूस, अमेरिका और यूरोप के खिलाफ साइबर हमले, तोड़फोड़ और जासूसी कर रहा है। इसका मकसद यूक्रेन को पश्चिमी देशों से मिलने वाली मदद को कमजोर करना है। सीएसआईएस के इस दावे के बाद एक्सपर्ट ने सवाल किया है क्या ये मान लिया जाए कि दुनिया का बड़ा हिस्सा तीसरे विश्व युद्ध में उलझा है। इसमें एक तरफ सीधा युद्ध तो दूसरी ओर शैडो वॉर है, जिसका जिक्र सीएसआईएस ने की है। रिपोर्ट के मुताबिक, हालिया समय में यूरोप में सैन्य ठिकानों पर धमाके, सरकारी ईमेल हैक और समुद्र के नीचे के केबल काटने जैसी घटनाएं बढ़ी हैं। खासतौर से 2022 (यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद) से यूरोप में ऐसे हमले तीन गुना बढ़ गए हैं। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि रूस के ये कदम यूक्रेन के सहयोगियों को डराने के लिए हैं। ऐसे में अगर यूक्रेन में रूस मजबूत होता है तो ये स्थिति और खराब हो सकती है।

सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के मुताबिक, रूस का शैडो वॉर नाटो सहयोगियों और वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरे की घंटी है। रूस ऊर्जा ग्रिड और परिवहन नेटवर्क जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहा है। इससे उत्तरी अमेरिका से जुड़े सिस्टम खतरे में आ सकते हैं। सीएसआईएस का कहना है कि कोजी बीयर जैसे समूहों ने अमेरिकी एजेंसियों पर साइबर हमले किए हैं। इसका असर कनाडा के संस्थानों पर भी पड़ सकता है। कनाडा यूक्रेन को सैन्य सहायता दे रहा है। ऐसे में कनाडा को भी साइबर हमलों का सामना करना पड़ सकता है। ये हमले कनाडा के चुनावों या बुनियादी ढांचे को निशाना बना सकते हैं। रूस हाइब्रिड युद्ध के तरीकों का इस्तेमाल कर सकता है। इसमें कनाडा जैसे देशों में हस्तक्षेप करना शामिल है। यूक्रेन के लिए अमेरिकी सैन्य सहायता में कटौती की गई है। इससे ट्रांस अटलांटिक गठबंधन पर दबाव बढ़ रहा है और रूस के हमलों का जवाब देने में मुश्किलें आ रही हैं।

यूएन में भारत बोला- पाकिस्तान को पीओके खाली करना ही पड़ेगा

बार-बार दावे करने से कश्मीर नहीं मिलेगा

वाशिंगटन, 25 मार्च (एजेंसियां)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में जम्मू और कश्मीर को लेकर पाकिस्तान के बयान को सख्ती से खारिज कर दिया। यूएनएससी को संबोधित करते हुए भारत के राजदूत पावथानेनी हरीश ने कहा कि पाकिस्तान को पीओके खाली करना ही होगा। हरीश ने कहा कि इस तरह बार-बार टिप्पणी करने से उनके अवैध दावे सही नहीं हो जाएंगे। न ही पाकिस्तान समर्थित सीमा पार आंतकवाद को सही ठहराया जा सकता है। हम पाकिस्तान को सलाह देंगे कि वे अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए यूएन जैसे मंच का इस्तेमाल न करे। हरीश ने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर पर अवैध रूप से कब्जा कर रखा है, जिसे उसे खाली करना ही होगा। हरीश ने कहा कि भारत वैश्विक मंचों पर अपनी संप्रभुता पर सवाल नहीं उठने देगा। हरीश ने यह टिप्पणी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के विशेष सहायक सैयद तारिक फातमी के सुरक्षा परिषद में जम्मू और कश्मीर का मुद्दा उठाए जाने के बाद की।

अमेरिका के हाथ लगा 540 अरब डॉलर का खजाना

समंदर के नीचे मिला 'सफेद सोने' का सबसे बड़ा भंडार, चीन का दबदबा होगा खत्म

वॉशिंगटन, 25 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी वैज्ञानिकों ने बहुत बड़े लिथियम भंडार की खोज की है। इस बेशकीमती भंडार की खोज कैलिफोर्निया के साल्टन सागर के धुंधले पानी के नीचे की गई है। एक अनुमान के अनुसार, इस भंडार की कीमत 540 अरब अमेरिकी डॉलर हो सकती है। लिथियम को सफेद सोना कहा जाता है, जो अमेरिका को इस धातु के मामले में आत्मनिर्भर बनने का एक मौका प्रदान कर सकता है। इससे विदेशी आयात पर उसकी निर्भरता काफी कम हो जाएगी।

यह खोज अमेरिका के लिए बहुत फायदेमंद हो सकती है, लेकिन इस खजाने को निकालने

के लिए कई चुनौतियां भी आती हैं, जो स्थानीय समुदायों, पर्यावरण और भू-राजनीतिक परिदृश्य को प्रभावित कर सकती हैं। दक्षिणी कैलिफोर्निया के इंपीरियल काउंटी में स्थित साल्टन सागर लंबे समय से आकर्षण और चिंता का विषय रहा है। कभी पर्यटकों के लिए एक लोकप्रिय गंतव्य रहा यह झील पिछले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रहा है।

इसकी सतह के नीचे दुनिया में लिथियम ब्राइन के सबसे बड़े भंडारों में से एक है। अमेरिकी ऊर्जा विभाग की फंडिंग से किए गए हाल के अध्ययन बताते हैं कि झील के नीचे लगभग 1.8 करोड़ टन लिथियम दबा हुआ है। यह पहले पुष्ट किए गए 40 लाख टन से कहीं ज्यादा है। लिथियम का इस्तेमाल इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बैटरी बनाने में होता है। यह ईवी बैटरी उद्योग का नया रूप दे सकता है। इससे 38.2 इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी के लिए पर्याप्त लिथियम उपलब्ध होगा। यह वर्तमान में अमेरिकी सड़कों पर चलने वाले वाहनों की कुल संख्या से भी ज्यादा है।

ब्रिटेन की सरकार ने श्रीलंका के सैन्य कमांडर्स पर लगाया प्रतिबंध

लंदन, 25 मार्च (एजेंसियां)। ब्रिटेन ने मानवाधिकार उल्लंघन का आरोप लगाते हुए श्रीलंकाई सेना के शीर्ष सैन्य कमांडरों सहित चार लोगों पर प्रतिबंध लगाया है। इन सैन्य कमांडर्स पर आरोप है कि साल 2009 में लिट्टे के खिलाफ सैन्य अभियान में इन लोगों ने मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन किया। ब्रिटेन के विदेश कार्यालय ने सोमवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। बयान के अनुसार, जिन सैन्य कमांडर्स पर प्रतिबंध लगाया गया है, उनमें श्रीलंकाई सशस्त्र बलों के पूर्व प्रमुख शैवेंद्र सिल्वा, पूर्व नौसेना कमांडर वसंथा करन्नागोडा और श्रीलंकाई सेना के पूर्व कमांडर जगत जयसूर्या का नाम शामिल है। इनके अलावा लिट्टे के पूर्व उप-नेता विनयमूर्ति मुरलीधरन पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। विनयमूर्ति ने लिट्टे से बगावत की थी और बाद में श्रीलंका सरकार में मंत्री बन गए थे। प्रतिबंध के तहत इन चारों लोगों पर ब्रिटेन की यात्रा करने पर प्रतिबंध रहेगा और इनकी ब्रिटेन में स्थित संपत्ति को भी जब्त कर लिया गया है। बयान में कहा गया है कि जिन लोगों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं, उन्होंने श्रीलंका के गृहयुद्ध के दौरान मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन किया।

राजस्थान में स्कूल और कॉलेज के दोस्त बने माफिया

> एसओजी के जाल में फंसे तो हो गए 'सलाखों' के दर्शन

जयपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। सोचिए जब बाड़ ही खेत की फसल को खाने लगे तो भला कौन बचा सकता है। ऐसा ही हुआ है जेल प्रहरी भर्ती 2018 की परीक्षा में। सरदार पटेल पुलिस विश्वविद्यालय जोधपुर ने जेल प्रहरी भर्ती 2018 की परीक्षा का आयोजन कराया था। यह परीक्षा ऑनलाइन मोड पर हुई और परीक्षा कराने की जिम्मेदारी टीसीएस कंपनी को दी गई थी। इस परीक्षा में पेपर लीक हुआ था जिसकी जांच एसओजी की ओर से की जा रही थी। एसओजी ने इस मामले में बड़ी कार्रवाई की और भर्ती परीक्षा का आयोजन कराने वाली कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर जगजीत सिंह को गिरफ्तार किया। एसओजी के एडीजी वीके सिंह का कहना है कि आरोपी जगजीत सिंह इस कंपना का प्रोजेक्ट मैनेजर था और इसी ने पेपर लीक माफिया के मिलीभगत करके एग्जाम से पहले पेपर लीक किया था।

स्कूल और कॉलेज के दोस्त बने माफिया

एडीजी वीके सिंह ने बताया कि पेपर लीक करने वाला मुख्य आरोपी जगजीत सिंह झारखंड के जमशेदपुर का रहने वाला है। उसके साथ दो अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया जिनमें करण कुमार और देवव्रत शामिल है। आरोपी करण टीसीएस कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर जगजीत सिंह का स्कूल और कॉलेज का सहपाठी रहा है। दोनों बचपन से ही दोस्त रहे हैं। जब टीसीएस कंपनी को जेल प्रहरी भर्ती की परीक्षा कराने का जिम्मा मिला तो प्रोजेक्ट मैनेजर जगजीत सिंह ने अपने मित्र करण के जरिए उन स्कूल और कॉलेज संचालकों से संपर्क किया जहां परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

जिस दिन परीक्षा, उसी दिन एसओजी ने किया भंडाफोड़

जेल प्रहरी भर्ती 2018 की परीक्षा 28 अक्टूबर 2018 को हुई थी। परीक्षा के दिन ही एसओजी को सूचना मिल गई थी कि ऑनलाइन मोड पर होने वाली इस परीक्षा का पेपर लीक हुआ है। एसओजी ने परीक्षा संपन्न होने का इंतजार किया। जयपुर के कूकस स्थित एक कॉलेज में परीक्षा संपन्न होने के बाद बाहर निकले कुछ संदिग्ध अभ्यर्थियों को एसओजी ने हिरासत में लिया था। मामले की जांच में पता चला कि कई अभ्यर्थियों के मोबाइल पर एग्जाम से पहले ही सॉल्वड पेपर आया हुआ था। इसके बाद एसओजी ने मुकदमा दर्ज किया और जांच शुरू की थी।

अब तक 20 गिरफ्तार

एसओजी के एडीजी वीके सिंह का कहना है कि जेल प्रहरी भर्ती 2018 पेपर लीक मामले में पहली गिरफ्तारी एग्जाम होने के अगले ही दिन कर ली गई थी। बाद में एक के बाद आरोपियों का पता चला तो एक एक कर कुल 20 आरोपी गिरफ्तार किए गए। पकड़े गए आरोपियों में अभ्यर्थियों के साथ कई दलाल शामिल हैं। टीसीएस कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर की गिरफ्तारी अब की गई है। आरोपी जगजीत, उसके दोस्त करण और देवव्रत को अलग अलग राज्यों से गिरफ्तार किया गया है। इन तीनों से पूछताछ में और भी खुलासे होने की संभावना है।

बांसवाड़ा के जाह्नवी हत्याकांड में 2 नाबालिग डिटेन

बांसवाड़ा, 25 मार्च (एजेंसियां)। बांसवाड़ा में रविवार (23 मार्च) को पालोदा कस्बे में 12 साल की बच्ची की गला काटकर हत्या के मामले में पुलिस ने 36 घंटे बाद 2 नाबालिगों को डिटेन किया। दोनों से पूछताछ की गई है जिसमें सामने आ रहा है कि दोनों चोरी के मकसद से घर में घुसे थे। बांसवाड़ा पुलिस के उच्च अधिकारी आज घटनाक्रम का खुलासा करेंगे।

एसपी हर्षवर्धन अगरवाला ने मंगलवार को बताया-दो नाबालिगों को हमने डिटेन कर लिया है। दोनों ही हत्या में शामिल हैं। नाबालिग पालोदा कस्बे के ही रहने वाले हैं। अभी उनसे पूछताछ जारी है। हालांकि दोनों नाबालिग हत्या के कारणों को लेकर अपने बयां बदल रहे हैं। अब तक जानकारी यही सामने आ रही है कि चोरी की नीयत से हत्या की गई है। मंगलवार शाम तक पूरी पूछताछ के बाद खुलासा कर दिया जाएगा।

बजट सत्र में 181 घंटे चली विधानसभा

> 9800 सवाल लगे, 10 विधेयक पारित, 3 प्रवर समिति को भेजे

जयपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में सोमवार को बजट सत्र का अंतिम दिन था। सत्र 31 जनवरी से शुरू हुआ था और सत्र के दौरान कुल 24 बैठकों में 181 घंटे 52 मिनट तक कार्रवाई चली, जिसमें कुल 12 विधेयक पेश किए गए, जिनमें से 10 विधेयक सदन में पारित कर लिए गए और 3 विधेयक प्रवर समिति को भेज दिए गए। इसके बाद सदन की कार्रवाई अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने 19 मार्च को कोचिंग सेंटर नियंत्रण एवं विनियमन विधेयक-2025 पेश किया लेकिन आखिरी दिन चर्चा के बाद इसे प्रवर समिति को भेजा दिया गया। विकास प्राधिकरण संशोधन विधेयक-2025 भरतपुर एवं बीकानेर विकास प्राधिकरण अध्यादेश को नियमित विधेयक में परिवर्तित कर पारित किया गया। भूजल संरक्षण एवं प्रबंधन अथॉरिटी बिल जलसंकट को देखते हुए पेश किया गया, लेकिन विस्तृत चर्चा के बाद पुनः प्रवर समिति के पास भेजा गया। धर्मांतरण विरोधी विधेयक-2025 पेश किया गया, जिस पर चर्चा नहीं हो पाई।

सत्र के दौरान कुल 9800 प्रश्न प्राप्त हुए, जिनमें 4480 तारांकित और 5302 अतारांकित प्रश्न दर्ज किए गए। इनमें से अब तक 10,049 प्रश्नों में से 9453 के उत्तर उपलब्ध हो चुके हैं, जिससे 95% प्रश्नों के उत्तर सुनिश्चित हुए। सत्र के दौरान कुल 231 स्थगन प्रस्ताव (नियम 50) प्राप्त हुए, जिनमें 71 प्रस्तावों पर सदन में बोलने का अवसर मिला। विशेष उल्लेख के 337 प्रस्ताव (नियम 295) में से 293 प्रस्ताव सदन में पढ़े गए, 92 प्रस्तावों के संदर्भ में राज्य सरकार से जानकारी प्राप्त की गई और 40 प्रस्ताव विधायकों की अनुपस्थिति के कारण व्यपगत कर दिए गए। सदन में कुल 767 पर्चियां प्रस्तुत हुईं, जिनमें से शलाका द्वारा 84 पर्चियां चयनित की गईं। ध्यानाकर्षण के लिए 811 प्रस्तावों की सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिनमें 7 प्रस्ताव अग्राह्य किए गए और 804 प्रस्ताव राज्य सरकार को तथ्यात्मक जानकारी के लिए भेजे गए 400 प्रस्तावों के उत्तर प्राप्त हुए। आय-व्ययक अनुमान (2025-26) 19 फरवरी को उपस्थापित किया गया, जिसमें पिछले सत्र से एक दिन अधिक, कुल 5 दिन सामान्य वाद-विवाद निर्धारित कर 96 विधायकों ने भाग लिया।

आर्मी-जवान ने खुद के सीने में मारी गोली

आर-पार हुई बुलेट, सर्विस रिवॉल्वर से किया सुसाइड, बंगाल के रहने वाले थे

जोधपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। जोधपुर में आर्मी जवान ने खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। पश्चिम बंगाल के रहने वाले जवान ने दोपहर को सर्विस रिवॉल्वर से सीने में फायर कर लिया। जानकारी के अनुसार गोली उनके सीने के आर-पार हो गई थी। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद शव उनके परिवार को सौंपा गया।

सिक्योरिटी पोस्ट पर थी ड्यूटी

मुर्शिदाबाद के बादीपुर बेलगांडा के रहने वाले राकेश कुमार मंडल (35) नागतलाब आर्मी एरिया में पोस्टेड थे। उनकी ड्यूटी सुरक्षा पोस्ट पर थी। करवड़ थाने के सब इंस्पेक्टर महेंद्र कुमार ने बताया कि राकेश कुमार आर्मी एरिया में ही रहते थे। रविवार दोपहर को उन्होंने अपनी ही सर्विस रिवॉल्वर से सुसाइड कर लिया। पुलिस को घटना की जानकारी रविवार शाम को मिली थी। पुलिस के अनुसार सुसाइड के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गोली उनके सीने के आर-पार होने की जानकारी सामने आई है। मौके पर पहुंची एफएसएल टीम ने सबूत भी जुटाए हैं। घटना के संबंध में सेना के सूबेदार की ओर से मामला दर्ज करवाया गया है। नागतलाब आर्मी एरिया सेना का अति संवेदनशील क्षेत्र है। इस कारण पुलिस भी बिना परमिशन के एंट्री नहीं कर सकती। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आर्मी अधिकारियों की निगरानी में ही पूरी कार्रवाई की गई है।

जैसलमेर में पाकिस्तानी जासूस पकड़ा, सेना के क्षेत्र के वीडियो और फोटो भेजने का शक

जैसलमेर, 25 मार्च (एजेंसियां)। जैसलमेर के मोहनगढ़ नहरी इलाके से सुरक्षा एजेंसियों ने एक पाकिस्तानी जासूस को पकड़ा है। पकड़े गए जासूस पर भारत की खुफिया जानकारियां पाकिस्तान भेजने का शक है। सुरक्षा एजेंसियों ने पुलिस के साथ मिलकर इस कार्रवाई को अंजाम दिया। पकड़ा गया जासूस पठान खान (40) निवासी करमो की ढाणी, चांधन जैसलमेर है। जिसे सोमवार देर रात 3 बजे नहरी इलाके की जीरो आरडी से पकड़ा है। सुरक्षा एजेंसियां पठान खान से पाकिस्तान भेजी गई खुफिया जानकारियों को लेकर पड़ताल कर रही है।

पठान खान के रिश्तेदार पाकिस्तान में रहते हैं। पठान खान साल 2019 में पाकिस्तान भी जाकर आया था। इसके बाद से वह लगातार पाकिस्तान सूचनाएं भेज रहा था। शक के चलते सुरक्षा एजेंसियां भी उस पर नजर बनाए हुई थी। सूत्रों के अनुसार मोहनगढ़ नहरी इलाके के जीरो आरडी में पठान खान का खेत है। पिछले काफी समय से पठान खान आर्मी क्षेत्र के वीडियो और फोटो पाकिस्तान भेज रहा था।

स्पेशल-26 स्टाइल में ठगी : फर्जी आईएएस बनकर सरकारी नौकरी के नाम पर 70 लाख की ठगी

जयपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर में एक हाई-प्रोफाइल ठग गिरोह ने अक्षय कुमार की फिल्म स्पेशल-26 की तर्ज पर ठगी को अंजाम दिया। फर्जी आईएएस अफसर बनकर युवाओं को सरकारी नौकरी का लालच दिया गया, महंगे होटलों में इंटरव्यू हुए, मेडिकल परीक्षण तक कराए गए, और जब हकीकत सामने आई तो सबकुछ एक संगठित साजिश निकली।

कैसे हुई ठगी?

गैंग के मास्टरमाइंड दीपक जैन उर्फ फर्जी आईएएस आर.के. अग्रवाल ने बेरोजगार युवाओं को विधानसभा, हाईकोर्ट, रेलवे और पटवारी के 58 फर्जी पदों पर भर्ती का झांसा दिया। जाल में फंसाने के लिए आरोपियों ने विधानसभा और सचिवालय के बाहर मुलाकातें तय कीं, जिससे पूरा खेल असली लगे। गैंग का एक सदस्य डॉक्टर बनकर मेडिकल करता, तो दो अन्य सदस्य फर्जी अफसर बनकर इंटरव्यू लेते। फर्जी जॉइनिंग लेटर, सरकारी दफ्तरों के दौरे, और यहां तक कि विधानसभा की वेबसाइट जैसी दिखने वाली फर्जी साइट पर सिलेक्शन की जानकारी भी दिखाई गई।

पहला केस और खुलासा

सेना से रिटायर्ड मानसिंह ने अपने छोटे भाई के लिए नौकरी की उम्मीद में 6 लाख रुपए दिए। जब 11 अप्रैल 2022 को मानसिंह अपने भाई को जॉइनिंग के लिए विधानसभा ले गया, तो असली अधिकारियों ने ऐसी किसी भर्ती से इनकार कर दिया। आरोपियों से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन सभी के फोन स्विच ऑफ हो गए।

गिरफ्तारी और बचने के नए तरीके

केस दर्ज होने के बाद गैंग ने एक फर्जी सरकारी आदेश जारी किया, जिसमें कहा गया कि भर्तियों की जांच हो रही है। इसके बाद भी जब पीड़ित शांत नहीं हुए, तो आरोपियों ने एग्रीमेंट कर पैसा लौटाने का झांसा दिया, लेकिन फिर मुकर गए। पुलिस जांच में सामने आया कि मास्टरमाइंड दीपक जैन आगरा में ट्रांसपोर्ट का व्यवसायी है और सरकारी अफसर बनने का सिर्फ दिखावा करता था। अब तक 3 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं, जबकि बाकी फरार हैं।

नीट स्टूडेंट फंदे पर लटका

हॉस्टल के कमरे में सुसाइड नोट मिला, लिखा- 'मुझे माफ कर देना'

जोधपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। जोधपुर में 19 साल के नीट स्टूडेंट ने सुसाइड कर लिया। वह अपने हॉस्टल में फंदे पर लटका मिला। कमरे से एक सुसाइड नोट भी मिला है। हादसे की सूचना पर परिवार जोधपुर आया।

एम्स हॉस्पिटलमें पोस्टमार्टम के बाद शव सौंपा गया। सुसाइड के कारण का पता नहीं चला है। पिता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। जानकारी अनुसार- स्टूडेंट रोहित भाटी (19) चौपासनी हाउसिंग बोर्ड 17 सेक्टर के दीक्षा क्लासेस हॉस्टल में रहता था। हॉस्टल के कमरे में सोमवार दोपहर फांसी का फंदा लगाया। हॉस्टल मालिक ने फंदे पर लटका देख पुलिस को बुलाया।

2 हजार करोड़ की जीएसटी चोरी मामला

मिराज ग्रुप के सीएमडी मदनलाल पालीवाल को सशर्त जमानत

उदयपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। मिराज ग्रुप से जुड़े 2 हजार करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी के मामले में आर्थिक अपराध मामलों की विशेष अदालत (एसीजेएम कोर्ट) ने सीएमडी मदनलाल पालीवाल और प्रकाशचन्द्र पुरोहित को सशर्त जमानत दे दी है। अदालत ने दोनों आरोपियों को निर्देश दिए हैं कि वे बिना अनुमति देश नहीं छोड़ेंगे और अनुसंधान अधिकारी को जांच में पूरा सहयोग देंगे।

कैसे उलझे आरोपी?

विशेष आर्थिक अपराध न्यायालय ने 3 अगस्त 2024 को मामले में प्रसंज्ञान लेते हुए आरोपियों के गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे। सैशन कोर्ट ने इन्हें जमानती वारंट में बदलने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद दोनों आरोपी हाईकोर्ट पहुंचे।

हाईकोर्ट से मिली राहत

आरोपियों की ओर से पेश अधिवक्ता दीपक चौहान ने कोर्ट में दलील दी कि गैर-जमानती वारंट जारी करना अनुचित है क्योंकि आरोपी जांच में सहयोग को तैयार हैं। इस पर हाईकोर्ट ने गैर-जमानती वारंट को जमानती वारंट में बदलने के आदेश दिए। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि आरोपी निश्चित समय में ट्रायल कोर्ट के समक्ष उपस्थित होंगे, तो उन्हें हिरासत में नहीं माना जाएगा।

जीएसटी इंटेलिजेंस का विरोध

जब आरोपी नियमित जमानत के लिए कोर्ट पहुंचे, तो जीएसटी इंटेलिजेंस विभाग ने कड़ा विरोध दर्ज कराया। विभाग ने बताया कि फर्जी फर्मों के नाम पर पैकेजिंग सामग्री की आपूर्ति कर कच्चा माल मिराज प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड तक पहुंचाया गया, जिससे हजारों करोड़ रुपये की कर चोरी हुई।

अब अदालत के निर्देशों के तहत आरोपी जांच में सहयोग करेंगे और कोर्ट की अनुमति के बिना देश नहीं छोड़ सकेंगे। यह देखना दिलचस्प होगा कि आर्थिक अपराध विभाग की आगे की जांच में क्या खुलासे होते हैं और क्या आरोपी दोषी साबित होते हैं या राहत पाते हैं।

चित्तौड़गढ़ में महिला सहायक वनपाल ट्रेप

7 लाख के बिल की एवज में 14 हजार की रिश्वत मांगी, रेंजर और सहायक वनपाल भी पकड़े जा चुके

कोटा, 25 मार्च (एजेंसियां)। एंटी करप्शन ब्यूरो कोटा (स्पेशल टीम) ने चित्तौड़गढ़ में एक और सहायक वनपाल को पकड़ा है। महिला सहायक वनपाल पुष्पा कवर रिवादी से 2 प्रतिशत कमीशन की डिमांड कर रही थी। फर्म की ओर से महिला सहायक वनपाल के क्षेत्र में 7 लाख का काम किया गया था। जिसकी एवज में 14 हजार की रिश्वत की डिमांड की थी।

एसीबी की टीम ने रिश्वत लेने के आरोप में अब तक तीन को गिरफ्तार किया है, जिनमें बोराव रेंजर राजेंद्र चौधरी,सहायक वनपाल राजेंद्र मीणा और पुष्पा कंवर शामिल है। एडिशनल एसपी मुकुल शर्मा ने बताया- रिश्वत मांगने के मामले में अब तक तीन को गिरफ्तार किया गया है। तीनों को आज चित्तौड़गढ़ कोर्ट में पेश किया जाना है। चित्तौड़गढ़ में एसीबी की नई कोर्ट खुली है। कोर्ट में ये पहला केस होगा। वही एसीबी की टीम रेंजर राजेंद्र चौधरी,सहायक वनपाल के घरों की तलाशी में जुटी है।

राजस्थान विधानसभा में अटके 4 बिल

> विपक्ष के साथ सत्ता पक्ष ने भी किया कोचिंग बिल का विरोध

जयपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। 31 जनवरी से शुरू हुआ राजस्थान विधानसभा का सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया है। इस पूरे सत्र में राज्य सरकार 14 बिल लेकर आई थी लेकिन सदन में 10 बिल ही पारित हो सके। लंबी चर्चा और विरोध के बाद तीन विधेयकों को पुनर्विचार के लिए प्रवर समिति के पास भेजना पड़ा। इनमें भू-जल प्रबंधन संबधी विधेयक, राजस्थान भू राजस्व संशोधन विधेयक और राजस्थान कोचिंग सेंटर विधेयक शामिल हैं। धर्मांतरण बिल भी पेश करने के बयान सत्ता पक्ष के नेताओं की ओर से दिए गए थे लेकिन इस विधेयक को सत्र के दौरान पेश नहीं किया गया। ऐसे में कुल चार विधेयक फिलहाल पारित होने से अटक गए हैं।

सत्ता पक्ष के सदस्यों ने किया कोचिंग सेंटर बिल का विरोध

इस सत्र के अंतिम दिन सोमवार 24 मार्च को कोचिंग सेंटर बिल पर चर्चा हुई थी। चर्चा के दौरान केवल विपक्ष ही नहीं बल्कि सत्ता पक्ष के सदस्यों ने भी इस बिल का विरोध किया। जयपुर की मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक कालीचरण सराफ और सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने सरकार के इस पर सवाल उठाए। साथ ही सत्ता और विपक्ष के कई सदस्यों ने इस बिल का विरोध करते हुए पुनर्विचार की बात कई। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने इस विधेयक को पुनर्विचार के लिए प्रवर समिति को भेजने का निर्णय सुनाया।

राजस्थान से बाहर चले जाएंगे कोचिंग संस्थान-सराफ

भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री और मालवीय नगर से विधायक कालीचरण सराफ ने कहा कि अगर यह बिल मौजूदा परिस्थिति में पारित हो गया तो राजस्थान के कोचिंग सेंटर प्रदेश से बाहर चले जाने को मजबूर हो जाएंगे। इंस्पेक्टर राज को बढ़ावा मिलेगा और प्रदेश के हजारों निजी शिक्षक बेरोजगार हो जाएंगे। सराफ ने कहा कि कोचिंग सेंटर बिल में केंद्र सरकारी की ओर से जारी की गई गाइडलाइन की पालना नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में कोचिंग सेंटर के कारण करोड़ों रुपए का कारोबार चलता है। यह बिल पारित हुआ तो करोड़ों का कारोबार खत्म हो जाएगा।

ऑनलाइन कोचिंग का प्रावधान ही भूल गई सरकार

विपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने कहा कि इस बिल में सरकार ने कई खामियां छोड़ दी है क्योंकि भाजपा नेताओं के बच्चे को विदेशों में पढ़ते हैं। अब गरीबों के बच्चे कहां जाएंगे। पेश किए गए बिल में आत्महत्या किए जाने वाले प्रकरणों को नजरअंदाज कर दिया गया। आजकल ऑनलाइन कोचिंग का जमाना है।

नई यूनिफार्म खरीदने के लिए छात्रों के खाते में जमा होंगे रुपये

100 करोड़ ट्रांसफर करेंगे सीएम

जयपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। राज्य सरकार सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों को यूनिफार्म सिलवाने के लिए उनके खातों में जल्द ही राशि ट्रांसफर करने जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 27 मार्च को लगभग 100 करोड़ रुपए डीबीटी के जरिए बच्चों के खातों में सीधे ट्रांसफर करेंगे। राज्य सरकार की बजट घोषणा के क्रियान्वयन के संबंध में शिक्षा विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। यह राशि डीबीटी योजना के जरिए विद्यार्थियों के बैंक खाते में जमा होगी। राज्यभर में 12 लाख 94 हजार 645 छात्राओं को भी निःशुल्क यूनिफॉर्म का लाभ मिलेगा। करीब 8 महीने के इंतजार के बाद राजकीय स्कूलों में पढ़ने वाले कक्षा 1 से 8 तक के सभी छात्रों व कक्षा 9 से 12वीं की छात्राओं को यूनिफॉर्म और बैग्स के लिए 800 रुपए मिलेंगे। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद की आयुक्त अनुपमा जोरवाल ने इस संबंध में सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

गौरतलब है कि पिछली गहलोत सरकार के दौरान बच्चों को फ्री में यूनिफॉर्म देने की योजना राज्य भर में लागू की गई थी। इस दौरान सरकारी विद्यालयों के कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों को निःशुल्क यूनिफॉर्म फैब्रिक के दो सेट उपलब्ध करने की योजना थी और फिर यूनिफॉर्म की सिलाई के लिए छात्रों को 200 रुपए का भुगतान करने का फैसला लिया गया था। अब सीधे ही 800 रुपए प्रति विद्यार्थी के खाते में जमा कराए जाने की योजना लागू की गई है।

टीबी उन्मूलन में राजस्थान को राष्ट्रीय पुरस्कार

> टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान में मिला तीसरा स्थान

जयपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। विश्व टीबी दिवस-2025 के अवसर पर राजस्थान को टीबी उन्मूलन की दिशा में किए गए विशेष प्रयासों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित गरिमामय समारोह में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने राजस्थान को टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान में देश में तीसरे स्थान पर रहने पर राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ एवं मिशन निदेशक डॉ. भारती दीक्षित ने यह पुरस्कार प्राप्त किया। समारोह में राज्य टीबी अधिकारी डॉ. पुरुषोत्तम सोनी, टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के नोडल अधिकारी डॉ.एसएन धौलपुरिया भी उपस्थित रहे। केंद्रीय मंत्री श्री नड्डा ने राजस्थान में टीबी उन्मूलन की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ किए जा रहे प्रयासों एवं उपलब्धियों को सराहा। उन्होंने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान और टीबी मुक्त ग्राम पंचायत जैसी महत्वपूर्ण पहल को साकार रूप देने में राजस्थान ने उल्लेखनीय कार्य किया है। प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के तहत वर्ष 2024 में राजस्थान की 3,355 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया गया है, जबकि वर्ष 2023 में यह संख्या 586 थी।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत राजस्थान में अब तक 19 हजार से अधिक निक्षय मित्र (समुदाय समर्थक) जोड़े जा चुके हैं। सांसदों और विधायकों की भागीदारी से अभियान को सामुदायिक स्तर पर सशक्त किया गया है। श्रीमती राठौड़ ने बताया कि भारत सरकार ने 7 दिसंबर 2024 से 17 मार्च 2025 तक 100 दिवसीय गहन टीबी उन्मूलन अभियान शुरू किया था। इसका उद्देश्य टीबी निदान और उपचार सेवाओं को सशक्त करना था। यह अभियान 33 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 347 चिन्हित जिलों में आयोजित किया गया, जिसमें राजस्थान के 5 जिले (बारां, हनुमानगढ़, झालावाड़, कोटा और राजसमंद) शामिल थे। इन 5 जिलों में समुदाय स्तर पर 734 निक्षय कैंप आयोजित किए और 8.84 लाख व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की गई।

सुरक्षित यात्रा को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय शुरू

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने शहर और उपनगरीय खंडों में यात्रा करने वाले यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में अतिरिक्त उपाय शुरू किए हैं। जीएम, एससीआर अरुण कुमार जैन ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश जारी किए। उन्होंने अधिकारियों को बिना किसी समझौते के सभी उपायों को लागू करने की सलाह दी। ट्रेनों में, विशेष रूप से महिला डिब्बों और एमएमटीएस ट्रेनों में अधिक महिला रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) कर्मचारियों को तैनात करने का निर्णय लिया गया है, एमएमटीएस ट्रेनों में आरपीएफ और जीआरपी कर्मियों द्वारा नियमित गश्त सुनिश्चित करना, विशेष रूप से देर रात और सुबह के समय। एमएमटीएस ट्रेनों सहित सभी महिला डिब्बों में और प्रमुख स्थानों पर आपातकालीन नंबर प्रदर्शित करने का भी निर्णय लिया गया है। रेलवे स्टेशनों पर सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से नियमित घोषणाओं, रेलवे परिसर में पोस्टर लगाने और

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रासंगिक जानकारी साझा करने के माध्यम से जागरूकता अभियान शुरू करना ताकि यात्रियों को सुरक्षा उपायों, हेल्पलाइन नंबरों और संदिग्ध व्यवहार की रिपोर्ट करने के बारे में शिक्षित किया जा सके। महिलाओं के खिलाफ अपराधों की तत्काल प्रतिक्रिया और जांच के लिए संयुक्त कार्य बल बनाने, आरपीएफ और जीआरपी कर्मियों के बीच समन्वय को मजबूत करने का भी निर्णय लिया गया है। मेरी सहेली टीमों को एमएमटीएस ट्रेनों में घूमने और महिला यात्रियों को प्रभावित करने वाली सुरक्षा कमजोरियों का गहन विश्लेषण करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें एमएमटीएस सेक्शन के साथ-साथ उच्च जोखिम वाले मार्गों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सभी स्टेशन अधिकारियों द्वारा कमजोर ट्रेनों/सेक्शनों की अनिवार्य जांच और अनुरक्षण, शिकायतों और अपराध इतिहास के आधार पर यादृच्छिक ट्रेनों में सादे कपड़ों में अधिकारियों की तैनाती लागू की जाएगी। शराबी यात्रियों और महिला कोचों में यात्रा करने वाले पुरुषों की जांच और उन्हें हटाने के लिए रेलवे अधिनियम के तहत लगातार अभियान चलाने का भी निर्णय लिया गया है। अपराध को रोकने के लिए ट्रेनों और स्टेशनों पर अच्छी रोशनी सुनिश्चित करें। सभी कर्मचारियों को उन कोचों पर कड़ी नजर रखने का निर्देश देना जहां अकेली महिला यात्री यात्रा करती हैं और उन्हें निवारक सुरक्षा उपायों के बारे में जागरूक करना। महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने के लिए भविष्य की योजनाएं सभी डिब्बों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, जिनकी निगरानी आरपीएफ/जीआरपी कर्मियों द्वारा की जा सके। यात्रियों को सुरक्षा संदेश और महत्वपूर्ण सुरक्षा जानकारी देने के लिए ट्रेनों के अंदर डिस्प्ले स्क्रीन लगाई जाएं। हर महिला कोच में आसानी से पहुंचने योग्य पैनिक बटन लगाए जाएं, जो कंट्रोल रूम और ट्रेन गार्ड से जुड़े हों। मौजूदा सुरक्षा हेल्पलाइन 139 को वन-टैप एसओएस विकल्प वाले मोबाइल ऐप से जोड़ने की संभावना तलाशी जाए।

दुर्घटना में महिला घायल

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को बालानगर के आईडीपीएल क्रॉस रोड पर एक महिला पैदल यात्री घायल हो गई, जब 35 वर्षीय व्यक्ति द्वारा लापरवाही से चलाई जा रही कार ने उसे टक्कर मार दी। दुर्घटना का कारण संभवतः शराब के नशे में गाड़ी चलाना और तेज गति से वाहन चलाना माना जा रहा है। दुर्घटना उस समय हुई जब बालकमपेट निवासी जी अनिल (35) कार चला रहे थे और मोइनाबाद से बालानगर की ओर जा रहे थे।

पुलिस के अनुसार, आईडीपीएल जंक्शन पर पहुंचते ही कार चालक ने नियंत्रण खो दिया और महिला को टक्कर मार दी। टक्कर के कारण पीड़िता को चोटें आईं।

सूचना मिलते ही बालानगर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाया। उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। इसके बाद अनिल को फतेहनगर जंक्शन पर ट्रैफिक पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि अनिल मोइनाबाद स्थित एक फार्म हाउस में आयोजित समारोह से लौट रहा था और शराब के नशे में गाड़ी चला रहा था।

सीईओ ने मतदाता सूची शुद्धिकरण पर राजनीतिक दलों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) सी. सुदर्शन रेड्डी ने आगामी चुनावों से पहले मतदाता सूची को शुद्ध करने के लिए चल रहे प्रयासों पर चर्चा करने के लिए मंगलवार को विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

सीईओ ने मतदाता सूचियों की सटीकता में सुधार करने के लिए पहलों की रूपरेखा तैयार की, जिसमें विसंगतियों को दूर करने और एक मजबूत चुनावी ढांचा सुनिश्चित करने के उपाय शामिल हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों से सुझाव आमंत्रित किए, जिसमें गेटेड समुदायों में मतदान केंद्र स्थापित करना, आधार को मतदाता पहचान पत्र से जोड़ना और मृतक मतदाताओं को सूची से हटाना शामिल था। सीईओ ने मतदाता नामांकन, जोड़ने और हटाने को नियंत्रित करने वाले कानूनी ढांचे का अवलोकन भी प्रदान किया। उन्होंने 17-18 वर्ष की आयु के पहली बार मतदाता बनने वाले युवाओं के पंजीकरण के महत्व पर जोर दिया और इस प्रयास में राजनीतिक दलों से सहयोग मांगा। बैठक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस), ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम), आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) (सीपीएम) के प्रतिनिधि शामिल हुए।

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं. eT-SrDME-WAT-303-2025

कार्य का नाम : 02 वर्षों की समयावधि हेतु वाल्टियर मण्डल के फ्रेट डिपो में वास्तविक समय के आधार पर डेटा की फीडिंग तथा FMM (यार्ड मॉड्यूल), FMM (सिकलाइन मॉड्यूल), FMM (ROH मॉड्यूल), FMM (एचआर एवं एडमिन मॉड्यूल) एवं FOIS एकीकरण जैसी आधारित सिस्टम पर जानकारी अपडेट करना।

कार्य की अनुमानित लागत (₹) : 2,70,12,881/, EMD (₹): 2,85,100/-, निविदा दस्तावेज की लागत (₹): 11,800/-, पूरा होने की अवधि : 02 (दो) वर्ष ।

निविदा बंद होने की अंतिम तिथि व समय : दिनांक - 31.03.2025 को 1500 बजे.

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

दृष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

सीनियर डिवीजनल मैकेनिकल इंजीनियर (फ्रेट), वाल्टियर

PR-1126/P/24-25

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

ई-निविदा सूचना सं. 10-2025 दि.25-03-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए वरिष्ठ विभागीय अभियंता/को-आर्ड./गुंटकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.-1, निविदा सं.- इएनजीजी-जीटीएल-कोआर्ड-1802, कार्य विवरण गुंटकल डिवीजन-गुंटकल स्टेशन- गुंटकल स्टेशन पर कोच वाटरिंग व्यवस्थाएं एवं तुरंत वाटरिंग सुविधाओं की वृध्दि का कार्य। विज्ञापित मूल्यः रु.8,54,25,297.63, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु. 5,77,100.00

क्रम सं.-2, निविदा सं.- इएनजीजी-जीटीएल-उत्तर-1803, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजन- एसडब्ल्यू । -एडीइएन/आरसी सब-डिवीजन के तहत कृष्णा-स्टेशन पर ओवरहेड वाटर टैन्क्स 2.25 लाख लीटर्स क्षमता युक्त आरसीसी टैंक का प्रावधान। एसडब्ल्यू ।।-नलवार-50,000 लीटर्स क्षमतायुक्त जीआरपी टैंक की व्यवस्था तथा एसडब्ल्यू ।।।-रायचुर-स्टेशन पर 2.25 लाख लीटर क्षमतायुक्त आरसीसी टैंक की व्यवस्था एवं जीएलआर के समीप 50,000 लीटर्स क्षमतायुक्त जीआरपी टैंक व्यवस्था। विज्ञापित मूल्य रु.4,19,05,798.74, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु.3,59,500.00

क्रम सं.-3, निविदा सं.- इएनजीजी-जीटीएल-पश्चिम-1804, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजन- (एसडब्ल्यू -।) - तिरुपति- टीपीटीवार्ड में खराब या डैमेज हुए वाटर पाइप लाइन की मरम्मत तथा (एसडब्ल्यू -।।)तिरुपति -टीपीटीवार्ड के सीएच:90/24 से 92/10 पर वार्ड ड्रेन की मरम्मत करना। विज्ञापित मूल्यः रु 83,77,928.69, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु.,1,67,600.00

क्रम सं.-4 निविदा सं.- इएनजीजी-जीटीएल-ब्रिजेस-1805, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजन-जीटीएल डिवीजन के बीआरआय/दक्षिण व बीआरआय/रेणिगुन्टा क्षेत्राधिकार के तहत बेयरिंग्स की जांच या इंसपेक्शन के लिए आरओबीज व्यवस्था तथा पीएससी गिर्डर्स पर क्रेडल व्यवस्था का प्रावधान। विज्ञापित मूल्यः रु 4,55,31,345.70, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु 3,77,700.00

क्रम सं.-5 निविदा सं.- इएनजीजी-जीटीएल-ब्रिजेस-1806, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजन-जीटीएल डिवीजन के बीआरआय/उत्तर व बीआरआय/मध्य क्षेत्राधिकार के तहत बेयरिंग्स की जांच या इंसपेक्शन के लिए आरओबीज व्यवस्था तथा पीएससी गिर्डर्स पर क्रेडल व्यवस्था का प्रावधान। विज्ञापित मूल्यः रु. 3,06,13,534.61 पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु. 3,03,100.00

क्रम सं.-6 निविदा सं.- इएनजीजी-जीटीएल-उत्तर-180%, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजन-एसडब्ल्यू-। -गुंटकल डिवीजनः डीइएन/ उत्तर क्षेत्राधिकार -जीवाय-डब्ल्यूडी, केएलयु-जीटीएल एण्ड बीएवाय-जीटीएल सेक्शन(अप एण्ड डाउन)-एडीइएन/नार्थ सब-डिवीजन्स के एसएस /पी.वे/ बीजी/जीटीएल, सेंट्रल/जीटीएल, बीएवाय सेक्शन्स में स्टेशन यार्ड लाइन्स सहित प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित ट्रैक रखरखाव कार्य। एसडब्ल्यू-।।-जीटीएल-वाडी(अप) -1.000किमी (अप 456 से 457 किमी) की लम्बाई के लिए पीएससी 6 स्लीपर पर नई 60किग्रा./आर260 रेल सहित इएक्सजी.60किग्रा./90यूटीएस रेल की रेल नवीकरण या रिन्युएल(प्राइमरी) से संबंधित टीआरआर(पी) कार्य। विज्ञापित मूल्यः रु 83,77,928.69, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु.,1,67,600.00

क्रम सं.-7 निविदा सं.- इएनजीजी-जीटीएल-उत्तर-1808, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजन- एसडब्ल्यू-। -गुंटकल डिवीजनः डीइएन/ उत्तर क्षेत्राधिकार -जीवाय-डब्ल्यूडी सेक्शन(अप एण्ड डाउन)- एडीइएन/एडी सब-डिवीजन्स के एसएस/पी.वे/ एडी, एमएएलएच सेक्शन्स में स्टेशन यार्ड लाइन्स सहित प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित ट्रैक रखरखाव कार्य। एसडब्ल्यू-।।-जीटीएल-वाडी(अप) -1.64किमी (अप 477.360 से 4%9.000 किमी) की लम्बाई के लिए पीएससी 6 स्लीपर पर नई 60किग्रा./आर260 रेल सहित इएक्सजी.60किग्रा./90यूटीएस रेल की रेल नवीकरण या रिन्युएल(प्राइमरी) से संबंधित टीआरआर(पी) कार्य। एसडब्ल्यू-।।।-जीटीएल-वाडी(अप) -1.50किमी (अप 479.000 से 480.500 किमी) की लम्बाई के लिए पीएससी 6 स्लीपर पर नई 60किग्रा./आर260 रेल सहित इएक्सजी.60किग्रा./90यूटीएस रेल की रेल नवीकरण या रिन्युएल(प्राइमरी) से संबंधित टीआरआर(पी) कार्य। एसडब्ल्यू-IV-जीटीएल-वाडी(अप) -0.77किमी (अप 480.500 से 481.270 किमी) की लम्बाई के लिए पीएससी 6 स्लीपर पर नई 60किग्रा./आर260 रेल सहित इएक्सजी.60किग्रा./90यूटीएस रेल की रेल नवीकरण या रिन्युएल(प्राइमरी) से संबंधित टीआरआर(पी) कार्य। एसडब्ल्यू-V-जीटीएल-वाडी(अप) -0.145किमी (अप 538.260 से 538.405 किमी) की लम्बाई के लिए पीएससी 6 स्लीपर पर नई 60किग्रा./आर260 रेल सहित इएक्सजी.60किग्रा./90यूटीएस रेल की रेल नवीकरण या रिन्युएल(प्राइमरी) से संबंधित टीआरआर(पी) कार्य। विज्ञापित मूल्यः रु. 3,69,13,179.75, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु. 3,34,600.00

क्रम सं.8, निविदा सं.- इएनजीजी-जीटीएल-उत्तर-1809, कार्य विवरण गुन्टकल डिवीजनः डीइएन/उत्तर क्षेत्राधिकार जीवाय-डब्ल्यूडी सेक्शन (अप/डाउन) - एडीइएन/आरसी सब-डिवीजन्स के एसएसइ/पी.वे/आरसी एण्ड वायजी सेक्शन्स में स्टेशन यार्ड लाइन्स सहित प्रस्तावित सुरक्षा से संबंधित ट्रैक रखरखाव कार्य। विज्ञापित मूल्यः रु. 3,29,35,535.78, पूधराः रु 3,14,700.00

बंद करने की तिथि व समयः 22.04.2025 के 15-00 बजे

किसी भी शुद्धिपत्र को, केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा

विभागीय रेल प्रबंधक, कार्य गुन्टकल

A0383

निविदा शर्तों/ तत्संबंधित अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः www.ireps.gov.in या http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

सीपी ने पुलिसकर्मियों को वित्तीय सहायता प्रदान की

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा सीपी सुधीर बाबू ने मृतक राचकोंडा पुलिसकर्मियों के परिवारों को सुरक्षा से लेकर वित्तीय सहायता प्रदान की। इस अवसर पर कॉन्स्टेबल हरीश बाबू के परिवार के सदस्यों को सुरक्षा जांच सौंपी गई, जिनकी राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय के तहत अब्दुल्लापुर मेट पुलिस स्टेशन में काम करते समय बीमारी से मृत्यु हो गई थी, और अंबर पेटा के सशस्त्र मुख्यालय कांस्टेबल बालकृष्ण, जिनकी दुर्घटनावश मृत्यु हो गई थी, एलबी नगर में राचकोंडा कैंप कार्यालय में सुरक्षा जांच सौंपी गई।

सिपाही हरीश बाबू की पत्नी प्रियंका को तीन लाख निन्यानबे हजार एक सौ साठ, दो नाबालिग बच्चों चेरी को दो लाख, बालकृष्ण के पिता सत्तैया को तीन लाख निन्यानवे हजार एक सौ साठ और मां जयम्मा को तीन लाख निन्यानवे हजार एक सौ साठ रुपये के चेक सुरक्षा मद से दिए गए। सीपी ने उनका हालचाल जाना और मंत्रालयिक कर्मचारियों को उचित कदम उठाने के निर्देश दिए ताकि उन्हें मिलने वाली पेंशन जल्द मिल सके। इस कार्यक्रम में रचाकोंडा एडिशनल डीसीपी एडमिन शिवकुमार, पुलिस ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सीएच.भद्रा रेड्डी एवं परिवार के सदस्यों ने भाग लिया।

भद्राचलम संग्रहालय के माध्यम से आदिवासी उत्पादों का विपणन : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास, सूचना और जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि भद्राचलम में आदिवासी संग्रहालय की स्थापना के साथ, आदिवासियों की समृद्ध संस्कृति और विरासत को दुनिया के साथ साझा करने का अधिक अवसर मिला है। मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने पंचायत राज और ग्रामीण विकास मंत्री सीतक्का के साथ मंगलवार को यहां विधानसभा परिसर में भद्राचलम आदिवासी संग्रहालय की एक विवरणिका का अनावरण किया। इस अवसर पर बोलते हुए, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि भद्राचलम संग्रहालय आदिवासी परंपराओं, बोलियों, जीवन शैली, हस्तशिल्प, लोकगीतों और रीति-रिवाजों को प्रदर्शित करने के लिए उपयोगी होगा। उन्होंने घोषणा की कि संग्रहालय का उद्घाटन मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा भद्राचलम में श्रीराम नवमी समारोह के अवसर पर किया जाएगा। भद्राचलम में श्री सीता रामचंद्र स्वामी मंदिर एक पवित्र स्थल के रूप में प्रसिद्ध है, जो देश भर से भक्तों को आकर्षित करता है जो दर्शन के लिए आते हैं। पोंगुलेटी ने कहा कि जनजातीय संग्रहालय की स्थापना से भद्राचलम की पर्यटन स्थल के रूप में अपील बढ़ने की उम्मीद है, जिससे स्थानीय आदिवासी समुदाय के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

राजीव युवा विकास योजना के लिए लंबित राशन कार्ड के कारण युवा अयोग्य

संगारेड्डी, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार की यह शर्त कि राजीव युवा विकास योजना के लिए आवेदन करने हेतु राशन कार्ड अनिवार्य है, कई युवाओं को इस योजना के लिए अपात्र बना रही है। स्वरोजगार शुरू करने की योजना बनाने वाले युवाओं को सहायता देने के उद्देश्य से शुरू की गई इस योजना के तहत राज्य सरकार 4 लाख रुपये तक का ऋण दे रही है, जिसमें अधिकतम 100 प्रतिशत और न्यूनतम 60 प्रतिशत सब्सिडी दी जा रही है। हालांकि, सरकार ने लाभ के लिए आवेदन करने के लिए राशन कार्ड का होना अनिवार्य कर दिया है।

राज्य सरकार के अनुसार, प्रजा पालना कार्यक्रम के दौरान उसे पूरे राज्य में नए राशन कार्ड के लिए 10 लाख से ज़्यादा आवेदन मिले थे, जबकि 18 लाख से ज़्यादा लोगों ने मौजूदा कार्ड में नाम जोड़ने के लिए आवेदन किया था। अकेले संगारेड्डी ज़िले में नए राशन कार्ड के लिए 85,000 आवेदन लंबित थे, जबकि ज़िले में पहले से ही 3.52 लाख सफ़ेद राशन कार्ड और 26,000 अंत्योदय अन्न योजना राशन कार्ड थे। जबकि सरकार ने लाभ के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 5 अप्रैल तय की थी, जो 17 मार्च से शुरू होगी, लेकिन उससे पहले नए राशन कार्ड वितरित किए जाने के कोई संकेत नहीं हैं।

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग के गरीब युवा सरकार से इस योजना के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि बढ़ाने का आग्रह कर रहे हैं। उन्होंने सरकार से पहले राशन कार्ड जारी करने और बाद में राजीव युवा विकास के लिए आवेदन लेने का आग्रह किया। सरकार ने इस योजना के लिए 6,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जिसके तहत 119 विधानसभा क्षेत्रों में से प्रत्येक में कम से कम 4,000 युवाओं को सब्सिडी वाले ऋण दिए जाएंगे।

जोगीपेट के मूल निवासी बी अशोक ने कहा कि उनमें से कई लोग इस योजना के लिए आवेदन करने के लिए अयोग्य पाए गए क्योंकि उनके पास राशन कार्ड नहीं थे।

पूर्व एंडोले विधायक चंति क्रांति किरण ने सरकार से इन युवाओं के अनुरोध पर विचार करने की मांग की, ऐसा न करने पर वे उनके साथ न्याय करने के लिए विरोध प्रदर्शन करेंगे।

मिनी-माल वाहन नदी में गिरने से 15 मजदूर घायल

कोत्तागुडेम, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के जुलुरुपडु मंडल के बेतलापडु में मंगलवार को एक मिनी माल वाहन के पेद्दावगु नदी में गिर जाने से 15 मजदूर घायल हो गए, जिनमें से तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना तब हुई जब वाहन का टायर फट गया, जिसके कारण वाहन चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और वाहन नदी के पुल से नदी में गिर गया। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के समय वाहन में करीब 25 से 30 मजदूर सवार थे।

चिपुरूडेगम से मजदूर गुंडेपुडी में काम करने जा रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची, घायलों को कोत्तागुडेम के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया और ट्रैक्टर की मदद से वाहन को बाहर निकाला गया।

कोत्तागुडेम में उपद्रवियों ने कारों में लगा दी आग

कोत्तागुडेम, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एक अज्ञात बदमाश ने मंगलवार तड़के पूर्व एससीसीएल कर्मचारी अधिवक्ता जीके संपत की कार में आग लगा दी। सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई इस घटना में हुड वाली जैकेट पहने एक युवक कार पर पेट्रोल छिड़ककर उसे आग लगाता हुआ दिखाई दे रहा है। कार रामावरम इलाके में वकील एससीबी नागर के घर के बाहर खुले मैदान में खड़ी थी।

कार में आग लगते देख अधिवक्ता ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी, जिसके बाद दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और आग बुझाई। जब तक फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची, तब तक संपत की कार और उसके बगल में खड़ी कार पूरी तरह जल चुकी थी। बदमाशों का मकसद अज्ञात है और घटना के संबंध में दो-शहर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है।

खम्मम में इसी तरह की एक घटना में, सथुपल्ली मंडल के बाथुपल्ली गांव में चांद पाशा नामक व्यक्ति की जीप को अज्ञात बदमाशों ने आग के हवाले कर दिया। स्थानीय पुलिस को दी गई शिकायत में उन्होंने कहा कि कुछ लोग एक कार में सवार होकर आए और उन्होंने गाड़ी पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी और मौके से भाग गए।

कांस्टेबल पर बाइक सवार ने किया हमला

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स में मंगलवार को एक पुलिस कांस्टेबल पर एक व्यक्ति ने कथित तौर पर हमला कर दिया, जब उसने कांस्टेबल को बाइक रेसिंग और कार से टक्कर मारने के आरोप में पकड़ा था। यह घटना उस समय घटी जब कथित बाइक रेसर मोहम्मद खाजा ने ओमेगा हॉस्पिटल के पास सामने आ रही एक कार को टक्कर मार दी। खाजा और कार चालक के बीच सड़क पर बहस हो गई। इसी दौरान कांस्टेबल श्रीकांत ने बीच-बचाव किया और दोनों पक्षों को शांत करने की कोशिश की।

हालांकि, खाजा ने कथित तौर पर श्रीकांत को गाली देना शुरू कर दिया, जिसके कारण उनके बीच बहस हो गई। तीखी बहस के बाद, खाजा ने शराब की बोतल पकड़ी और श्रीकांत पर हमला कर दिया, जिससे कांस्टेबल को खून बहने लगा। श्रीकांत को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर है। खाजा को हिरासत में ले लिया गया है। बंजारा हिल्स पुलिस जांच कर रही है।

सातवाहन विश्वविद्यालय को मिले इंजीनियरिंग, लॉ कॉलेज

करीमनगर, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने सातवाहन विश्वविद्यालय को एक इंजीनियरिंग कॉलेज और एक लॉ कॉलेज स्वीकृत किया है। इस संबंध में सोमवार को सरकारी आदेश जारी किए गए। दोनों कॉलेज शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से संचालित किए जाएंगे। यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग हुस्नाबाद में स्थापित किया जाएगा, जबकि यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लॉ सातवाहन विश्वविद्यालय परिसर में होगा।

इंजीनियरिंग कॉलेज में चार बी.टेक कार्यक्रम होंगे जिनमें कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, सीएसई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग शामिल हैं।

भावसार विजन इंडिया की मीटिंग संपन्न

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भावसार विजन इण्डिया हैदराबाद क्षेत्र-104, द्वारा स्पीकर मीटिंग हिमायतनगर स्थित एलाईड आर्टिस्ट ऑडीटोरियम में रखी गयी। सबसे पहले हिंगुलाज माता का पूजा अर्चना अध्यक्ष श्रीमती शीतल नीमकर, अश्विनी पतंगे द्वारा किया गया। इसके बाद श्यामजी सूत्रावे और राम विक्रम रेड्डी ने बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की, जिससे वित्तीय साक्षरता के बारे में हमारी समझ और गहरी हुई। मुख्य अतिथि पद्माकर भरडे (पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष) और गोपाल बल्दवा सामाजिक कार्यकर्ता, डॉ. प्रशांत नीमकर, मोहन राव देवथराज जी गवर्नर एरिया 104 और राकेश गीते डिप्टी गवर्नर प्रवीण पतंगे, गवर्नर अंबासडर, शंकर आसतुकर (मंत्री) ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम संचालन श्रीमती अशविनी पतंगे ने किया।

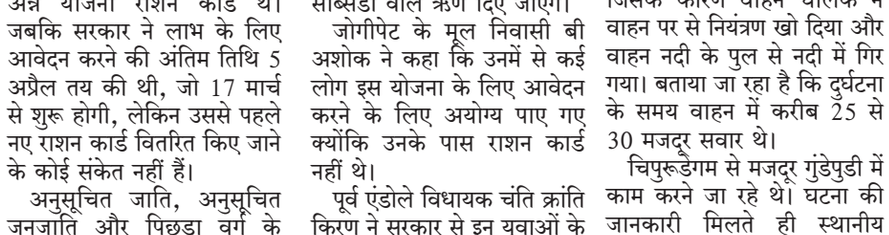

कुमावत समाज ज्ञानबाग कॉलोनी, हैदराबाद-सिकन्दराबाद के अध्यक्ष रूपाराम भोपा, आप और हम के अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत, कानाराम हांगर, नारायणलाल घोड़ावड़, तुलचाराम ऐकलिया, थानाराम हिन्दड़, रामकिशोर भड़लीवाल, सोहनलाल मानणिया, मदनलाल दुबलदिया को कुमावत समाज विकास संस्थान, बिबवेवाड़ी (पुणे) से आए बाबुलाल चांदोरा, राजूराम माल, प्रवीण मावर, रिंकेश मावर, सुनील खरनालिया ने पुणे में 14 अप्रैल को होने वाली श्री राधाकृष्ण मंदिर, श्री जगदगुरु केवलरामाचार्यजी मंदिर व श्री कुबाजी महाराज मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण दिया।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण में हिंदी कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण बेगमपेट हवाईअड्डा में एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। मानव संसाधन एवं प्रशासनिक कार्यों से जुड़े अन्य विभागों के अधिकारियों के लिए आयोजित इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य कंठस्थ के माध्यम से राजभाषा का अधिकाधिक प्रयोग सुनिश्चित करना है।

कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए महाप्रबंधक समन्वय प्रभारी वरूदु वी राव ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य कंठस्थ के माध्यम से हिंदी पत्राचार को बढ़ावा देना तथा प्राशासनिक कार्यों से जुड़े अधिकारियों द्वारा इसका प्रयोग व्यापक कराना है। उन्होंने बताया कि राजभाषा विभाग के सौजन्य से विकसित कंठस्थ पर आयोजित यह कार्यशाला द्वारा हिंदी का प्रयोग और अधिक सुगम एवं सरल होगा। आपने कहा कि इस टूल के नियमित प्रयोग से हिंदी का सटीक अनुवाद तथा आवशयकता अनुसार भविष्य में भी समान इसका प्रयोग किया जा सकता है।

श्री राव ने कार्यशाला के अतिथि वक्ता डॉ. राजनारायण अवस्थी का स्वागत करते हुए आशा व्यक्त कि की इस क्षेत्र में आपका अनुभव तथा प्रेरणादायी कार्यशैली से यह कार्यशाला लाभन्वित होगी।

रमेश प्रसाद मिश्र, हिंदी अधिकारी पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा प्रथम सत्र में कंठस्थ पर विस्तारपूर्वक प्रस्तुति दी गयी। द्वितीय सत्र में हिंदी टिप्पण एवं आलेखन पर व्याख्यान दिया गया। तृतीय सत्र में डॉ. राजनारायण अवस्थी ने संसदीय राजभाषा समिति निरीक्षण पर व्याख्यान दिया गया। चतुर्थ एवं अंतिम सत्र में प्रशासनिक शब्दावली पर प्रकाश डाला गया। अवसर पर शुक्ला उपेंद्र कुमार, राजभाषा कर्मि ने केंद्र सरकार द्वारा ज्ञानपीठ पुरस्कार के लिए चुना गए प्रसिद्ध हिंदी कवि और लेखक विनोद कुमार शुक्ल के साहित्य की जानकारी दी। आकाश धरती को खटकता है और कविता से लंबी कविता का वीडियों दर्शाया गया।

महाप्रबंधक, अनुसंधान अपूर्व जैन ने स्टेशन पर जारी राजभाषा कार्यान्वयन पर प्रकाश डाला। इससे पूर्व कार्यशाला का उद्घाटन हिंदी भारत मां की बिंदी गीत से किया गया। अवसर पर श्रीमति प्रसिल्ला प्रिया, संयुक्त महाप्रबंधक, मानव संसाधन ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया जबकि गोपकुमार, महाप्रबंधक वियानि द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला संपन्न हुआ। कार्यशाला में कुल 36 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईपीएल 2025 : ऑरेंज कैप की रेस टॉप-10 में 5 भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में अब तक चार मैच खेले गए हैं और रनों की बरसात देखने को मिली है। इसके साथ ही आईपीएल में ऑरेंज कैप की रेस शुरू हो गई है। खास बात यह है कि इस रेस में टॉप-10 में 5 भारतीय बल्लेबाज और 5 विदेशी खिलाड़ी हैं। रन चेज मशीन के नाम से मशहूर विराट कोहली अपने पहले मैच में 59 रनों की पारी के साथ 9वें नंबर पर बने हुए हैं। विराट कोहली साल 2024 में टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। विराट ने 15 मैचों में 741 रन बनाए। विराट ने पिछले साल एक सेंचुरी भी लगाई और उनका उच्चतम स्कोर 113 था।

विराट ने टूर्नामेंट में 5 हाफ सेंचुरी लगाई। 62 चौके और 38 छक्के भी जड़े थे। 2025 की शुरुआत विराट ने 59 रनों की शानदार पारी खेलकर की है। चूंकि, अभी यह टूर्नामेंट का शुरुआती स्टेज है, उम्मीद है कि वह 9वें पायदान से लंबी छलांग लगाएंगे। चलिए जानते हैं कि टॉप-10 में कौन सा क्रिकेटर लीड कर रहा है। सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ऑरेंज कैप की रेस में टॉप पर हैं। उन्होंने हैदराबाद के लिए राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले मैच में तूफानी शतक लगाया था। 106 रनों की पारी के साथ वह नंबर-1 के पायदान पर बने हुए हैं। दूसरे नंबर पर लखनऊ सुपर जायंट्स के निकोलस पूरन हैं, जिन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 75 रन की पारी खेली थी। तीसरे नंबर पर लखनऊ सुपर जायंट्स के मिचेल मार्श हैं, जिन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 72 रनों की पारी खेली थी। चौथे नंबर पर राजस्थान रॉयल्स के ध्रुव जुरेल हैं, जिन्होंने अपने पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 70 रनों की पारी खेली थी। पांचवें नंबर पर सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड हैं, जिन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 67 रनों की पारी खेली थी। छठे नंबर पर दिल्ली कैपिटल्स के आशुतोष शर्मा हैं, जिन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 66 रनों की पारी खेली थी।

सातवें नंबर पर संजू सैमसन हैं, जिन्होंने टूर्नामेंट के पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 66 रनों की पारी खेली थी। आठवें नंबर पर चेन्नई सुपर किंग्स के सलामी बल्लेबाज रचिन रवींद्र हैं, जिन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 65 रनों की पारी खेली थी। 9वें नंबर पर आरसीबी के विराट कोहली हैं, जिन्होंने कोलकाता के खिलाफ पहले मैच में 59 रनों की पारी खेली थी। 10वें नंबर पर आरसीबी के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट हैं, जिन्होंने कोलकाता के खिलाफ 56 रनों की पारी खेली थी।

टूटेगा गाबा क्रिकेट स्टेडियम ब्रिस्बेन

ब्रिस्बेन, 25 मार्च (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन स्थित गाबा का ऐतिहासिक मैदान 2032 के ओलिंपिक गेम्स के बाद ढहा दिया जाएगा। यह वही मैदान है, जहां भारतीय टीम ने 2021 में 32 साल से अजेय ऑस्ट्रेलिया को हराया था। गाबा क्रिकेट स्टेडियम ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम का गढ़ कहा जाता है। क्वींसलैंड स्टेट के प्रधानमंत्री डेविड क्रिस फुल्ली ने मंगलवार को ओलिंपिक के बुनियादी ढांचे के लिए नई योजनाओं की घोषणा की। इसके अनुसार, गाबा में होने वाला क्रिकेट ब्रिस्बेन के 60 हजार दर्शक क्षमता वाले विक्टोरिया पार्क में शिफ्ट किया जाएगा। जहां करीब 3.8 बिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की लागत से नया स्टेडियम बनने जा रहा है। इसी स्टेडियम में ओलिंपिक गेम्स के मुकाबले होंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पिछले साल अपने 7 साल के इंटरनेशनल वेन्यू का ऐलान किया था। तब गाबा को एशेज सीरीज के मैचों की मेजबानी दी गई थी। तब अनुमान लगाया गया था कि इस मैदान का रिनोवेशन किया जाएगा या इसे बदल दिया जाएगा।

आखिरी ओवर में आशुतोष ने दिखाया दम

9 विकेट गिरने के बाद भी दिल्ली को जिताया इम्पैक्ट प्लेयर की फिफ्टी से हारा लखनऊ

वाइजैग, 25 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल-18 के रोमांचक मुकाबले में लखनऊ सुपरजायंट्स को 1 विकेट से हरा दिया। टीम ने 20वें ओवर की तीसरी बॉल पर 210 रन का टारगेट हासिल कर लिया। इम्पैक्ट प्लेयर आशुतोष शर्मा ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई, वे 31 गेंद पर 66 रन बनाकर नॉटआउट रहे। आखिरी ओवर में दिल्ली को 6 रन चाहिए थे। शाहबाज अहमद बॉलिंग करने आए, उनकी पहली गेंद पर मोहित शर्मा स्टंप आउट होने से बचे। अगली गेंद पर मोहित ने सिंगल लिया और आशुतोष स्ट्राइक पर पहुंचे। आशुतोष ने तीसरी गेंद पर सामने की दिशा में छक्का लगाया और टीम को रोमांचक जीत दिला दी। विशाखापट्टनम में सोमवार को दिल्ली ने बॉलिंग चुनी।

लखनऊ ने 8 विकेट खोकर 209 रन बनाए। टीम से निकोलस पूरन ने 75 और मिचेल मार्श ने 72 रन बनाए। दिल्ली ने 9 विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया। विपराज निगम ने 15 गेंद पर 39 रन बनाए, उन्होंने आशुतोष के साथ 22 गेंद पर 55 रन की अहम पार्टनरशिप की थी।

प्लेयर ऑफ द मैच

इम्पैक्ट प्लेयर बनकर नंबर-7 पर उतरे आशुतोष शर्मा ने दिल्ली को संभाला। उन्होंने शुरुआती 18 गेंद पर 18 ही रन बनाए थे, यहां उन्हें विपराज निगम का साथ मिला। विपराज के साथ मिलकर उन्होंने 55 रन की अहम पार्टनरशिप की। निगम के आउट होने के बाद आशुतोष ने टीम को जीत दिलाने की जिम्मेदारी संभाली।

उन्होंने 5 छक्के और 5 चौके लगाकर 66 रन बनाए और टीम को जीत भी दिला दी।

आशुतोष ने शिखर धवन को समर्पित किया 'प्लेयर ऑफ द मैच' पुरस्कार, अपने 'गुरु' से वीडियो कॉल प्राप्त की

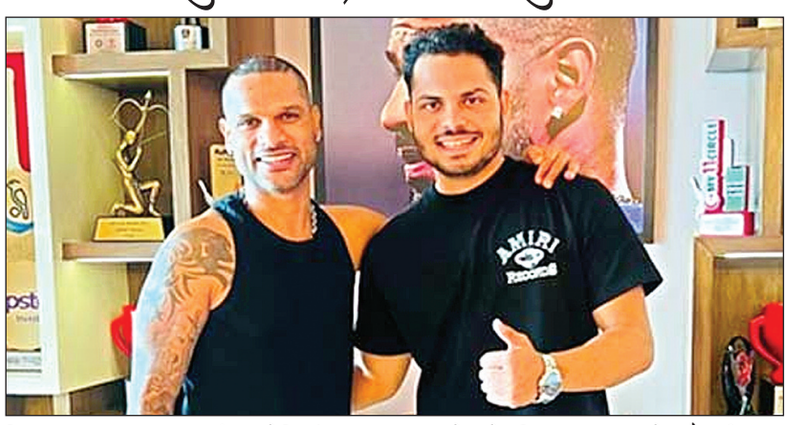

विशाखापत्तनम, 25 मार्च (एजेंसियां)। 66 रनों की शानदार नाबाद पारी के साथ लखनऊ सुपर जायंट्स पर दिल्ली कैपिटल्स को एक विकेट से रोमांचक जीत दिलाने के बाद, आशुतोष शर्मा ने अपना 'प्लेयर ऑफ द मैच' पुरस्कार अपने गुरु और भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को समर्पित किया। आशुतोष के लिए इस पल को और भी खास बनाने वाली बात थी धवन के साथ एक खास वीडियो कॉल, जिसका वीडियो दिल्ली कैपिटल्स ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया और वायरल हो गया। वह वास्तव में बहुत खुश थे। लव यू पाजी, आशुतोष ने डीसी द्वारा शेयर किए गए वीडियो में कहा। धवन और आशुतोष पिछले सीजन में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) में एक साथ खेले थे, इससे पहले कि पूर्व ने खेल से संन्यास की घोषणा की। धवन, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था, पंजाब किंग्स में उनके साथ रहने के दौरान आशुतोष के गुरु थे। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज, जो अपने नेतृत्व और संयम के लिए जाने जाते हैं, ने एक खिलाड़ी के रूप में आशुतोष के विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला। पंजाब किंग्स सेटअप से परे उनकी मेंटरशिप का विस्तार हुआ, जिसमें धवन के सकारात्मक प्रभाव ने कई युवा क्रिकेटरों के करियर को आकार दिया। आशुतोष ने 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुने जाने के बाद कहा,पिछले साल से सबक लिया। पिछले सीजन में कुछ मौकों पर खेल खत्म करने से चूक गया। पूरे साल मैंने ध्यान केंद्रित किया और इसकी कल्पना की। मुझे विश्वास था कि अगर मैं आखिरी ओवर तक खेलता हूं, तो कुछ भी हो सकता है। विप्रज ने अच्छा खेला। मैंने उसे हिट करते रहने के लिए कहा। वह दबाव में बहुत शांत था। मैं यह पुरस्कार अपने गुरु शिखर पाजी को समर्पित करना चाहता हूं। डीसी के कप्तान अक्षर पटेल ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। एलएसजी के सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम और मिशेल मार्श ने पावरप्ले ओवरों में बेहतरीन प्रदर्शन किया, इससे पहले मिचेल स्टार्क के डैथ ओवरों में शानदार प्रदर्शन ने डीसी को एलएसजी को 209/8 पर रोकने में मदद की। 210 रनों का पीछा करते हुए, इम्पैक्ट सब्सटीट्यूट के तौर पर आए आशुतोष ने 31 गेंदों पर नाबाद 66 रनों की पारी खेलकर मैच का रुख बदल दिया और डीसी को आईपीएल इतिहास में सबसे सफल रन चेज तक पहुंचाया।

विपराज के कोच बोले-वे पहले बैटर थे

बाद में एनसीए में बॉलर चुने गए; डीसी-एलएसजी मैच में दिल्ली से 15 गेंद में 39 रन बनाए

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल के 18वें सीजन में खेले गए चौथे मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को एक विकेट से हरा दिया। दिल्ली की जीत में आशुतोष शर्मा के साथ विपराज निगम ने भी अहम रोल निभाया। विपराज दिल्ली की पारी के दौरान जब नंबर-8 पर बल्लेबाजी करने उतरे तो टीम का स्कोर 113/6 था। उन्होंने तेजी से बल्लेबाजी की और महज 15 गेंद पर 39 रन की पारी खेल दी। विपराज ने मैच में 1 विकेट भी लिया। इस 20 साल के ऑलराउंडर ने उत्तर प्रदेश टी-20 लीग 2024 में लखनऊ फाल्कन्स के लिए खेलते हुए 12 मैच में 20 विकेट झटके थे। वे दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। हालांकि, विपराज ने करियर की शुरुआत बतौर बैटिंग-ऑलराउंडर की थी।

बारांबकी की यूथ क्रिकेट क्लब से की शुरुआत

यूपी के बाराबंकी के रहने वाले विपराज वहां के यूथ क्रिकेट क्लब में कोच सरवर नवाब के पास अभ्यास करते हैं। नवाब बताते हैं कि जब विपराज 10 साल के थे तब उनके पिता विजय निगम मेरे पास लेकर आए थे। विपराज के पिता टीचर हैं। विपराज शुरू से ही बैटिंग करते थे। साथ ही उन्हें स्पिन बॉलिंग में भी रुचि थी। अकादमी में हमारी भी कोशिश होती है कि बच्चे बैटिंग-बॉलिंग दोनों करें। उनका अंडर-14 यूपी टीम में सिलेक्शन भी बतौर बल्लेबाज ही हुआ था।

अंडर-19 में यूपी टीम से गेंदबाजी का मिला मौका

नवाब कहते हैं कि विपराज को अंडर-16 में बल्लेबाजी का मौका जोनल लेवल के टूर्नामेंट में नहीं मिल पाया। ऐसे में उनका सिलेक्शन जोनल टीम में नहीं हो पाया और इस वजह से वे स्टेट टीम में भी नहीं खेल सके। वहीं, अंडर-19 के ट्रायल के दौरान चयनकर्ताओं ने उनकी बॉलिंग स्किल को पहचाना और टीम में जगह दी। यही नहीं, यूपी अंडर-19 से वह गेंदबाजी करने लगे और वह उस समय बेस्ट बॉलर रहे। इस वजह से उनका नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) में भी चयन बतौर गेंदबाज के तौर पर हुआ। पिछले साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में यूपी के लिए विकेट लेने के साथ उन्होंने रन भी बनाए। वह पिछले साल यूपी प्रीमियर क्रिकेट लीग में दूसरे टॉप विकेट टेकर रहे।

गली-मोहल्ले में क्रिकेट खेलते हुए देखकर कोच के पास ले गए पिता

विपराज गली-मोहल्ले में बच्चों के साथ क्रिकेट खेलते थे। क्रिकेट में उनके इंटरेस्ट को देखते हुए उनके पिता विजय निगम बाराबंकी में क्रिकेट अकादमी के बारे में पता किया और कोच सरवर नवाब के पास ले गए। विजय के मुताबिक, विपराज जब 8 साल का था, तभी से गली-मोहल्ले में क्रिकेट खेलता था। उसकी क्रिकेट में रुचि ज्यादा थी। पढ़ने में वह नॉर्मल स्टूडेंट था। मैंने उनके इंटरेस्ट को

अंडर-23 नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप में हरियाणा टीम ने जीता गोल्ड

चंडीगढ़। असम के गुवाहाटी में हुई पहली अंडर 23 बास्केटबॉल प्रतियोगिता में हरियाणा की पुरुष वर्ग की टीम ने फाइनल मुकाबले में पंजाब की टीम को हराते हुए गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया है। प्रतियोगिता 18 मार्च से 24 मार्च तक हुई है, फाइनल मुकाबले में पंजाब की टीम को 94-73 से हराकर हरियाणा की टीम ने गोल्ड मेडल जीता है। प्रतियोगिता में हरियाणा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में कर्नाटक, क्वार्टर फाइनल मुकाबले में तमिलनाडु, प्री क्वार्टर फाइनल में बिहार और अपने लीग मैचों में मेघालय, पश्चिमी बंगाल व चंडीगढ़ की टीमों को हराया। कप्तान साहिल टाया के नेतृत्व में टीम ने तमाम मैचों में शानदार प्रदर्शन किया। खिलाड़ी राजन के अलावा दीपेंद्र, अंकुश, राहुल, अजय और लक्ष्य ने भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता विजयी होने पर कोच विनय श्योराण ने टीम को बधाई दी है, साथ ही कोच दीपक शर्मा तथा मैनेजर विशाल सिंह ने भी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि टीम की मेहनत रंग लाई है।

बॉक्सर स्वीटी बूरा बोलीं-पति को लड़कों में इंटरेस्ट

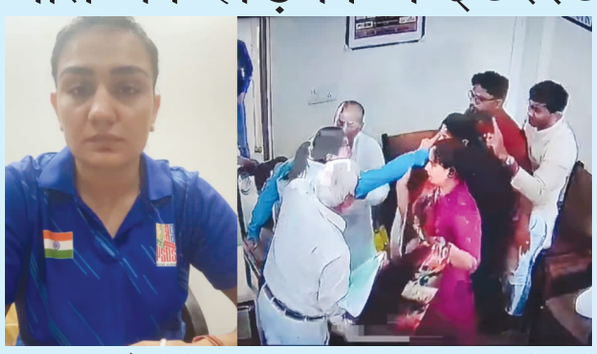

हिसारन, 25 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन इंटरनेशनल बॉक्सर स्वीटी बूरा ने दावा किया कि उसके पति दीपक हुड्डा को लड़कों में इंटरेस्ट है। इसका पता मुझे शादी के बाद चला। बूरा कल हिसार के महिला थाने में पति व पूर्व इंडियन कबड्डी कैप्टन दीपक हुड्डा से मारपीट का वीडियो सामने आने पर सफाई दे रहीं थी। बूरा ने कहा कि मुझे जानबूझकर हिंसात्मक दिखाया जा रहा है, जबकि दीपक हुड्डा ही मुझसे मारपीट करता था। दीपक ने मुझे वीडियो दिखाने के लिए बुलाया था। वीडियो के शुरू और आखिरी का हिस्सा गायब है, जिसमें दीपक मुझे गंदी-गंदी गालियां दे रहा है। बाद में मुझे पैनिक अटैक आया, वह हिस्सा भी गायब कर दिया। थाने का वीडियो सार्वजनिक होने का मतलब यह है कि इस केस में दीपक के साथ हिसार एसपी मिला हुआ है। दोनों को फांसी की सजा होनी चाहिए।' इससे पहले स्वीटी बूरा ने दावा किया था कि पुलिस थाने में कोई मारपीट नहीं हुई। उन पर हिसार पुलिस ने झूठा केस दर्ज किया है।

मीनाक्षी ने विश्व चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता नीतू को हराया, सोनिया भी जीतीं

ग्रेटर नोएडा, 25 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय चैंपियन मीनाक्षी ने आठवीं एलीट महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रमंडल और विश्व चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता नीतू घनघस को हराया। अखिल भारतीय पुलिस (एआईपी) का प्रतिनिधित्व करते हुए एशियाई चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता मीनाक्षी ने नीतू को कड़े मुकाबले में 4-1 के खंडित फैसले से हराया।

पूजा रानी सेमीफाइनल में पहुंचीं

इस बीच, 2014 इंचियोन एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता पूजा रानी ने कोमल पर जीत के साथ सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। हरियाणा की अनुभवी मुक्केबाज और पंजाब की उनकी प्रतिद्वंद्वी दोनों ने 7वीं महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में मिडिलवेट (70-75 किग्रा) श्रेणी में पोडियम फिनिश हासिल किया था। पूजा रानी ने सर्वसम्मति से जीत हासिल की। इसके अलावा, युवा विश्व और राष्ट्रीय चैंपियन सनमाचा चानू ने कर्नाटक की एए सांची बोलम्मा पर पहले दौर की आरएससी जीत के साथ लाइट मिडिलवेट (66-70 किग्रा) वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

ललिता ने अंतिम-4 में जगह पक्की की

मौजूदा चैंपियन ललिता ने भी पंजाब की कोमलप्रीत कौर को कड़ी टक्कर देते हुए 4-1 के खंडित फैसले से जीत हासिल कर अंतिम-4 में अपनी जगह पक्की की। विश्व और एशियाई चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता सोनिया लाठेर ने चंडीगढ़ की मोनिका की कड़ी चुनौती का सामना करते हुए 4-3 के खंडित फैसले से जीत हासिल की और फाइनल के एक कदम करीब पहुंच गईं।

उत्तर प्रदेश मुक्केबाजी संघ के सहयोग से बीएफआई द्वारा आयोजित यह चैंपियनशिप उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स जारी है। सप्ताह भर चलने वाले इस टूर्नामेंट में 24 राज्य इकाइयों के 180 मुक्केबाज 10 भार श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, जो विश्व मुक्केबाजी तकनीकी और प्रतियोगिता नियमों का पालन करता है। इसमें एक मिनट के ब्रेक के साथ 3-3 मिनट के राउंड शामिल हैं।

दिल्ली कैपिटल्स की एक विकेट से जीत के बाद लगी रिकॉर्डों की झड़ी, बने कई दिलचस्प रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2025 के चौथे मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में एक विकेट से जीत दर्ज की, और इस जीत के साथ ही कई दिलचस्प रिकॉर्ड्स भी बना डाले।

विशाखापत्तनम में खेले गए इस मैच में लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 209/8 का स्कोर खड़ा किया था। इसके बाद दिल्ली को 210 रनों का लक्ष्य मिला, जिसे उसने तीन गेंद शेष रहते एक विकेट से सफलतापूर्वक हासिल किया। दिल्ली के लिए इस जीत के हीरो रहे आशुतोष शर्मा, जिन्होंने सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए महज 31 गेंदों में 66 रन बनाकर टीम को इस ऐतिहासिक जीत तक पहुंचाया। इस पारी में उन्होंने पांच चौके और पांच छक्के लगाए, और अपनी आतिशी पारी के दम पर दिल्ली को शानदार जीत दिलाई। यह आईपीएल इतिहास में दिल्ली कैपिटल्स द्वारा चेज़ किया गया सबसे बड़ा लक्ष्य था। 210 रनों का लक्ष्य आईपीएल में अब तक दिल्ली द्वारा सफलतापूर्वक पीछा किया गया सबसे बड़ा स्कोर बन गया है। यह पहली बार था, जब लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ किसी टीम ने 200 से अधिक रनों का लक्ष्य हासिल किया। साथ ही यह आईपीएल के इतिहास में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से एक विकेट से जीता गया पहला मैच भी था, जो इस जीत को और भी खास बना देता है। दिल्ली के लिए यह मुकाबला बेहद कठिन था, क्योंकि एक समय टीम ने 90 रनों पर ही पांच विकेट गंवा दिए थे।

लेकिन फिर आशुतोष शर्मा ने शानदार पारी खेली, और विपराज निगम के साथ मिलकर मैच को रोमांचक बना दिया। विपराज ने भी 15 गेंदों में 39 रन बनाए, जिससे दिल्ली को जीत की उम्मीद जगी। आखिरी ओवर में आशुतोष ने छक्का लगाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस पारी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब भी दिया गया। आशुतोष शर्मा की 66 रन की पारी ने न सिर्फ दिल्ली के लिए जीत की राह खोली, बल्कि आईपीएल इतिहास में भी एक नया रिकॉर्ड भी स्थापित किया। वह आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए सातवें नंबर या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए। इससे पहले यह रिकॉर्ड अक्षर पटेल और क्रिस मॉरिस के नाम था। अक्षर पटेल ने 2023 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 54 रन बनाए थे, जबकि क्रिस मॉरिस ने 2017 में उसी टीम के खिलाफ 52 रन बनाए थे। इस तरह, आशुतोष शर्मा ने अपनी पारी के साथ दोनों को पीछे छोड़ दिया और दिल्ली के लिए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया।

वकीलों ने विधानसभा घेराव का प्रयास किया

पुलिस और वकीलों के बीच हुई झड़प

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में तेलंगाना विधानसभा सत्र के दौरान विधानसभा में तनावपूर्ण माहौल था। वकीलों ने उनके लिए नौकरी की सुरक्षा की मांग करते हुए विधानसभा को रोकने की कोशिश की। एडवोकेट इजरायल की हत्या का विरोध करते हुए, तेलंगाना एडवोकेट्स जेएसी के नेतृत्व में वकीलों ने विधानसभा को रोकने की कोशिश की। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने मांग की कि वकीलों की सुरक्षा के लिए एक विशेष कानून लाया जाए। वे विधानसभा की ओर यह मांग करते हुए बढ़े कि नौकरी की सुरक्षा के लिए तत्काल कानून बनाया जाए।

पुलिस ने वकीलों को रोक दिया। इससे दोनों समूहों के बीच हाथापाई हो गई और तनाव पैदा हो गया। बाद में पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे वकीलों को हिरासत में लिया और विधानसभा परिसर से बाहर ले गई। इस बीच, सोमवार को संतोषनगर इलाके के न्यू मारुति नगर में एडवोकेट इसराइल की हत्या कर दी गई। एडवोकेट इसराइल ने एक इलेक्ट्रीशियन दस्तगिरी नामक व्यक्ति के खिलाफ महिला से छेड़छाड़ करने की शिकायत दर्ज कराई थी। इससे रंजिश रखने वाले दस्तगिरी ने इसराइल पर चाकू से हमला कर दिया। अपोलो अस्पताल में इलाज के दौरान इसराइल की मौत हो गई।

राजगोपाल रेड्डी ने मंत्री पद मिलने का भरोसा जताया

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुनुगोडु कांग्रेस विधायक कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की कैबिनेट में मंत्री पद मिलने की संभावना को लेकर आशा व्यक्त की है। तेलंगाना कैबिनेट के विस्तार के करीब पहुंचने के साथ ही उन्होंने मंगलवार को विधानसभा में मीडिया के सदस्यों से बात की। मंत्रिमंडल की नियुक्तियां योग्यता के आधार पर की जानी चाहिए। मैंने पहले भुवनगिरी के सांसद के रूप में प्रभावी ढंग से काम किया है।

गृह मंत्री के लिए मेरे मन में सकारात्मक सम्मान है, लेकिन मुझे जो भी भूमिका सौंपी जाएगी, मैं उसे बखूबी निभाऊंगा। राजगोपाल रेड्डी ने कहा कि मेरी प्रतिबद्धता लोगों के प्रति है। ऐसा लगता है कि दिल्ली में कैबिनेट के बारे में चर्चा चल रही है। हालांकि, मुझे अभी तक वहां से कोई कॉल नहीं आया है।

नरेंद्र मोदी सरकार ने सुनिश्चित किया कि किसानों को उर्वरक की कमी न हो : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वर्ष 2014 में सत्ता में आने के बाद से, नरेंद्र मोदी सरकार ने उर्वरक सब्सिडी पर 12 लाख करोड़ से अधिक खर्च किए हैं। परिणामस्वरूप, अंतर्राष्ट्रीय बाजार दरों के बावजूद, देश भर के किसानों को बहुत कम कीमतों पर उर्वरक उपलब्ध कराए गए हैं। पहले, किसानों को उर्वरक प्राप्त करने के लिए लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ता था। हालांकि, नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा उठाए गए कई उपायों के कारण, किसानों को अब ऐसी कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ता है, और वे सब्सिडी दरों पर आवश्यक मात्रा में उर्वरक प्राप्त करने में सक्षम हैं। इन उपायों में नीम लेपित यूरिया की आपूर्ति, कई बंद उर्वरक संयंत्रों का पुनरुद्धार, नए संयंत्रों की स्थापना, आधुनिक मशीनरी के साथ मौजूदा संयंत्रों में उत्पादन क्षमता में वृद्धि, राष्ट्रीय उर्वरक निगरानी प्रणाली का निर्माण और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) प्रणाली के माध्यम से उर्वरक कालाबाजारी की रोकथाम शामिल है। ऐसी ही एक पहल थी आरएफसीएल (रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड) की स्थापना, जिसका उद्घाटन 6,338 करोड़ रुपये के निवेश से किया गया। 2024-25 के रबी सीजन के लिए सभी राज्यों को उर्वरकों की आपूर्ति की जा चुकी है और विभिन्न राज्यों में उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अभी भी स्टॉक उपलब्ध है।

प्रत्येक फसल सीजन से पहले, केंद्र सरकार आमतौर पर यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाती है कि प्रत्येक राज्य में किसानों को पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध हों। इसके हिस्से के रूप में, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय सभी राज्य सरकारों के साथ समन्वय करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक राज्य में उनकी मासिक जरूरतों के अनुसार आवश्यक उर्वरक उपलब्ध हों। राज्य सरकारों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के आधार पर, केंद्रीय उर्वरक विभाग यह सुनिश्चित करता है कि राज्यों को महीनेवार पर्याप्त उर्वरकों की आपूर्ति की जाए और उनकी उपलब्धता की निरंतर निगरानी की जाए।

सब्सिडी के साथ प्रदान किए जाने वाले प्रमुख उर्वरकों की पूरी आपूर्ति को किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए "एकीकृत उर्वरक निगरानी प्रणाली (आईएफएमएस)" नामक एक ऑनलाइन-आधारित निगरानी प्रणाली के माध्यम से कड़ाई से नियंत्रित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, उर्वरक मंत्रालय के साथ मिलकर प्रत्येक राज्य के कृषि अधिकारियों के साथ साप्ताहिक वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित करता है, ताकि तत्काल कार्रवाई की जा सके और आवश्यक उर्वरकों की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। एक बार जब राज्यों को उर्वरकों की आपूर्ति हो जाती है, तो किसानों की ज़रूरतों के आधार पर उन्हें जिला और मंडल स्तर पर वितरित करना राज्य सरकारों की ज़िम्मेदारी होती है।

श्रीधर बाबू ने युवा मरीज की इच्छा, क्रिकेट किट भेंट कर पूरी की

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सर, मुझे क्रिकेट बहुत पसंद है। मैं एक महान क्रिकेटर बनने का सपना देखता हूं। कृपया मुझे क्रिकेट किट दिलवा दीजिए, सर। ये हृदयस्पर्शी शब्द कैंसर से बहादुरी से जूझ रहे एक युवा लड़के के थे। इन्हें सुनकर कोई भी दिलदार व्यक्ति भावुक हो जाएगा। मंत्री श्रीधर बाबू इतने भावुक हो गए कि वे अपने आंसू नहीं रोक पाए। भूपालपल्ली जिले के पालीमाला मंडल के सरवाई पेटा गांव के युवा कैंसर रोगी भूथ नितिन का हैदराबाद के स्पर्श हॉस्पिस में इलाज चल रहा है। उसकी हालत के बारे में जानने के बाद, श्रीधर बाबू व्यक्तिगत रूप से उससे मिलने अस्पताल गए। उन्होंने नितिन को आश्वस्त किया और अपना अटूट समर्थन देने की पेशकश की। नितिन के शब्दों से भावुक होकर, मंत्री ने तुरंत एक क्रिकेट किट की व्यवस्था की और मौके पर ही लड़के की हार्दिक इच्छा पूरी की। उन्होंने नितिन के माता-पिता को भी आश्वासन दिया कि वह एक बड़े भाई की तरह उनके साथ खड़े रहेंगे और उन्हें किसी भी मदद के लिए सीधे उनसे संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित किया।

दसवीं कक्षा की परीक्षा में गलत आचरण करने वाले छह गिरफ्तार

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा पुलिस ने दसवीं कक्षा की परीक्षा में गलत आचरण करने वाले दस लोगों को गिरफ्तार किया है। डीएसपी नलगोंडा के. शिवराम रेड्डी ने बताया कि चितला आकाश (नाकरेकल), चितला शिवा (नाकरेकल टाउन), बंडी श्रीनु (गोरेनकलापल्ली गांव), गुडुगुंटला शंकर (शिवाजी नगर, नाकरेकल टाउन), ब्रह्मदेवरा रविशंकर (नाकरेकल टाउन) और एक किशोर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा पोगुला श्रीरामुलु, थलारी अखिल कुमार, मुत्याला वामसी, पलासा अनिल कुमार, पल्ला मनोहर प्रसाद सभी निवासी नाकरेकल के खिलाफ कार्रवाई जारी है। इस मामले में एक आरोपी राहुल निवासी नाकरेकल टाउन फरार है। सीसीएल-1 को किशोर बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा। नलगोंडा डीएसपी ने कहा कि वर्तमान में तेलंगाना राज्य में 10वीं कक्षा की परीक्षाएं चल रही हैं, उस परीक्षा के कार्यक्रम के अनुसार, प्रथम भाषा (तेलुगु) परीक्षा 21 मार्च को 9.30 बजे से 12.30 बजे तक आयोजित की गई थी। इस परीक्षा के शुरू होने के आधे घंटे बाद जब तेलुगु प्रश्न पत्र व्हाट्सएप पर प्रसारित हो रहा था, तब नलगोंडा के डीईओ को इस मामले की जानकारी मिली और उन्होंने नाकरेकल के एमईओ को फोन द्वारा सूचित किया और इसके बारे में जांच करने का आदेश दिया। जांच के दौरान पता चला कि परीक्षा दे रही लड़की ने अपने सेल फोन से प्रश्नपत्र की फोटो खींची थी। एमईओ ने अपने वरिष्ठों को सूचित किया और उनके निर्देशों के अनुसार नाकरेकल पुलिस स्टेशन में सीआर नंबर 77/2025 के तहत धारा 318(2), 318(3), 353(2), 223 बीएनएस और धारा के तहत शिकायत दर्ज की। तेलंगाना राज्य सार्वजनिक परीक्षा (कदाचार और अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम-1997 के 8 के अनुसार मामला दर्ज किया गया और जांच की गई। किशोर समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

सरकार किसी भी परिस्थिति में बेल्ट शॉप को बढ़ावा नहीं देगी : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने इस बात पर जोर दिया है कि कांग्रेस सरकार किसी भी परिस्थिति में तेलंगाना में बेल्ट शॉप का समर्थन नहीं करेगी।

मंगलवार को विधानसभा सत्र के दौरान, मंत्री ने बीआरएस प्रशासन के दौरान हुई व्यापक शराब बिक्री पर अपनी निराशा व्यक्त की, उन्होंने कहा कि बीआरएस का इतिहास छोटी किराना दुकानों में भी शराब की बिक्री की अनुमति देने का रहा है। श्रीधर बाबू ने टिप्पणी की कि बीआरएस विधायक प्रशांत रेड्डी द्वारा विधानसभा में यह स्वीकार करना उत्साहजनक था कि तेलंगाना में पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान बेल्ट शॉप स्थापित की गई थीं। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार बिना किसी भ्रष्टाचार या अनियमितताओं के आबकारी विभाग के भीतर संचालन करेगी। इससे पहले, बीआरएस विधायक वेमुला प्रशांत रेड्डी ने सवाल उठाया था कि क्या राज्य सरकार की रणनीति में नए ब्रांड, बीयर और नए बार और पब की स्थापना शामिल है।

उन्होंने सरकार पर राजस्व बढ़ाने के लिए बेल्ट शॉप्स बढ़ाने का प्रयास करने का आरोप लगाया। प्रशांत रेड्डी ने सरकार से वर्तमान शराब नीति को निरस्त करने और बिना देरी के बेल्ट शॉप्स को खत्म करने का आग्रह किया।

धोखाधड़ी के आरोप में एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सेंट्रल क्राइम स्टेशन पुलिस ने कथित तौर पर चिटफंड कारोबार के बहाने जमाकर्ताओं से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में पुल्लैया नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुल्लैया के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद से वह फरार है। वह मूल रूप से आंध्र प्रदेश के अनंतपुर का रहने वाला है और पिछले कुछ समय से हैदराबाद में रहकर अवैध कारोबार कर रहा है।

जानकारी के अनुसार, पुल्लैया को बेंगलुरू में गिरफ्तार किया गया और हैदराबाद स्थानांतरित कर दिया गया, जहां उसे अदालत में पेश किया जाएगा और न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाएगा। पुल्लैया ने एसआर नगर और मधुरा नगर में चिट फाइनेंस कारोबार के नाम पर लोगों से भारी रकम एकत्र की थी और पैसे लेकर फरार हो गया था। पीड़ितों ने पुल्लैया के खिलाफ सीसीएस पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

हनमकोंडा के पास दुर्घटना में चर्च के पादरी की मौत

हनमकोंडा, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार तड़के करीमनगर-वारंगल राजमार्ग पर गोपालपुर क्रॉसिंग के पास एक सामने से आ रहे ट्रक ने उनकी कार को टक्कर मार दी, जिससे एक पादरी कनकपुडी करुणाकर (55) की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस को पादरी के शव को कार के क्षतिग्रस्त अवशेषों से निकालने के लिए घंटों मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस ने बताया कि करीमनगर जिले के एक चर्च में पादरी करुणाकर हनमकोंडा से करीमनगर जा रहे थे। सड़क निर्माण कार्य चल रहा था, इसलिए उन्होंने हुस्नाबाद रोड से रास्ता बदल लिया। रास्ते में गोपालपुर क्रॉसिंग के पास ट्रक ने उनकी कार को टक्कर मार दी। राहगीरों ने पुलिस और एम्बुलेंस को बुलाया। अधिकारियों को शव को निकालने में एक घंटे से ज़्यादा समय लग गया। पुलिस को संदेह है कि ट्रक चालक की लापरवाही की वजह से कार में टक्कर लगी होगी। मामले की जांच जारी है।

एसबीआई कर्मचारियों का सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष के लिए 37 लाख का योगदान

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय स्टेट बैंक, एलएचओ कोटि के कर्मचारियों ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष, तेलंगाना राज्य के लिए 37,16,500 की राशि का योगदान दिया है। राजेश कुमार, मुख्य महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक ने तेलंगाना के राज्यपाल और सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष के अध्यक्ष जिष्णु देव वर्मा को 37,16,500 का चेक सौंपा। इस अवसर पर कर्नल रमेश कुमार (सेवानिवृत्त), निदेशक सैनिक कल्याण, तेलंगाना राज्य, जितेंद्र कुमार शर्मा, डीजीएम और सीडीओ, एसबीआई, जी रामकृष्ण, एजीएम पीआर और कैप्टन संजय अप्पागे (सेवानिवृत्त), एजीएम सुरक्षा की उपस्थिति में यह योगदान दिया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, जिष्णु देव वर्मा ने एसबीआई द्वारा एक नेक कार्य के लिए दिए गए सहयोग की सराहना की और कहा कि यह कदम निश्चित रूप से अन्य संगठनों के लिए प्रेरणादायी होगा। राज्यपाल ने भूतपूर्व सैनिकों और वीर नारियों सहित उनके आश्रितों के कल्याण के लिए पिछले 10 वर्षों से बैंक द्वारा निरंतर किए जा रहे योगदान की सराहना की। राजेश कुमार ने कहा कि जब हमारे सैनिकों और नागरिकों को बड़े पैमाने पर समर्थन देने की बात आती है तो एसबीआई हमेशा सबसे आगे रहा है। बैंक के पास विशेष रूप से सेवारत और सेवानिवृत्त रक्षा कर्मियों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कई योजनाएं हैं, जिनमें 50 लाख रुपये से लेकर 1.00 करोड़ रुपये तक की दुर्घटना बीमा कवरेज जैसी विशेष मूल्य एड-ऑन योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि एसबीआई, एलएचओ कोटि राज्य में विभिन्न शाखाओं में सुरक्षा कर्मचारियों के रूप में भूतपूर्व सैनिकों को रोजगार भी प्रदान कर रहा है। उन्होंने भविष्य में भूतपूर्व सैनिकों के पुनर्वास और पुनर्स्थापन के लिए विभिन्न योजनाओं में प्रभावी रूप से भाग लेने और योगदान देने की आशा व्यक्त की।

विजयवाड़ा डिवीजन ने रिकॉर्ड 206.29 रूट किलोमीटर स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग शुरू की

विजयवाड़ा, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एक अभूतपूर्व उपलब्धि में, दक्षिण मध्य रेलवे के विजयवाड़ा डिवीजन ने विजयवाड़ा की परियोजना संगठन इकाई के सहयोग से, वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 206.29 रूट किलोमीटर (आरकेएम) स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग (एबीएस) को सफलतापूर्वक चालू किया है। यह मील का पत्थर स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग सिस्टम को लागू करने में अग्रणी के रूप में विजयवाड़ा डिवीजन की प्रतिष्ठा को मजबूत करता है। 23 मार्च, 2025 की शाम को, समालकोट, पिथापुरम, गोलाप्रोलू और रविकाम्पाडु के प्रमुख खंडों के बीच 29.67 आरकेएम में एबीएस को सफलतापूर्वक चालू किया गया, जिससे वित्तीय वर्ष के लिए डिवीजन की कुल एबीएस कमीशनिंग 206.29 आरकेएम हो गई। इस उल्लेखनीय उपलब्धि में विजयवाड़ा डिवीजन के उत्तरी खंड में 416.23 ट्रैक किलोमीटर (ट्रैक की संख्या से गुणा किया गया आरकेएम) शामिल है। एबीएस के कार्यान्वयन से रेलवे का सुचारू संचालन सुनिश्चित होता है और विजयवाड़ा-विशाखापट्टनम और विजयवाड़ा-गुदुर मार्गों पर भीड़भाड़ में उल्लेखनीय कमी आती है।

बिरयानी होटल में विस्फोट से दहशत

नलगोंडा, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद रोड पर स्थित एक रेस्टोरेंट में मंगलवार सुबह हुए एक धमाके से कस्बे में अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस को अभी तक विस्फोट के कारणों का पता नहीं चल पाया है, क्योंकि वे यह नहीं बता पाए हैं कि यह सिलेंडर ब्लास्ट था या कुछ और। यह धमाका सुबह-सुबह नलगोंडा के हैदराबाद रोड पर हॉट बकेट बिरयानी सेंटर में हुआ। धमाका इतना जोरदार था कि होटल का शटर गेट उड़ गया और होटल के अंदर का फर्नीचर बाहर फेंक दिया गया। चूंकि यह घटना सुबह के समय हुई, इसलिए कोई हताहत नहीं हुआ। विस्फोट के बाद आग लग गई और दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने में सफल रहीं। बताया जा रहा है कि बिरयानी सेंटर बंद होने के करीब 15 मिनट बाद यह रहस्यमयी धमाका हुआ। मामले की जांच जारी है।

रेलवे ट्रैक पर की आत्महत्या

ऑनलाइन सट्टेबाजी के खेल में आर्थिक नुकसान से था परेशान

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को मेडचल के गौडावेली में ऑनलाइन सट्टेबाजी के खेल में कथित रूप से पैसा हारने के बाद 25 वर्षीय एक व्यक्ति ने रेलवे पटरी पर आत्महत्या कर ली। गुंडलापोचमपल्ली निवासी सोमेश नामक युवक को ऑनलाइन गेम की लत लग गई और उसने धीरे-धीरे ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स का उपयोग करना शुरू कर दिया। सोमेश एक ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप का शिकार हो गया था, जिसकी वजह से उसे काफी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। अपनी लत के कारण उसने अपने दोस्तों से बहुत सारा पैसा उधार लिया, जिसे वह वापस नहीं कर पाया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ऑनलाइन सट्टेबाजी के खेल से हुए नुकसान की भरपाई के लिए वह लगातार कर्ज लेता रहा, लेकिन उसे चुका नहीं पाया। नतीजतन, वह मानसिक रूप से दबाव में था। पिछले कई दिनों से सोमेश काफी परेशान था। परिवार के हस्तक्षेप और मानसिक दबाव कम करने के प्रयासों के बावजूद, युवक ने गौडावेली में चलती ट्रेन के सामने छलांग लगा दी। उसके परिवार के सदस्यों की शिकायत के आधार पर राजकीय रेलवे पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच चल रही है।

विधायक सुनीता लक्ष्मा रेड्डी स्पीकर की टिप्पणी से नाराज

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक सुनीता लक्ष्मा रेड्डी ने कहा कि वह सोमवार को विधानसभा में उनके खिलाफ अध्यक्ष जी प्रसाद कुमार की टिप्पणियों से आहत महसूस कर रही हैं और चाहती हैं कि इसे वापस लिया जाए। मंगलवार को सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले पूर्व मंत्री ने कहा कि अध्यक्ष की टिप्पणियों से उन्हें बहुत दुख पहुंचा है।

उन्होंने अध्यक्ष से कहा कि एक महिला होने के नाते मुझे बुरा लगा। अगर आपको लगता है कि टिप्पणियां ठीक हैं, तो उन्हें रिकॉर्ड में शामिल करें या टिप्पणियां वापस ले लें। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि वह हमेशा विषय पर ही टिकी रहीं और सदन में चर्चा के विषय से कभी नहीं भटकीं। उन्होंने अध्यक्ष से पूछा कि मैंने क्या गलती की और आपको मेरा भाषण सुनना क्यों पसंद नहीं आया? पूर्व मंत्री के सवाल का जवाब देते हुए अध्यक्ष ने कहा कि महिलाओं के प्रति उनके मन में अपार सम्मान है।

स्पीकर ने कहा कि मेरी आठ बहनें हैं और ये टिप्पणियां आपके लिए नहीं थीं। जब आप बोल रहे थे, तो सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की ओर से लगातार टिप्पणियां हो रही थीं।

उन्होंने कहा कि इसे सुनना मुश्किल था। प्रसाद कुमार ने जवाब दिया कि मैं स्पष्ट रूप से सुन नहीं पा रहा था। यही कारण है कि मैंने कहा कि मैं सुन नहीं पा रहा हूं और पूछा कि क्या आप सुन पा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि अगर पूर्व मंत्री को बुरा लगा तो उनकी टिप्पणी को रिकॉर्ड से हटा लिया जाएगा।

आरटीसी बस की चपेट में आने से महिला की मौत

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को त्रिमलगिरि में टीजीएसआरटीसी बस की चपेट में आने से एक महिला पैदल यात्री की मौत हो गई। यह घटना तब हुई जब पीड़िता व्यस्त सड़क पार कर रही थी। तेज रफ्तार आरटीसी बस ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। रास्ते से गुजर रहे अन्य वाहन चालकों ने पीड़िता को देखा और तुरंत उसे बचाने के लिए दौड़े, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। त्रिमलगिरि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गर्म पानी की बाल्टी से बच्चे की मौत

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जवाहर नगर स्थित अपने घर में गर्म पानी से भरी बाल्टी गिरने से गंभीर रूप से घायल हुए चार वर्षीय बच्चे की मंगलवार को गांधी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पीड़ित एम. बनी अपने माता-पिता नरसिंह और लक्ष्मी के साथ बालाजी नगर, जवाहरनगर में रह रहा था, जो दोनों ही दिहाड़ी मजदूर थे। पुलिस के अनुसार, सोमवार को घर में खेलते समय बनी पानी से भरी बाल्टी के पास गया, जिसे इलेक्ट्रिक इमर्सिव हीटर रॉड से गर्म किया जा रहा था। बच्चा इस बात से अनजान था और बाल्टी के पास गया और उसे पकड़ने की कोशिश की। नतीजतन, बाल्टी गलती से झुक गई और गर्म पानी उसके ऊपर गिर गया।

इस प्रक्रिया में बच्चा गंभीर रूप से जल गया और उसे तुरंत गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जवाहरनगर पुलिस मामले की जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए शवगृह भेज दिया गया है।

स्पीकर ने तेलंगाना में कोनोकार्पस पौधों को हटाने के लिए सरकार से आग्रह किया

हैदराबाद, 25 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को विधानसभा में बीआरएस विधायक वेमुला प्रशांत रेड्डी और विधानसभा अध्यक्ष प्रसाद कुमार के बीच एक उल्लेखनीय चर्चा हुई। इस बातचीत के दौरान, प्रशांत रेड्डी ने राज्य सरकार द्वारा तेलंगाना में वन और वृक्ष आवरण दोनों को बढ़ाने के लिए कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में, बीआरएस सरकार ने तेलंगाना हरिता हरम कार्यक्रम शुरू किया, जो राज्य के हरित आवरण का विस्तार करने के उद्देश्य से एक प्रमुख पहल है। दस वर्षों के दौरान, इस कार्यक्रम के परिणामस्वरूप 10,822 करोड़ रुपये की लागत से लगभग 273 करोड़ पौधे लगाए गए। इसके अलावा, हर गांव में नर्सरी और ग्राम वन स्थापित किए गए। प्रशांत रेड्डी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि हरित हरम पहल ने तेलंगाना में हरित आवरण को 7 प्रतिशत तक सफलतापूर्वक बढ़ाया है। प्रशांत रेड्डी की टिप्पणियों के जवाब में, स्पीकर गड्डाम प्रसाद कुमार ने स्वीकार किया कि बीआरएस प्रशासन के दौरान, कुल 273 करोड़ पौधे लगाए गए थे, लेकिन उन्होंने कहा कि उनमें से कई अप्रभावी थे। उन्होंने कोनोकार्पस नामक एक विशिष्ट पौधे का उल्लेख किया, जो सूखा प्रतिरोधी है और विभिन्न परिस्थितियों में उग सकता है। हालांकि, यह पौधा ऑक्सीजन को अवशोषित करता है और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित करता है, और यह पक्षियों के लिए आवास प्रदान नहीं करता है। उनके अनुसार, ये पौधे पूरे तेलंगाना में व्यापक रूप से पाए जाते हैं, जो गांवों और सड़कों के किनारे पाए जाते हैं। उन्होंने राज्य सरकार से तेलंगाना के सभी क्षेत्रों से इन पौधों को हटाने का आग्रह किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.